आज का मौसम
24.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.50
सूर्यास्त 05.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष सप्तमी 05:01 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 8 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 4, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- संघ सत्ता की इच्छा नहीं रखता - 11

■ इलेक्ट्रॉनिक्स आई पी के लिए अमेरिका के साथ काम कर रहा भारत : अश्विनी वैष्णव - 12

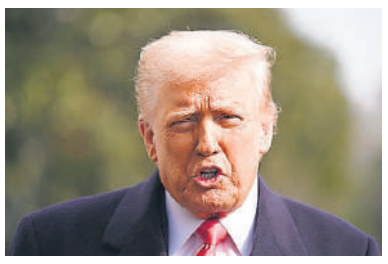

■ ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर टैरिफ लगाएगा अमेरिका - 13

■ डेविस कप क्वालीफायर में सुमित नागल पहले एकल मुकाबले में हारे - 14

अमेरिका से व्यापार समझौता, भारत के लिए 30,000 अरब डॉलर का बाजार खुला

ट्रंप ने रूस से तेल खरीद पर लगाया गया अतिरिक्त 25% टैरिफ भी हटाया, अब सिर्फ 18 फीसदी शुल्क

● भारत अगले 5 साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद विमान और कलपुर्जे आदि खरीदेगा

नई दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी

नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता शनिवार से लागू हो गया। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाएंगे। वहीं, रूस से तेल खरीद पर लगाया गया अतिरिक्त 25% टैरिफ भी अमेरिका ने हटा दिया है। अब भारतीय वस्तुओं पर मौजूदा शुल्क 50% से घटकर 18 प्रतिशत रह जाएगा।

समझौते के तहत भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं। दोनों देशों के एक संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत ने अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा जताया है। बयान के मुताबिक, अमेरिका और भारत को पारस्परिक और द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए रूपरेखा तैयार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से रूसी तेल की खरीद पर पिछले वर्ष अगस्त में भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क को हटा दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अंतरिम समझौते से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई, किसानों व मछुआरों के लिए 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर का बाजार खुलेगा। इसका कारण भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क पहले के 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। अमेरिका ने अगस्त, 2025 में रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया था। यह पहले से लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क के अलावा था। इस वजह से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। इससे भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ था, क्योंकि अमेरिका उनका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। शुल्क में कमी से वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, गृह सज्जा, हस्तशिल्प उत्पाद जैसे भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों और कुछ मशीनरी के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

मेक इन इंडिया को मिलेगी मजबूती : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर खोलकर मेक इन इंडिया को मजबूत करेगा तथा महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद भी दिया। मोदी ने कहा, भारत-अमेरिका के लिए बहुत अच्छी खबर। यह रूपरेखा भारत-अमेरिका साझेदारी की बढ़ती गहराई, भरोसे और गतिशीलता को दिखाता है।

इन चीजों पर नहीं लगेगा कोई टैरिफ

चाय, मसाले, कॉफी, नारियल तेल, कोपरा, और वनस्पति मोम जैसे उत्पादों पर अमेरिका में कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा। इसके अलावा, केले, आम, अमरूद, एवोकाडो, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम, जड़ वाली सब्जियां, अनाज, जौ, बेकरी उत्पाद, कोको उत्पाद, तिल, खसखस और खट्टे फलों के रस जैसे कई फल, सब्जियां और कृषि उत्पाद भी बिना किसी शुल्क के अमेरिकी बाजार में पहुंचेंगे। भारत से करीब 13 अरब डॉलर के दवा निर्यात पर भी अमेरिका में शून्य-शुल्क लगेगा। रत्न और आभूषण निर्यात को भी शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, साथ ही कई अन्य उच्च-मूल्य वाले उत्पाद भी इसमें शामिल हैं।

भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

अमेरिका 2021-25 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका का हिस्सा 18 प्रतिशत, आयात में 6 .22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10 .73 प्रतिशत है। 2024-25 में, द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब डॉलर (86 .5 अरब डॉलर निर्यात और 45 .3 अरब डॉलर आयात) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 2024-25 में 41 अरब डॉलर था।

अमेरिका ने नक्शा जारी कर पीओके और अक्साई चिन को बताया भारत का हिस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी

● व्यापार समझौते के बाद भारतीय मानचित्र को किया शेयर

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क घोषित किया। इसके साथ ही अमेरिकी ट्रेड ऑफिस (यूएसटीआर) ने भारतीय मानचित्र शेयर किया। जिसमें पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) हैं, उन्हें भारत का हिस्सा दिखाया गया है।

यह नक्शा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अमेरिका पहले के नक्शों में पीओके को अलग से दिखाता था। अंतर्राष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में भी विवादित हिस्सों को अलग रंग या ''डॉटेड लाइन्स'' से दिखाया जाता है। इस बार ट्रंप प्रशासन ने जानबूझकर या अनजाने में एक ऐसा नक्शा शेयर किया जो भारत की सीमाओं को पूरी तरह मान्यता देता है। भारत हमेशा से जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न अंग मानता आया है।

इसे पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर ट्रंप की खुशामद में लगे हुए हैं। यहां तक कि शहबाज सरकार ने ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड में भी शामिल होने का फैसला कर लिया, जिसका पाकिस्तान में ही विरोध हो रहा है।

भारत लंबे समय से बता रहा अपना अंग

भारत लंबे समय से कहता आ रहा है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख (जिसमें अक्साई चिन शामिल है) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग हैं। पाकिस्तान ने 2020 में अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें पीओके, लद्दाख के कुछ हिस्से, जूनागढ़, मनावदार और सर क्रीक को अपना बताया था। भारत ने इसे 'राजनीतिक मूर्खता' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब यूएसटीआर का नक्शा पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह नकारता है। वहीं, चीन की तरफ से भी यही स्थिति है। अगस्त 2023 में चीन ने अपना 'स्टैंडर्ड मैप' जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया गया था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, प्यार का उत्सव वेलेंटाइन डे व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

केरल में प्याज के ट्रक से भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त

मलप्पुरम। केरल में मलप्पुरम के समीप चेम्माड में शनिवार को प्याज लदे एक ट्रक से जिलेटिन की 10,500 से अधिक छड़ें व डेटोनेटर जब्त किए गए। इस सिलसिले में पुलिस ने ट्रक की मालकिन को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, ईंट के भट्ठे के पास खड़े इस ट्रक से लगभग 245 बक्से बरामद किए गए जिनमें जिलेटिन की छड़ें, डेटोनेटर और तार रखे थे। तिरुरंगडी थाने के अधिकारियों ने बताया कि प्याज से लदा यह ट्रक शुक्रवार देर रात ईंट के भट्ठे पर पहुंचा था।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर ट्रक ने छह यात्रियों को रौंदा

मथुरा, एजेंसी

● बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थे यात्री, सभी के चेहरे कुचले, स्वेटर से पहचान
● जान गंवाने वालों में दो औरैया एक-एक कन्नौज, फिरोजाबाद बस्ती और दिल्ली के रहने वाले

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बस।

यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कंटेनर ट्रक के बस से टकरा जाने से छह लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो बजकर 45 मिनट पर हुई। सुरीर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अजय कुमार ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब नोएडा से कानपुर जा रही एक बस को बीच में एक यात्री के शौचालय जाने के कारण रोका गया था। उन्होंने बताया कि एक कंटेनर ने बस को बगल से टक्कर मार दी, जिससे बस से उतरकर सड़क पर खड़े छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसे में यात्रियों के चेहरे कुचल जाने से उनकी पहचान स्वेटर से की गई।

जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि सभी मृतकों और घायलों के परिजनों को नियमानुसार सहायता मुहैया कराई जाएगी। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान औरैया निवासी सोनू (32), बस्ती निवासी देवेश (32), कन्नौज निवासी असलम (27), दिल्ली निवासी संतोष (45), औरैया निवासी अनुराग (27) और फिरोजाबाद निवासी प्रमोद (35) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान औरैया निवासी शिवकांत दुबे (46) के रूप में हुई है। जिलाधिकारी ने बताया शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फरार हुए ट्रक चालक की तलाश जारी है। शेष यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजा जा रहा है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

यूपी नीट पीजी काउंसिलिंग में 1533 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

लखनऊ। यूपी नीट पीजी-2025 की तीसरी काउंसिलिंग में प्रदेश के सरकारी व निजी कुल 70 मेडिकल कॉलेजों की रिक्त 1533 पीजी सीटों को शामिल किया गया है। मेरिट सूची के आधार पर चिकित्सक अभ्यर्थियों को मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक द्वारा कॉलेजों के रिक्त सीटों की मेट्रिक्स सार्वजनिक कर दी गई है। जारी मेट्रिक्स के अनुसार 34 सरकारी समेत 70 मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस की 1458 सीटें और डीएनबी की 75 सीटों सार्वजनिक की गई हैं। इनमें एनेस्थिसिया, ईएनटी, मेडिसिन, माइक्रोबॉयोलॉजी, आर्थो, मानसिक रोग विभाग, रेडियोलॉजी और सर्जरी विभाग की सीटें शामिल हैं। अभ्यर्थियों को 11 फरवरी तक प्राथमिकताएं देनी होंगी, तत्पश्चात सीट आवंटन परिणाम घोषित किए जाएंगे। 17 फरवरी तक प्रवेश की प्रक्रिया कॉलेज स्तर पर संपन्न की जाएगी।

मलेशिया पहुंचे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मलेशिया के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे, यहां उनकी अगवानी समकक्ष अनवर इब्राहिम ने की। मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारतीय मूल के 30 लाख लोग रहते हैं, जो विश्व में भारतीय मूल के लोगों का दूसरा सबसे बड़ा समुदाय है। (खबर देश विदेश पेज पर)

बीडा क्षेत्र के विकास के लिए 23,590 एकड़ भूमि का अधिग्रहण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र के विकास के लिए 23,590 एकड़ भूमि का अधिग्रहण अंतिम दौर में है। इसके साथ ही सरकार ने कुल 56,662 एकड़ भूमि को औद्योगिक विकास के लिए औपचारिक रूप से अनुमोदित कर दिया है। यह फैसला भूमि अधिग्रहण तक सीमित नहीं है, बल्कि बुंदेलखंड के आर्थिक और सामाजिक कायाकल्प की नींव के रूप में देखा जा रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि वर्षों से पिछड़े माने जाने वाले इस क्षेत्र को निवेश, रोजगार और औद्योगिक अवसरों का नया केंद्र बनाया जाए। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) ने बीडा क्षेत्र में लगभग 600 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। इस परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन पर प्रभावी रोक लगेगी। इसके तहत सड़क, बिजली, जलापूर्ति, औद्योगिक प्लॉट्स, वेयरहाउसिंग और कनेक्टिविटी जैसी आधारभूत संरचनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि निवेशकों को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का वास्तविक अनुभव मिल सके। बीडा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के लिए 100 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किया जाएगा।

बहराइच में तेंदुए ने 6 साल की बच्ची पर किया हमला, मौत

● थाना सुजौली क्षेत्र के मोहकम पुरवा चफ़रिया गांव का मामला

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग अंतर्गत थाना सुजौली क्षेत्र के मोहकम पुरवा चफ़रिया गांव में शनिवार शाम तेंदुए के हमले में 6 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई है। ग्राम पंचायत चफ़रिया के मोहकम पुरवा गांव निवासी राजू गौतम की 6 साल की बच्ची सहजल घर के आंगन में खेल रही थी तभी जंगल से निकलकर तेंदुआ घर में घुस गया जो बच्ची को दबोचकर पास के गन्ने के खेत में घुस गया। तभी परिजन व आसपास के लोग हाका लगाते हुए दौड़े जिस पर तेंदुआ बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजन बच्ची को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुचे। चिकित्सक आरपी सिंह ने बच्ची का प्राथमिक उपचार शुरू किया। इस दौरान बच्ची की हालत गंभीर होने की वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बच्चे से योगी बोले- हम भी तेरे दादा ही लगते हैं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● उत्तराखंड के पैतृक गांव पंचूर में बच्चों के बीच उमड़ा 'महाराज' का बालप्रेम
● सीएम ने सुबह गांव में बड़े-बुजुर्गों से हालचाल पूछा, बच्चों को किया दुलार

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिलांतर्गत यमकेश्वर तहसील स्थित अपने गांव पंचुर में बच्चे को दुलारते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान योगी का बालप्रेम उमड़ आया। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया, उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। एक बच्चे से बातचीत में बोले कि 'हम भी तेरे दादा ही लगते हैं'।

योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान, गांव के लोगों ने योगी के साथ सेल्फी भी ली। वे शनिवार को अपने परिजनों से भी मिले। योगी की विनम्रता, सरलता व सहजता देखकर स्थानीय लोग भी भाव-विभोर हो गए।

हीलाहवाली तीसरे-चौथे दर्जे के कर्मी सबसे आगे, ऑनलाइन ट्रैकिंग से बढ़ा डर, पहले फाइलों में दब जाते थे मामले

संपत्ति घोषणा में चार गुना पीछे हैं आईएएस-पीसीएस अफसर

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: आईएएस, आईपीएस और पीसीएस संवर्ग के अधिकारी ही संपत्ति घोषणा में सबसे पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। प्रदेश में सभी कार्मिकों की चल-अचल संपत्ति की मानव संपदा पोर्टल पर घोषणा अनिवार्य किए जाने और वेतन तक रोकने के बावजूद पहले और दूसरे दर्जे के अफसरों की सुस्ती नहीं थमी है। जबकि तीसरे और चौथे दर्जे के कर्मी चार गुना आगे हैं।

इसके पीछे की वजह ऑनलाइन ट्रैकिंग से किसी की ओर शिकायत पर कार्रवाई का डर माना जा रहा है। पहले मामले फाइलों में दबे रह जाते थे। मुख्यमंत्री योगी की भ्रष्टाचार पर जीरो-टॉलरेंस नीति और मुख्य सचिव एसपी गोयल के सख्त निर्देशों के बावजूद संपत्ति विवरण देने में सर्वाधिक उदासीनता तो प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारियों ने ही दिखाई है। आंकड़े बताते हैं कि जहां प्रथम श्रेणी (आईएएस-आईपीएस-पीसीएस) के केवल 83 प्रतिशत अधिकारियों ने मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा दर्ज किया, वहीं तृतीय श्रेणी के 96 प्रतिशत कर्मचारियों ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली। 31 जनवरी की समय सीमा तक संपत्ति विवरण अपलोड न करने वाले 47 हजार राज्यकर्मियों पर अब अनुशासनात्मक कार्रवाई की तलवार लटक रही है। प्रदेश में 8.65 लाख कर्मचारियों में से यह संख्या भले प्रतिशत में कम लगे, लेकिन प्रशासनिक पदानुक्रम में इसका असर बड़ा है। संपत्ति न बताने वालों में 16.89 % प्रथम श्रेणी और 13.92% द्वितीय श्रेणी के अधिकारी शामिल हैं। जबकि तृतीय श्रेणी में यह आंकड़ा महज 4.03% और चतुर्थ श्रेणी में 7.34% है। यानी वरिष्ठ अधिकारी संपत्ति घोषणा में चार गुना तक पीछे दिख रहे हैं। ऐसे में तकनीकी दिक्कतों का बहाना भी बनाना अब मुश्किल होगा। जानकारों के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्ति का स्वरूप अपेक्षाकृत जटिल होता है।

पुरानी खरीदी गई जमीनें, रिश्तेदारों के नाम संपत्ति, बिना अनुमति के किए गए निवेश। ऑनलाइन व्यवस्था में हर एंट्री का स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड बन रहा है। पहले कागजी फाइलें दब जाती थीं, अब ट्रैक बनता है। यही डर कई अफसरों को असहज कर रहा है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, बेसिक-माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण, राजस्व, पंचायती राज, गृह, वित्त और सिंचाई जैसे बड़े विभागों में संपत्ति न बताने वालों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है।

ब्योरा न देने वालों की हो सकती जांच

सूत्रों के मुताबिक एक से अधिक वर्षों तक संपत्ति विवरण न देने वाले अफसरों की अलग सूची तैयार हो रही है। वेतन रोकने से आगे बढ़कर विस्तृत जांच भी हो सकती है। यह मुख्यमंत्री योगी की बैठक में तय होगा, जो पिछले सप्ताह में टल गई थी। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह सख्ती सिर्फ चेतावनी बनती है या वास्तव में प्रशासनिक संस्कृति में पारदर्शिता का स्थायी बदलाव लाती है।

यह है कर्मचारी आचरण नियमावली

उप्र सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के अनुसार हर कर्मचारी को प्रत्येक वर्ष अपनी और आश्रितों की जमीन, मकान, फ्लैट, दुकान, वाहन, आभूषण, निवेश और बैंक जमा जैसी सभी चल-अचल संपत्तियों का विवरण देना अनिवार्य है। सेवा काल में कोई बड़ी संपत्ति खरीदने पर विभागीय अनुमति भी जरूरी है। नियम का मकसद आय और संपत्ति के बीच असंगति पकड़ना है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 8 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

31 मार्च तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0

अमृत विचार, लखनऊ : न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 का संचालन 1 जनवरी से 31 मार्च तक किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नागरिकों से अभियान में भाग लेकर मध्यस्थता का लाभ उठाने की अपील की है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिले के सभी न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, वाणिज्यिक न्यायालय, उपभोक्ता फोरम सहित विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा। मालूम हो कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली तथा सर्वोच्च न्यायालय की मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी के तत्वावधान में पूरे देश में चल रहा है।

50 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने फरार चल रहे 50 हजार के इनामी गैंगस्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियुक्त गिरफ्तारी से बचने के लिए हरियाणा में छिप कर रह रहा था। एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, गोंडा के थाना परसपुर में गैंगस्टर एक्ट के मामले में अभियुक्त रितिक सिंह उर्फ बिल्लू निवासी गांव कालीपुर पुरवा मधईपुर फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम घोषित था। एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त रितिक ने बताया कि अपने साथी मलखान, जाकिर, रिजवान, सनी, योगेश और अंकित के साथ मिलकर लक्षनपुरवा डेहरास में बीयर की दुकान को काटकर चोरी की थी। इसके बाद धरमनगर स्थित बीयर की दुकान में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

रेरा ने एजेंटों के लिए लागू की नई व्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) प्रदेश में कार्यरत रियल एस्टेट एजेंटों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन के सम्बंध में नई संशोधित व्यवस्था लागू की है। फर्म, पार्टनरशिप, एलएलपी अथवा कंपनी के रूप में कार्य कर रहे डायरेक्टर या पार्टनर की जिम्मेदारी होगी कि एजेंट का प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराएं। साथ ही सेल अथवा मार्केटिंग से जुड़े एक निश्चित संख्या में कार्मिकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर मूल्यांकन प्रक्रिया में सफल होना होगा। उसके बाद ही प्रतिष्ठान द्वारा रेरा में एजेंट पंजीकरण के लिए आवेदन किया जा सकेगा। ऐसे पार्टनर और डायरेक्टर जो दैनिक कार्यों में शामिल नहीं रहते हैं, उन्हें प्रशिक्षण से छूट लेने का प्रावधान किया गया है। सभी सक्रिय निदेशकों, पार्टनर और कार्मिकों को प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पहले से पंजीकृत सभी रियल एस्टेट एजेंटों को 31 दिसम्बर 2026 तक प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा।

रिपोर्ट दर्ज कराने को कांग्रेसियों ने थाना घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की कथित आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करने पर कांग्रेसियों में खासा गुस्सा है। जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बबलू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लखनऊ के हुसैनगंज थाने का घेराव किया और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि बीते दिनों सरोजनी नगर के भाजपा समर्थित लोगों द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की अपमानजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की गई थी।

गुजरात की तर्ज पर माननीयों का इस्तीफा लेकर बदले जा सकते मंत्री

योगी मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार जल्द, बदले जा सकते डेढ़ दर्जन मंत्री, व्यापक फेरबदल की तैयारी अंतिम चरण में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बड़े बदलाव की आहट तेज हो गई है। गुजरात मॉडल की तर्ज पर योगी सरकार 2.0 में दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार और व्यापक फेरबदल की तैयारी अंतिम चरण में मानी जा रही है। करीब डेढ़ दर्जन मंत्रियों को बदले जाने की संभावना है। इसके साथ ही भाजपा संगठन में भी बड़े स्तर पर बदलाव को लेकर दिल्ली में सहमति बन चुकी है। इसी के साथ भाजपा संगठन में भी भारी फेरबदल की तैयारी है। इसे लेकर दिल्ली में सहमति बन गई है।

गुजरात में 2022 विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बड़ा दांव खेलते हुए 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया था और नए मंत्रिमंडल में 19 नए चेहरों को शामिल किया गया था। इसका सीधा असर चुनावी नतीजों में दिखा और भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

इसी मॉडल को यूपी में अपनाने की तैयारी मानी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में फिलहाल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक रूप से 60 मंत्रियों की सीमा है। यानी छह पद पहले से खाली हैं। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार तय माना जा रहा है, लेकिन इस बार संदेश साफ है, सिर्फ विस्तार नहीं बल्कि परफॉर्मेंस के आधार पर बदलाव। पार्टी और संगठन स्तर पर लंबे समय से यह फीडबैक मिल रहा है कि सरकार के कुछ मंत्रियों के कामकाज को लेकर असंतोष है। यह नाराजगी केवल जनता तक सीमित नहीं, बल्कि विधायकों, सांसदों और संगठन के पदाधिकारियों के जरिए भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंची है। आरएसएस और भाजपा के बीच हुई समन्वय बैठकों में भी मंत्रियों की सक्रियता, जनता से जुड़ाव और विभागीय प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे हैं।

सूत्रों का कहना है कि जिन मंत्रियों के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं, उन्हें संगठन या चुनावी मैदान में भेजा जा सकता है। वहीं उनकी जगह ऐसे नए चेहरों को मौका मिलेगा, जो जमीनी पकड़ रखते हों और 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति में फिट बैठते हों। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर दो टाइमलाइन पर विचार चल रहा है, पहली होली से पहले और दूसरी पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद। हालांकि पार्टी के भीतर यह भी संकेत हैं कि खाली पदों के साथ-साथ बड़े बदलाव एक साथ किए जा सकते हैं, ताकि बार-बार फेरबदल का संदेश न जाए।

सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर जोर

मंत्रिमंडल विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर खास ध्यान दिया जाएगा। दलित, पिछड़े, ब्राह्मण और महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्र से नए चेहरों को आगे लाने पर भी मंथन चल रहा है। कुछ ऐसे विधायक, जिन्होंने हाल के वर्षों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय दिखाया है, उन्हें मंत्री पद मिल सकता है।

भाजपा संगठन में भी होगा बड़ा फेरबदल

केवल सरकार ही नहीं, भाजपा संगठन में भी बदलाव तय माने जा रहे हैं। जिलों से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक कई पदों पर नए चेहरों को लाने की तैयारी है। सभी मोर्चे में कमान बदली जा सकती है। दिल्ली में हुई बैठकों में यह सहमति बनी है कि सरकार और संगठन दोनों में एक साथ बदलाव कर चुनावी मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय किया जाए।

आठ मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्त को मांगे आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में आठ कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। यह आवेदन 6 मार्च 2026 तक, समस्त प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय में पंजीकृत डाक द्वारा उपलब्ध कराना होगा। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय के अपर निदेशक द्वारा कानपुर देहात, कुशीनगर, बिजनौर, सुल्तानपुर, सोनभ गोंडा, अमेठी और बुलंदशहर मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्य की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। आवेदक अभ्यर्थियों की उम्र 50 साल से लेकर 62 साल के मध्य होनी चाहिए।

आईबी अफसर बनकर गांठता था रौब, गिरफ्तार

विभागों में अवैध कार्य कराने का बना रहा था दबाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने आईबी और एनएसए के फर्जी कार्ड किए बरामद

आरोपी मनोज चौहान

अमृत विचार: इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के फर्जी डिप्टी डायरेक्टर को एसटीएफ ने बिजनौर से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से आईबी और एनएसए दिल्ली के फर्जी कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोप है कि गिरफ्तार अभियुक्त मनोज चौहान खुद को आईबी का अफसर बताकर पुलिस और प्रशासन के अफसरों पर अवैध कार्य कराने का दवाब बना रहा था।

एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, सूचना मिली कि पिछले कुछ दिनों से मनोज चौहान नामक व्यक्ति खुद को आईबी का डिप्टी डायरेक्टर बता कर बिजनौर में घूम रहा है। वह पुलिस, राजस्व और शिक्षा समेत अन्य विभागों के अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों तक को फोन कर अवैध कार्य कराने का दबाव बनाता है। सभी से खुद को आईबी का डिप्टी डायरेक्टर बनाकर ही मुलाकात भी करता है। वह सफेद रंग की इंगनिस कार लेकर चलता है।

एसटीएफ ने दिल्ली स्थित इंटेलीजेंस विभाग में संपर्क किया तो पता चला कि बिजनौर में किसी भी अधिकारी की तैनाती नहीं की गई है। इसके बाद एसटीएफ के एडीशनल एसपी ब्रजेश कुमार सिंह ने टीम के साथ बिजनौर में डेरा डाल दिया। शुक्रवार की रात को उन्हें पता चला कि कथित आईबी अधिकारी बिजनौर के कस्बा धामपुर स्थित साकेत बिहार कालोनी में है। एसटीएफ ने जाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पहले तो उसने एसटीएफ को भी दबाव में लेने का प्रयास किया, लेकिन एक नहीं चली। उसके गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो वह टूट गया। उसने अपना नाम मनोज चौहान पुत्र नरेन्द्र सिंह चौहान निवासी त्रिलोकवाला, थाना नगीना बताया। मौजूदा समय में वह कस्बा धामपुर के मोहल्ला साकेत बिहार कालोनी में रह रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से दो मोबाइल, आईबी और एनएसए दिल्ली के दो फर्जी परिचय पत्र और एक कार यूपी 20 सीएच 6789 को बरामद किया है। एसटीएफ ने थाना धामपुर में मुकदमा कायम कर गिरफ्तार कर लिया।

शीतलहर व विक्षोभ का असर खत्म

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम ने करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बारिश और तेज हवाओं के बाद अब प्रदेश में शीतलहर का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम सामान्य रहेगा और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

शनिवार को प्रदेश के कई हिस्सों में पछुआ हवाएं चलती रहीं। धूप निकलने के बावजूद हवा में ठंडक बनी रही, लेकिन सुबह और शाम की गलन पहले के मुकाबले काफी कम महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, प्रदेश में कोहरे का प्रभाव लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं बन रहा है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी संभव है। रविवार को भी तेज हवाएं चलने के आसार हैं। हालांकि, मौसम शुष्क बना रहेगा और दिन में धूप खिली रहेगी। इससे दिन के तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिलेगी।

पौड़ी गढ़वाल स्थित महाविद्यालय में गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय में किया पौधरोपण

अमृत विचार, लखनऊ/पौड़ी गढ़वाल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को पौड़ी गढ़वाल जिले के बिथ्याणी (यमकेश्वर) स्थित गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय परिसर में आम का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हरित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। इस अवसर पर 127 गढ़वाल इन्फेंट्री बटालियन के जवानों ने 'भारत माता की जय' के नारों के साथ कार्यक्रम स्थल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मुख्यमंत्री ने परिसर का निरीक्षण किया और शैक्षणिक व आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गुरु, राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। महाविद्यालय परिवार की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

भाजपा सरकार में समाज के अधिकतर वर्ग पीड़ित

बसपा मुख्यालय में पदाधिकारियों का अभिवादन करतीं पार्टी प्रमुख मायावती।

- विधानसभा उप चुनाव को लेकर बसपा की प्रदेशस्तरीय बैठक को मायावती ने किया संबोधित

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार में गिने-चुने लोगों को छोड़कर समाज का अधिकांश वर्ग, विशेषकर बहुजन समाज, उपेक्षा, असुरक्षा एवं महंगाई से पीड़ित है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी दल बसपा को कमजोर करने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं, लेकिन पार्टी गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और सर्वसमाज के हितों को केंद्र में रखकर पूरी मजबूती से चुनावी मैदान में उतरेगी।

बसपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में उप्र. राज्य के प्रदेश, जिला व विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों को संबोधित कर रही थी। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर बुलाई गयी अहम बैठक में उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक संगठनात्मक फेरबदल किए जाएंगे।

बड़ी संख्या में पकड़े गए बिजली चोर, राहत लेने को तैयार नहीं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रदेश में ओटीएस योजना की सुस्त रफ्तार, 12 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही कराया पंजीकरण
- योजना का तीसरा चरण शुरू बकायेदारों से वसूली के लिए विभाग ने कसी कमर

अमृत विचार: प्रदेश में बिजली चोरी सहित बकायेदारों से बिल की वसूली के मामलों के निपटारे के लिए शुरू की गई एकमुश्त समाधान योजना पॉवर कॉरपोरेशन की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। करोड़ों रुपये की छूट और मुकदमेबाजी से राहत के बावजूद प्रदेश भर में बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ता योजना से दूरी बनाए हुए हैं। अब तक केवल 12 प्रतिशत पात्र उपभोक्ताओं ने ही ओटीएस के तहत पंजीकरण कराया है, जिससे बिजली विभाग की रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ऊर्जा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी-26 तक बिजली चोरी के कुल 6.26 लाख मामले ओटीएस के लिए पात्र थे। इन मामलों में करीब 26,367.23 करोड़ रुपये की आंकी गई देनदारी और 1,560.80 करोड़ रुपये के कंपाउंडिंग चार्ज शामिल हैं। वहीं योजना लागू होने के बाद अब तक सिर्फ 75,277 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जबकि 51,557 मामलों का ही पूर्ण निस्तारण हो सका है। योजना के तहत अब तक 188.38 करोड़ रुपये की वसूली की जा सकी है। इसमें 149.63 करोड़ रुपये बकाया राशि और 38.75 करोड़ रुपये कंपाउंडिंग चार्ज से प्राप्त हुए हैं। इसके बदले बिजली कंपनियों ने 108.35 करोड़ रुपये की राशि माफ की है। 3 जनवरी को एक दिन में सर्वाधिक 4.57 करोड़ रुपये की वसूली दर्ज की गई थी, लेकिन इसके बाद राजस्व वसूली की रफ्तार सुस्त पड़ गई। कॉरपोरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे कम भागीदारी को गंभीर संरचनात्मक समस्या बताया। उनका कहना है कि यह स्थिति बताती है है कि विभाग की ओर से की जाने वाली कार्रवाई को उपभोक्ता गंभीरता से नहीं ले रहे है। या फिर बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब भी औपचारिक बिलिंग व्यवस्था से बाहर हैं। वहीं यूपीपीसीएल के निदेशक (वाणिज्य) प्रशांत वर्मा ने कहा ने कहा कि बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं की सीमित भागीदारी के कारणों का विश्लेषण किया जाएगा। फिलहाल हमारा फोकस सामान्य बकाया राशि की वसूली पर है।

उपभोक्ताओं ने योजना से बनाई दूरी

ओटीएस योजना को लाखों बकायेदार उपभोक्ताओं से राजस्व वसूली के उद्देश्य से तीन चरणों में लागू किया गया था। पहला और दूसरा चरण समाप्त हो चुका है, लेकिन अपेक्षित भागीदारी नहीं मिली। अब तीसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है, जिसके साथ ही विभाग ने रुख सख्त कर लिया है।

डिस्कॉम-वार स्थिति

पंजीकरण के मामले में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम 24,773 से अधिक मामलों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम में 24,033 से ज्यादा पंजीकरण दर्ज हुए हैं। प्रतिशत के लिहाज से पूर्वांचल सबसे आगे है, जहां 15 .3 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया। वहीं कानपुर की केस्को में महज 8 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही पंजीकरण कराया।

योजना के खत्म होने के बाद होगी कार्रवाई

बिजली चोरी जैसे गंभीर अपराध पर राहत देने के बावजूद उपभोक्ताओं की उदासीनता के चलते विभाग की ओर से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार कम पंजीकरण को देखते हुए बिजली विभाग ने संबंधित अधिकारियों को कनेक्शन काटने, कुर्की और अन्य कड़ी कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं।

होमगार्ड्स के मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति में राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होमगार्ड्स एवं अवैतनिक होमगार्ड्स अधिकारियों-कर्मियों के मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में बड़ी राहत दी गई है। अब ऐसे पात्र आश्रितों को शारीरिक अहर्ता (लंबाई) में दो सेंटीमीटर की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट पुलिस विभाग के समान लागू होगी।

राज्य सरकार ने यह निर्णय न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में लिया गया है। इसके तहत सेवाकाल में मृत्यु होने अथवा स्थायी रूप से दिव्यांग होने की स्थिति में पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के समय शारीरिक मानकों में यह विशेष छूट दी जाएगी। इस संबंध में होमगार्ड्स विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने महासमादेष्टा, होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश को आवश्यक आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश जारी होने के बाद अब विभागीय स्तर पर अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े मामलों में यह छूट प्रभावी मानी जाएगी।

उपलब्धि

बिजली उपलब्धता से निवेश, एमएसएमई व रोजगार सृजन को बढ़ावा

बिजली आपूर्ति की स्थिति में सुधार का दावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आरडीएसएस व स्मार्ट मीटरिंग से डिस्कॉम की कार्यक्षमता में हुई बढ़ोतरी

अमृत विचार: यूपीपीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की दरों में 30 फीसद तक की वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। जबकि सरकार का दावा है कि प्रदेश में बिजली संकट अब बीते दौर की बात हो गई है।

योगी सरकार का मानना है कि बेहतर बिजली आपूर्ति के चलते प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ा है, एमएसएमई सेक्टर को संबल मिला है और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में प्रदेश की बिजली की कुल आवश्यकता 1 लाख 44 हजार 251 मिलियन यूनिट थी। योगी सरकार ने बिजली की मांग व आपूर्ति के अंतर को समाप्त करने के लिए नीतियों और प्रबंधन सुधारों का जो प्रयास किया, उसका असर दिखने लगा। वित्त वर्ष 2023-24 में आपूर्ति 1 लाख 48 हजार 287 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1 लाख 64 हजार 786 मिलियन यूनिट हो गई। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिसंबर 2025 तक की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ। इस अवधि में बिजली की कमी व्यावहारिक रूप से लगभग खत्म हो गई है। योगी सरकार ने बिजली उत्पादन और आपूर्ति के साथ-साथ पारेषण व वितरण व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया।

आयोग की मंजूरी से तय होगी दरों में बढ़ोतरी

यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने बढ़ते राजस्व घाटे का हवाला देते हुए बिजली दरों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। हालांकि अंतिम दरों का निर्णय यूपी विद्युत नियामक आयोग की मंजूरी के बाद ही होगा। यूपीपीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की दरों में 30% तक की वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। यह बढ़ोतरी पिछले 5 वर्षों से नहीं हुई है, जिसके कारण राजस्व घाटा बढ़ गया है। प्रस्ताव के मंजूर होने पर, ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरें 13 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच सकती हैं, जिसमें फिक्स चार्ज में भी वृद्धि शामिल है। यूपी में अप्रैल 2025 से ही 1.24% का एक नया फ्यूल सरचार्ज जोड़ा जा रहा है, जिससे बिजली बिल पहले ही थोड़े बढ़ चुके हैं। यदि राज्य विद्युत नियामक आयोग इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो उपभोक्ताओं की जेब पर बड़ा बोझ पड़ सकता है।

मुठभेड़ : 127 दिनों में 19 बदमाश ढेर

हत्या, लूट व फिरौती के लिए कुख्यात बदमाश रहे पुलिस-एसटीएफ के निशाने पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बीते दिनों लखनऊ, बिजनौर समेत कुछ जिलों में बदमाशों ने लूट की वारदातों को अंजाम देकर जमकर दहशत फैलाई, वहीं पुलिस और एसटीएफ भी बदमाशों को ढेर करने में पीछे नहीं रही। 3 फरवरी को एसटीएफ ने बनारस में एक लाख के इनामी बनारसी यादव और 6 फरवरी को पुलिस ने शामली में दिल्ली निवासी 50 हजार के इनामी बदमाश रिहान को ढेर कर दिया। यह दो मामले तो बानगी भर हैं। दरअसल पिछले 127 दिन में पुलिस ने बदमाशों की दहशतगर्दी के खात्मे के लिए ताबड़तोड़ एनकाउंटर किए। 28 सितंबर-2025 से छह फरवरी-2026 तक पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर 19 बदमाशों को ढेर कर दिया। हालांकि इन मुठभेड़ों में दर्जन भर पुलिस के जवान भी घायल हुए।

प्रदेश में भाजपा सरकार आई तो क्राइम को लेकर जीरो टालरेंस की नीति पर पुलिस ने काम करना शुरू कर दिया। इसके लिए एनकाउंटर का एक चलन सा शुरू हो गया। हालांकि एनकाउंटर के खिलाफ विपक्षी दल आवाज उठाते रहे हैं। बीते दिनों एक संवैधानिक संस्था ने भी इसके खिलाफ तल्ख टिप्पणी कर डाली। इससे एक बारगी लगा कि एनकाउंटर को लेकर पुलिस बैकफुट पर आ सकती है। लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत। पुलिस और एसटीएफ का एनकाउंटर अभियान जारी रहा। तीन फरवरी को एक लाख के इनामी कथित सुपारी किलर बनारसी यादव को ढेर कर दिया, वहीं छह फरवरी को दिल्ली से सटे यूपी के शामली में भी पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश रिहान को भी मौत की नींद सुला दिया। बनारसी यादव अन्य जघन्य मुकद्मों के साथ ही कोलोनाइजर महेन्द्र गौतम की हत्या का अभियुक्त था, जबकि रिहान के खिलाफ 80 मुकदमे दर्ज थे। हालांकि यह दो मामले तो बानगी भर हैं। पुलिस और एसटीएफ का रिकार्ड खंगाले तो पिछले 127 दिनों में 19 कुख्यात अपराधियों को एनकाउंटर ढेर किया गया है।

> एनकाउंटर को आम तौर पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ को ही कहा जाता है। पूर्व में आईपीसी और अब बीएनएस में भी पुलिस को आत्मरक्षा का अधिकार है। कभी- कभी आत्मरक्षा करते समय ही बदमाश ढेर हो जाते हैं, वहीं पुलिस कर्मी भी हताहत होते हैं। जब एनकाउंटर में कोई बड़ा बदमाश ढेर होता है तो जनता में सुरक्षा का अहसास पैदा होता है। जनता पुलिस की हीरोज्म की छवि को पसंद करती है। हालांकि यह अलग बात है कि इसके कानूनी पहलू कुछ भी हो सकते हैं।
>
> -सुनील कुमार गुप्ता, पूर्व अपर पुलिस महानिदेशक, यूपी

इनके हुए एनकाउंटर

28 सितंबर-25 को मुजफ्फरनगर में नईम कुरैशी और तीन अक्टूबर को मेहताब को ढेर कर दिया गया। इसी तरह पांच अक्टूबर को फिरोजाबाद में नरेश पंडित और सहारनपुर में इमरान को पुलिस ने मौत की नींद सुला दिया था। नौ अक्टूबर को बरेली में कुख्यात बदमाश शैतान का एनकाउंटर कर दिया, वहीं 12 अक्टूबर लखनऊ पुलिस ने एक लाख के इनामी मोहम्मद नफीस और 13 अक्टूबर को मेरठ पुलिस ने शहजाद उर्फ निक्की को ढेर कर दिया। शामली में 18 अक्टूबर एक लाख के इनामी नफीस को, जबकि 23 अक्टूबर को शामली में ही फैसल को मौत की नींद सुला दिया। 12 दिसंबर को शामली पुलिस ने समयदीन और दो दिसंबर को बाबरिया गिरोह के सरगना मिथुन एनकाउंटर में मारे गए। 21 दिसंबर को बुलंदशहर में जुबैर और सहारनपुर में एक लाख के इनामी सिराज को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। पांच जनवरी 26 को सुल्तानपुर में एक लाख का इनामी तालिब को मार गिराया गया, वहीं 23 जनवरी को चित्रकूट में कारोबारी बेटे की 40 लाख की फिरौती के लिए हत्या करने वाले बदमाश कल्लू को ढेर कर दिया। तीन फरवरी को एक लाख के इनामी कुख्यात बनारसी यादव और छह फरवरी को शामली में रिहान के अलावा दो बदमाशों को भी पुलिस ने अन्य मुठभेड़ में मार गिराया।

अधिवक्ता के हाथ में नायब कोर्ट की फाइल, डीएम खफा

संपूर्ण समाधान दिवस में फाइल लेकर पहुंच गया था अधिवक्ता, नायब तहसीलदार ने पेशकार पर मढ़ा दोष, जिलाधिकारी ने दिए जांच के आदेश

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: संपूर्ण समाधान दिवस में एक अधिवक्ता नायब तहसीलदार कोर्ट की फाइल लेकर जिलाधिकारी के पास पहुंचे गए, उन्होंने नायब तहसीलदार पर फाइल पर हस्ताक्षर न करने का आरोप लगाया। कोर्ट की फाइल बाहर देखकर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। नायब ने पेशकार द्वारा फाइल बाहर ले जाने की बात कही तो जिलाधिकारी ने उसे निलंबित करने के लिए कहा और जांच के आदेश भी दिए। जिलाधिकारी विशाख जी संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें सुन रहे थे। इसी बीच एक अधिवक्ता नायब तहसीलदार बिजनौर के न्यायालय से संबंधित एक फाइल लेकर जिलाधिकारी के पास पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि आदेश पारित होने के बावजूद नायब तहसीलदार हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। कोर्ट की फाइल बाहर देखकर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई, उन्होंने नायब तहसीलदार विवेक सिंह से सवाल किया कि उनके कोर्ट की फाइल बाहर कैसे पहुंची। नायब तहसीलदार ने कहा कि, फाइल पेशकार बाहर ले गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि, पेशकार को तत्काल निलंबित कर सकते हैं, साथ ही जांच के आदेश भी दिए।

उधर, मोहनलालगंज तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी आपूर्ति ज्योति गौतम ने की। समेसी मजरा डुडवाखेड़ा निवासी राजकुमार ने बताया गांव की बंजर भूमि पर एक ग्रामीण का कब्जा है। भाकियू के ब्लाक अध्यक्ष प्रवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में किसानों ने समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। तहसीलदार रितुराज शुक्ला ने समाधान का आश्वासन देकर शांत कराया। भाकियू नेता ने 10 सूत्री ज्ञापन भी सौंपा। खुजेहटा गांव के भोला समेत अन्य ने बताया कि में स्थित सरकारी बंजर भूमि पर भूमाफिया ने कब्जा कर रखा है। उपजिलाधिकारी पवन पटेल, सहायक पुलिस आयुक्त विकास पांडे और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरोजनीनगर तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी विशाख जी से नायब तहसीलदार व उनके पेशकार की शिकायत करते सरोजनी नगर तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और नायब तहसीलदार के समर्थन में डीएम से मिलते बार एसोसिएशन के पदाधिकारी।

तहसील बार एसोसिएशन ने नायब पर लगाया रिश्वत लेकर काम करने का आरोप

- सरोजनी नगर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह चौहान और महामंत्री राजेंद्र यादव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने डीएम को शिकायती पत्र दिया। इसमें नायब तहसीलदार विवेक सिंह और उनके पेशकार सुरेश कुमार पर रिश्वत लेकर मामलों के निस्तारण का आरोप लगाया। अधिवक्ताओं का कहना था कि नियमों के अनुसार पत्रावलियां तहसीलदार कार्यालय के माध्यम से जानी चाहिए, लेकिन नायब तहसीलदार पैसे लेकर अपनी कोर्ट में ही पत्रावलियां दर्ज कर लेते हैं और फिर आदेश पारित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेशकार सुरेश पिछले 10-12 वर्षों से उसी कोर्ट में तैनात है और कथित रूप से एक रैकेट का हिस्सा है। अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जब इस विषय पर नायब तहसीलदार से बात की जाती है तो वह वीआईपी एयरपोर्ट की जिम्मेदारी और अधिक खर्च का हवाला देते हुए अवैध वसूली को जायज ठहराते हैं। इस शिकायत पर डीएम ने कहा कि नायब तहसीलदार के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं और एडीएम से जांच कराई जा रही है। उन्होंने पेशकार सुरेश के संबंध में संबंधित विभाग को पत्र लिखने और तहसील परिसर में पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष और महामंत्री ने कहा, आरोप बेबुनियाद

- सरोजनी नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह और महामंत्री गोविंद शुक्ला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं का दूसरा गुट भी डीएम से मिला। इस गुट ने आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते देरी हो रही है। उनका कहना था कि कई बार फाइलें स्वयं अधिवक्ता उठा लेते हैं और इसे अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि डीएम मामले को समझदारी से देख रहे हैं और आरोप बेबुनियाद हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में अन्य गंभीर शिकायतें भी सामने आईं। दुर्गा खेड़ा निवासी बुजुर्ग सुंदरलाल और उनकी पत्नी रूपरानी ने वर्ष 2014 में उनकी भूमि गाटा संख्या 206 के फर्जी बैनामे, बाद में दबाव में कराए गए एग्रीमेंट, बैंकिंग धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया। पीड़ितों की शिकायत पर डीएम ने डीसीपी (दक्षिणी) को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के आदेश दिए। इसके अलावा कुरौनी ग्राम पंचायत के प्रधान संतोष यादव ने ग्राम पंचायत की करीब 30 बीघा सरकारी भूमि पर पीएनसी कंपनी द्वारा वर्षों से अवैध कब्जा और किराया न देने की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने जमीन पर रखी सामग्री को तत्काल सीज करने के आदेश दिए।

बख्शी का तालाब तहसील में शिकायतें सुनते एडीएम महेंद्र पाल सिंह व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

बिजली विभाग की शिकायतें लेकर पहुंचे ग्रामीण

- **अमृत विचार, बख्शी का तालाब :** ग्राम पंचायत चंदाकोडर के मजरा दिनकरपुर झलौआ गांव के लोगों ने बताया कि वर्ष 2022-23 में खुले तार हटाकर एबीसी लाइन डाली जानी थी, तार हटा दिए गए लेकिन दूसरी लाइन नहीं डाली गई। अपने अपने केबल डालकर बिजली का उपयोग कर रहे हैं। एडीएम महेंद्र पाल सिंह ने एसडीओ 11 केवीए जीशान अली को जांच कर समस्याओं को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए हैं। नगर पंचायत महोना के केशरमऊ खुर्द निवासी सुनीता ने एडीएम महेंद्र पाल सिंह को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके घर का विद्युत कनेक्शन दिवंगत पति के नाम पर है। वह नियमित बिल का भुगतान करती आ रही हैं। दिसंबर माह का पूरा बिल 486 रुपये जमा कर दिया था। जनवरी माह की अंतिम तिथि में बिल जमा करने पहुंचीं, तो 7290 रुपये बकाया बताया गया। पीड़िता का कहना है कि केवल दो एलईडी बल्ब जलती हैं। इसके बावजूद इतना बिल बताया जा रहा है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर
विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

न्यूज ब्रीफ

ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी।

किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, काकोरी : भारतीय किसान यूनियन हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय महासचिव अजय यादव ने संगठन के पदाधिकारियों ने सब इंस्पेक्टर दुबग्गा मजीद खान को ज्ञापन देकर लाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय महासचिव अजय यादव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अकरम पठान, प्रदेश प्रभारी युवा जिला अध्यक्ष सैफ पठान, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष रसूल मोहम्मद, प्रदेश सचिव अनवर गाजी, महिला सभा की जिला अध्यक्ष श्वेता वैश्य, युवा जिला सचिव प्रियांश शामिल रहे।

महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता आज से

अमृत विचार, निगोहां : दखिना टोल प्लाजा के पास दो दिवसीय स्व बालकृष्ण द्विवेदी स्मारक वॉलीबॉल प्रतियोगिता रविवार से शुरू होगी। इसमें यूपी पुलिस की महिला खिलाड़ियों के साथ हिमाचल प्रदेश, बंगाल, बिहार, गाजियाबाद, दिल्ली, बनारस समेत आठ टीमों ने हिस्सा लेंगी। आयोजक अरुणाभ फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप द्विवेदी ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ राज्य मंत्री दानिश अंसारी और विधान परिषद सदस्य मनी महेंद्र प्रताप सिंह ने करेंगे।

पेड़ काटते समय नीचे गिरा मजदूर, मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोसाईंगंज के मोहम्दाबाद गांव में हुआ हादसा
- डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप, हाइवे जाम करने की कोशिश

अमृत विचार: गोसाईंगंज के मोहम्मदाबाद गांव में शनिवार को पेड़ काटते समय गिरने से घायल मजदूर की अस्पताल में मौत हो गई। परिजन ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगा हाइवे पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने समझाकर शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, मोहम्मदाबाद गांव का तिलक चंद्र नामक पेड़ की कटाई कर रहा था। इस दौरान वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे गोसाईगंज सीएचसी ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि अस्पताल में इंजेक्शन लगाए जाने के तुरंत बाद तिलक चंद्र की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने इलाज में लापरवाही की निष्पक्ष जांच की मांग की है। गुस्साएं ग्रामीणों ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शव स्ट्रेचर पर रखकर लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर पहुंच गये। वहां जाम लगाने का प्रयास किया। ग्रामीणों व परिजन ने हंगामा शुरू किया। इसी बीच गोसाईंगंज पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों व परिजन को समझाया। किसी तरह मामले को शांत कराया। कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन ने शव पुलिस को सुपुर्द किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह साफ होगी। परिवार में पत्नी रेनू , बेटा आकाश व दो बेटियां वैष्णवी और मानवी है।

गुमटी में चोरी कर चोरों ने लगाई आग

अमृत विचार, लखनऊ : काकोरी कस्बा में शुक्रवार रात गुमटी में माल बटोरने के बाद चोरों ने आग लगा दी। पड़ोसी ने दुकान में आग की सूचना दी। जानकारी मिलते ही दुकानदार मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक सब राख हो गया था। पीड़ित ने काकोरी थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नगर पंचायत काकोरी के हाता हजरत साहब मोहल्ला निवासी मोइनुद्दीन ने बताया कि तकिया शरीफ के पास परचून की गुमटी है। वह शुक्रवार रात दुकान बंद करने के बाद घर चले गए। देर रात चोरों ने गुमटी के पीछे का हिस्सा काटकर अंदर रखा सामान चोरी कर लिया। इसके बाद चोरों ने गुमटी में आग लगा दी। पड़ोसी दुकानदार ने आग लगी देखी तो मोइनुद्दीन को घटना की जानकारी दी। दुकान में आग की सूचना पर पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने पानी डालकर आग को बुझाया। तबतक सारा सामान जल चुका था।

सड़क हादसों में महिला समेत दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शनिवार देर रात शिवगढ़ रिसॉर्ट के सामने पेट्रोल पंप और कनकहां में हुआ हादसा

अमृत विचार: मोहनलालगंज में शुक्रवार देर रात को हुए अलग-अलग हादसों में महिला और अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौंप दिए। पुलिस के मुताबिक तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भद्दीखेड़ा निवासी दुखीलाल के परिवार में तीन बेटों और एक बेटी के अलावा पत्नी शिवराजा देवी भी थीं। बेटे रूपेश ने बताया कि शुक्रवार को मां शिवराजा मौसा बजरंगी के घर बिंदौआ गांव गई थी। रात को लौटते समय शिवगढ़ रिसॉर्ट के सामने पेट्रोल पंप के पास सड़क पार कर रही थी। इस दौरान सामने से आए तेज रफ्तार वाहन ने मां को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने लोगों की मदद से शिवराजा देवी को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचने परिजन ने शव की पहचान की। शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी ने कहा कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, दूसरा हादसा रायबरेली हाइवे पर कनकहां के पास हुआ। यहां कीर्ति खेड़ा निवासी रामचंद्र को वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ईको वैन ने बाइक में मारी टक्कर, तीन घायल

- **अमृत विचार, मोहनलालगंज :** मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कनकहा गांव की नहर मोड़ पर बीते शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार ईको वैन ने वैवाहिक कार्यक्रम से बाइक से वापस लौट रहे कनकहा निवासी गौरव सिंह ,नीतेश पाल व मो. शकील की बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वैन लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों को इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गयी। पुलिस के मुताबिक किसी तरह की सूचना नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से महिला घायल

- **अमृत विचार, सरोजनी नगर :** शुक्रवार को स्कूल से बच्ची को छोड़कर वापस लौट रही एक महिला को बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। मूल रूप से उन्नाव के असोहा स्थित धन्नी खेड़ा निवासी अतुल कश्यप पत्नी सोनी कश्यप (30) और बेटी अंशिका (11) व प्रियंका (9) के साथ सरोजनी नगर के हाइडिल स्थित नवीन गौरी में किराए पर रहते हैं। शुक्रवार सुबह अतुल की पत्नी सोनी बेटी प्रियंका को गौरी बाजार स्थित हीरालाल यादव कालेज में छोड़ने गई थी। जहां से वह पैदल ही वापस घर लौट रही थी। तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही कार ने उसे सामने से टक्कर मार दी। जिससे सोनी का सिर फटने के साथ उसके कमर की हड्डी टूट गई और पैर फ्रैक्चर हो गए। घटना के बाद कार चालक वाहन सहित फरार हो गया। वहीं, इस घटना के दौरान पीड़िता का मोबाइल फोन भी गायब हो गया। फिलहाल सूचना के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

कार व ऑटो में वाहन ने मारी टक्कर, पांच घायल

- **अमृत विचार, लखनऊ :** इटौंजा थानाक्षेत्र के हाईवे पर कल्याणपुर गांव के पास शनिवार देर शाम बेकाबू वाहन ने साइड से कार में टक्कर मार दी। हादसे के बाद भाग रहे वाहन ने आगे जा रहे ऑटो में भी टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार पांच लोग घायल हो गए। घटना को देखकर राहगीरों की भीड़ लग गई। इस बीच किसी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची इटौंजा पुलिस ने घायल ऑटो सवार को राम सागर मिश्र सौ शय्या अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि कार चालक अविनाश श्रीवास्तव, ऑटो चालक दीपक, ऑटो में बैठे यात्री शिवकुमार समेत चार लोग घायल थे।

चिंता जताई | बीकेटी में बजरंगदल की दो दिवसीय बैठक में बोले विहिप महामंत्री मिलिंद परांडे

युवाओं में बढ़ती नशाखोरी समाज के लिए गंभीर संकट

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : युवाओं में बढ़ती नशाखोरी समाज के लिए गंभीर संकट है। युवा तेजी से नशे की ओर बढ़ रहे हैं, उससे सामाजिक ताना-बाना कमजोर हो रहा है। इसे रोकने के लिए समाज को आगे आना होगा। विहिप भी नशा-मुक्ति के लिए अभियान चलागा। नशाखोरी से लव जिहाद तक युवा और संस्कृति पर सुनियोजित हमला किया जा रहा है। ये बात शनिवार को बीकेटी में बजरंगदल के दो दिवसीय बैठक की शुरुआत करते हुए विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कही।

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मिलिंद परांडे व अन्य।

मिलिंद परांडे ने कहा कि आज परिवारों में विघटन और पारिवारिक कलह बढ़ रही है, जो नई पीढ़ी के लिए चिंताजनक है। पारिवारिक समन्वय और संवाद की कमी समाज को कमजोर कर रही है। परांडे ने कहा कि वर्ष 2023 में देश में लगभग 13 लाख महिलाएं लापता हुईं, जिनमें एक बड़ा वर्ग तथाकथित लव जिहाद का शिकार बताया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक मतांतरण, लव जिहाद, बांग्लादेश व म्यांमार से हो रही अवैध घुसपैठ तथा हिंदू समाज में घटती जन्मदर के कारण जनसांख्यिकीय असंतुलन बढ़ रहा है। सीमावर्ती राज्यों के साथ-साथ अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान में भी रोहिंग्या घुसपैठ चिंताजनक है।उन्होंने संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि जागरूक हिंदू समाज में जन्मदर घट रही है, जबकि अन्य वर्गों में यह स्थिर या बढ़ रही है। भारत की संस्कृति, एकता और स्थायित्व की रक्षा के लिए जनजागरण आवश्यक है। उद्घाटन एस.आर. ग्रुप के चेयरमैन, विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापत, सह संयोजक विवेक, संत राम शरण दास महाराज, विहिप लखनऊ पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री गजेंद्र, प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप सहित बजरंग दल पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मलिहाबाद सीएचसी बदहाल, समाधान दिवस में शिकायत

अमृत विचार, मलिहाबाद : मलिहाबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की अव्यवस्थाओं को लेकर समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सामाजिक न्याय महासभा के प्रदेश पदाधिकारी जीशान वली खां ने शिकायती पत्र में बताया कि सीएचसी परिसर में गंदगी का अंबार लगा है। स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। केंद्र न ही रेडियोलॉजिस्ट तैनात है और न ही अल्ट्रासाउंड मशीन सुचारू कार्य करती है। पत्र के माध्यम से मांग की गई है कि केंद्र में डॉक्टरों की तैनाती, जांच सुविधाएं और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं तत्काल बहाल कराई जाएं।

माल क्षेत्र में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 से

संवाददाता, माल

अमृत विचार : फाइलेरिया उन्मूलन एवं सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत क्षेत्र में 10 से 28 फरवरी तक अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर शनिवार को सीएचसी माल में कार्यशाला आयोजित हुई।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने बताया कि एक वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी पात्र व्यक्तियों को दवा दी जाएगी। दवा स्वास्थ्यकर्मी के सामने ही खानी होगी और खाली पेट दवा नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि दवा सेवन के बाद चक्कर आना, जी मिचलाना या हल्का बुखार जैसे लक्षण सामान्य हैं और कुछ समय में स्वतः ठीक हो जाते हैं। यह शुभ संकेत हैं कि शरीर में फाइलेरिया के परजीवी थे और दवा सेवन की बाद उनके मरने के परिणामस्वरूप यह प्रतिक्रिया हुई है। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. गोपीलाल ने प्रोजेक्टर के माध्यम से फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर और लाइलाज बीमारी के कारण, लक्षण और रोकथाम के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. जेपीसिंह ने बताया कि माल की लगभग 2.21 लाख लक्षित आबादी को अभियान के अंतर्गत आच्छादित किया जाएगा।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 8 फरवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

सिपाही के बेटे ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर में शुक्रवार देर रात सिपाही पुत्र ने ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मूलरूप से कानपुर देहात के अकबरपुर निवासी संजीव सिंह (21) देवा रोड की टेल्को कंपनी में अप्रेंटिस कर रहा था। वह तीन दोस्तों के साथ इंदिरानगर की भरत विहार कॉलोनी में किराए पर रहता था। शुक्रवार रात दो दोस्त खाना खाने के लिए बाहर चले गए। कुछ देर बाद दोस्त कमरे में पहुंचे तो देखा कि संजीव ने पंखे से मफलर और गमछे के सहारे फंदा लगाकर लटक रहा था। पुलिस ने मृतक के पास से मिले मोबाइल फोन से परिजन को घटना की जानकारी दी। शनिवार भोर संजीव के परिजन लखनऊ पहुंच गए। छानबीन में पता चला कि आत्महत्या से पहले संजीव ने किसी से फोन पर बात की थी। संजीव के पिता कानपुर नगर में सिपाही हैं।

किशोर गृह से भागे अपचारी को पुलिस ने पकड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर विस्तार इलाके में दो लूट के मामले में पिछले साल राजकीय संप्रेक्षण गृह से फरार किशोर को पुलिस ने पकड़ लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करने के बाद किशोर को बाल सुधार गृह भेज दिया है। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी ने बताया कि 5 जुलाई 2025 को राजकीय संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक ने किशोर के भागने की सूचना पारा पुलिस को देने के साथ ही गोमतीनगर विस्तार पुलिस को पत्र भेजा था। जिसके बाद पुलिस की एक टीम लगातार उसकी तलाश में लगी थी।

गोसाईंगंज में चोर गिरफ्तार, पायल बरामद

अमृत विचार, लखनऊ : गोसाईंगंज इलाके में मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सूरज मिश्रा मातनटोला कस्बा का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की पायल और कुछ रुपये बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर दिलेश सिंह ने बताया कि 6 फरवरी को साहनटोला निवासी पंकज गुप्ता ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। बताया था कि वे परिवार संग शादी में कानपुर गए थे, उसी दौरान चोरी हुई।

बुद्धेश्वर पुलिस चौकी का उद्घाटन

अमृत विचार, काकोरी : पारा थाना क्षेत्र में शनिवार को मोहान रोड स्थित बुद्धेश्वर पुलिस चौकी का उद्घाटन डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। डीसीपी पश्चिम ने कहा कि क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण पुलिस की प्राथमिकता है। नई चौकी के संचालन से कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा स्थानीय लोगों को पुलिस सहायता आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम में एसीपी काकोरी शकील अहमद, इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह, इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय, बुद्धेश्वर चौकी इंचार्ज विनय पटेल समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शौच गए युवक की तालाब में डूबकर मौत

अमृत विचार, हरदोई : शौच के लिए गया युवक पैर फिसलने से तालाब में गिर गया, वहां मौजूद बच्चों का शोर सुन कर पहुंचे लोगों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन कुछ ही देर में उसकी वहीं पर मौत हो गई। इस तरह का हादसा शुक्रवार की शाम को होना बताया जा रहा है। बताया गया है कि लोनार थाने के कोल्लिया मझिगवां निवासी 25 वर्षीय मेहनतकश लालू पुत्र हरिराम दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था, उसकी शादी नही हुई थी। उसके माता पिता पहले ही गुजर चुके थे। जैसा कि बताते है कि शुक्रवार की शाम को वह गांव के बाहर तालाब किनारे शौच को गया हुआ था।

किसानों व ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हित संरक्षित : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

- **निर्यात, निवेश व रोजगार के संदर्भ में यूपी को दीर्घकालिक अवसर**

अमृत विचार : भारत-अमेरिका में प्रस्तावित द्विपक्षीय समझौते पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह एक फ्रेमवर्क तक पहुंच गया है। यह भारतीय निर्यातकों व एमएसएमई के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करता है, भारत के कृषि क्षेत्र, खाद्य सुरक्षा, हमारे किसानों के हितों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों की मजबूती से रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के मध्य हुए समझौते से यूपी के निर्यात ढांचे, निवेश आकर्षण व रोजगार सृजन की दिशा को बल मिलेगा। रेशम आधारित उत्पादों को शून्य शुल्क के दायरे में लाने पर यूपी के उन क्षेत्रों को विशेष महत्व मिलेगा, जहां उत्पादन बड़े पैमाने पर श्रम-प्रधान व क्लस्टर आधारित है।

सीएम योगी ने यह भी कहा कि टैरिफ में कटौती के बाद भदोही-मिर्जापुर कार्पेट सेक्टर की लागत संरचना में सुधार आने की संभावना है, जिससे निर्यात ऑर्डर और दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंधों को बढ़ावा मिल सकता है। इसी तरह, वाराणसी का रेशम और हैंडलूम सेक्टर, जिसे ज्वाइंट स्टेटमेंट के तहत शून्य शुल्क का लाभ मिलने की बात कही गई है, अमेरिकी बाजार में सीमित लेकिन स्थिर मांग के बीच बेहतर पहुंच हासिल कर सकता है। योगी ने बताया कि पूर्वी यूपी के पावरलूम व रेडीमेड गारमेंट आधारित उत्पादन इकाइयों को भी लाभ मिलेगा। चमड़ा व फुटवियर उत्पादों के लिए मशहूर कानपुर व आगरा

जैसे क्षेत्र, जहां उत्पादन का बड़ा हिस्सा एमएसएमई और कारीगर-आधारित इकाइयों पर केंद्रित हैं, लाभान्वित होंगे। इन उत्पादों की कुल निर्यात लागत में कमी आने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बुलंदशहर व गौतमबुद्ध नगर जैसे क्षेत्रों में होम डेकोर और हस्तशिल्प से जुड़ी इकाइयां लंबे समय से निर्यात में सक्रिय हैं। लेकिन ऊंचे टैरिफ और लागत दबाव के कारण अमेरिकी बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति सीमित रही है। टैरिफ में कटौती से इन उत्पादों की कुल निर्यात लागत में कमी आने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-अमेरिका टैरिफ वार्ता चुनिंदा कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड निर्यात पर शून्य शुल्क का प्रस्ताव उत्तर प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए संरचनात्मक अवसर के रूप में देखा जा रहा है। यूपी देश का प्रमुख आम उत्पादक राज्य है। इसके साथ ही आलू, टमाटर, मटर, हरी सब्जियों तथा मसालों के उत्पादन में भी अग्रणी भूमिका निभाता है। अब तक अमेरिकी बाजार में इन उत्पादों की पहुंच सीमित रूप से प्रसंस्करण लागत, टैरिफ और सख्त मूल्य प्रतिस्पर्धा के कारण बनी रही। शून्य शुल्क की व्यवस्था से इन उत्पादों की कुल निर्यात लागत में उल्लेखनीय कमी आने और भारतीय उत्पादों की कीमत अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होने की संभावना बनती है।

बाढ़ प्रबंधन के क्षेत्र में यूपी ने कायम की मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **प्रमुख डूब क्षेत्रों में कुल 1,950 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं पूरी**

अमृत विचार: अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश ने बाढ़ सुरक्षा और जल प्रबंधन के क्षेत्र में देश में एक मिसाल कायम की है। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं, तटबंध निर्माण और सुरक्षित क्षेत्र में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष राहत मिली है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अनुसार, वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक प्रदेश के आठ प्रमुख रिवर बेसिन गंगा, यमुना, गंडक, सरयू, रामगंगा, राप्ती-रोहिन, सोन और गोमती के डूब क्षेत्रों में कुल 1,950 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 3.72 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से बाढ़ से सुरक्षा मिली है। इसी अवधि में 523 तटबंधों का निर्माण कर 3,869 किलोमीटर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया है। इनमें अतिसंवेदनशील और संवेदनशील तटबंध भी शामिल हैं, जिनसे बलिया, गोरखपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और कुशीनगर जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों में कटान और जलभराव की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है। प्रदेश में ड्रेनेज व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। वर्ष 2025-26 में गोंडा, बिजनौर, हापुड़, बहराइच और मिर्जापुर में नए ड्रेजिंग कार्यों को मंजूरी दी गई है। बाढ़ सुरक्षित क्षेत्र और लाभान्वित आबादी में लगातार वृद्धि योगी सरकार की जनकेंद्रित, दूरदर्शी और जवाबदेह कार्यशैली को दर्शाती है।

कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए भर्ती परीक्षा परिणाम घोषित

930 अभ्यर्थियों का चयन, अनारक्षित श्रेणी में 381 व ओबीसी के 249

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए सीधी भर्ती-2023 परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया है। अंतिम परिणाम में कुल 930 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसमें अनारक्षित श्रेणी के 381, ईडब्ल्यूएस के 91, ओबीसी के 249, एससी के 193 और एसटी श्रेणी के 16 अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने भर्ती की लिखित परीक्षा, टाइपिंग टेस्ट और दस्तावेज सत्यापन चरणों में शामिल हुए थे। परीक्षा परिणाम व चयनित अभ्यर्थियों की सूची आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर

अपलोड कर दिया गया है, जहां से देखा जा सकता है। भर्ती बोर्ड द्वारा जारी परिणाम के अनुसार अनारक्षित श्रेणी की कटऑफ सबसे अधिक 139.62 रही। इसके बाद दूसरे नंबर पर ओबीसी की कटऑफ 132.07 रही। तीसरे नंबर ईडब्ल्यूएस की कटऑफ रही। एसटी श्रेणी में लंबवत आरक्षण कटऑफ से अधिक महिला श्रेणी की कटऑफ रही।

उत्तर प्रदेश पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 930 पदों को भरने के लिए इस भर्ती का विज्ञापन 29 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित किया गया था। ऑफलाइन लिखित परीक्षा 1 नवंबर, 2025 को प्रदेशभर के 10 जनपदों में आयोजित की गई थी, जिसमें सफल अभ्यर्थियों को कंप्यूटर टंकण परीक्षण के लिए बुलाया गया। टंकण परीक्षण में सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के बाद आज अंतिम परिणाम प्रकाशित कर दिया गया है। लिखित परीक्षा में 39,853 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें 40 प्रतिशत या उससे अधिक नंबर पाने वाले कुल 23,392 पास हुए थे। इनमें से 11,891 अभ्यर्थियों को कंप्यूटर परीक्षा के लिए बुलाया गया था।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, पति पर आरोप

अमृत विचार, हरदोई/सुरसा : पांच महीने के दुधमुंहे बच्चे की मां की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के देवर ने फंदा लगाकर आत्महत्या करने की बात कही है, जबकि पिता ने बेटी के पति, उसके बड़े और छोटे भाई पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। युवती की मौत के बाद आरोपी ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो गए। सुरसा थाने के रुदौली मजरा अंधर्रा निवासी मोहम्मद सुफियान की पत्नी शहनाज़ (23) की शुक्रवार की रात संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। उसके देवर इरफान ने देर रात को शहनाज़ के मायके में फोन कर बताया था कि उसने फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली, जबकि शहनाज़ के चाचा शकील अहमद निवासी रूरा थाना उचौलिया लखीमपुर खीरी ने बताया कि रुदौली पहुंच कर उसने देखा कि शहनाज़ के गले में दुपट्टा बंधा हुआ, उसके कान से खून बह रहा था और गर्दन पर खरोंच जैसे निशान थे।

सपा मुख्यालय में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को कैंसर हॉस्पिटल का चित्र भेंट करते चिकित्सक। अमृत विचार

सुहेलेदव आर्मी ने विधानभवन के सामने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **पुलिस वैन में लादकर सभी को भेजा गया ईको गार्डन**
- **चौकी प्रभारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व 100 अज्ञात पर दर्ज कराई रिपोर्ट**

अमृत विचार: सुहेलदेव आर्मी के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी कानून के संशोधन को लेकर शनिवार को विधानभवन का घेराव करने की कोशिश की। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ते देख पुलिस प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा। अवैध रूप से धरना प्रदर्शन और मुख्य मार्ग बाधित होने से स्कूली बच्चों, महिलाओं, व्यापारियों और सरकारी संस्थानों में आने-जाने वाले लोगों के साथ ही जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मामले में चौकी प्रभारी सचिवालय बागेश कुमार शर्मा ने हजरतगंज कोतवाली में राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी और 100 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है।

सुहेलदेव आर्मी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विधानभवन के बाहर एकत्र होकर यूजीसी कानून में संशोधन को लेकर नारे लगाए। पुलिस ने बिना इजाजत के सड़क पर प्रदर्शन और मुख्य मार्ग बाधित होने पर कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन वे गाली-गलौज करते रहे। कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ने और प्रदर्शन के उग्र होने की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को विधानसभा की ओर बढ़ने से रोका और स्थिति को नियंत्रण में रखने की कोशिश की। पुलिस ने हालात बिगड़ने से पहले कार्रवाई करते हुए सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस वैन के जरिए ईको गार्डन भेज दिया गया।

भाजपा ने देश के किसानों को खतरे में डाला : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के सामने खतरा पैदा कर दिया है। सरकार ने अमेरिका को पांच सौ बिलियन डालर का व्यापार दे दिया है। खेती-बाड़ी दे दी। भाजपा देश का बाजार और अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के हाथों में दे रही है। इससे हमारा किसान बर्बाद हो जाएगा। खेती खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने विवादित फिल्म के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि फिल्म बनने के बाद ओटीटी से परमीशन भाजपा सरकार ने ही दी होगी।

वहीं सपा ने देश में 18,727 सरकारी स्कूलों के बंद होने पर सरकार पर हमला बोला है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए पाठशाला' के सांकेतिक आंदोलन को एक वास्तविक आंदोलन के रूप में बदलना होगा, तभी शोषित-वंचित समाज की पीढ़ियां आगे पढ़ और बढ़ पाएंगी।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच ही सरकारी स्कूलों को बंद करवा रही है। भाजपाई शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान के खिलाफ रहते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीनना भाजपा सरकार का सामाजिक अपराध है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान पीडीए समाज के बच्चों को ही होगा।

सपा सरकार में कैंसर, किडनी, लीवर के इलाज की व्यवस्था थी नि:शुल्क

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बताया कि सपा सरकार में गंभीर बीमारियों, कैंसर, किडनी, लीवर और हार्ट के लिए उच्चस्तरीय इलाज की व्यवस्थाएं नि:शुल्क की गई थीं। लखनऊ में 100 एकड़ में एक हजार करोड़ रुपये की राशि से समाजवादी सरकार में सन् 2016 में कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट बना। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित डॉक्टरों के दल के साथ बैठक कर रहे थे। डॉक्टरों की राय थी कि समाजवादी सरकार में इस गंभीर बीमारी के इलाज और इसके बीमार लोगों के प्रति संवेदनापूर्ण व्यवहार के लिए जितना किया गया था, वह हमेशा याद रखा जाएगा।

सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर यूपी : नंदी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' से आगे बढ़कर अब 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। प्रदेश के उद्योग विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि निवेश, शिक्षा और उद्योग प्रदेश के विकास के मुख्य आधार हैं। वह इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में फिएस्टा कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत आयोजित अंतर-महाविद्यालयी खेल

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने फिएस्टा 2026 के सफल आयोजन के लिए इंटीग्रल यूनिवर्सिटी परिवार, आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर एवं संस्थापक प्रोफेसर एस. डब्ल्यू. अख्तर ने प्रदेश के समग्र विकास की सराहना की। चांसलर एवं सह-संस्थापक अजरा वसीम, प्रो-चांसलर डॉ. सैयद नदीम अख्तर सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बीसी सखियों ने किया 40 हजार करोड़ का लेन-देन

सरकार ने गांवों तक पहुंचाई बैंकिंग सुविधा, अब तक 40 हजार सखियों की तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **'वन जीपी-वन बीसी सखी' ने लिखी सफलता की नई कहानी, 50 हजार से ज्यादा बीसी सखियों को प्रशिक्षण**

अमृत विचार: 'एक ग्राम पंचायत-एक बीसी सखी' योजना ने सफलता की नई कहानी लिखी है। बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट सखी (बीसी सखी) के रूप में काम कर रही ग्रामीण महिलाओं ने अब तक करीब 40 हजार करोड़ का बैंकिंग लेन-देन किया है, जिसके जरिए 106 करोड़ से ज्यादा का लाभांश भी मिला है।

राज्य में इस योजना के तहत अब तक 40 हजार बीसी सखियां तैनात की जा चुकी हैं, जिनके जरिए बैंक अब लोगों के घर तक

पहुंचा है। ग्रामीणों को भी रोजमर्रा के बैंक संबंधित कामों में काफी सहूलियत मिल रही है। योजना से राज्य की हजारों महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हुई हैं और परिवार की जिम्मेदारी भी उठा रही हैं। बीसी सखियां गांवों में लोगों की पैसे जमा करने और निकालने समेत खाते से लेन-देन, लोन के लिए आवेदन, मनी ट्रांसफर, आरडी व एफडी खुलवाने तक में मदद करती हैं। इससे ग्रामीणों को बैंक शाखा तक जाने की जरूरत नहीं पड़ रही। इस योजना की शुरुआत मई 2020 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। इसका मकसद था कि गांवों के लोगों को बैंक की सुविधाएं उनके घर के पास मिल जाएं और स्थानीय महिलाओं को भी रोजगार के अवसर मिलें। इस सुविधा के शुरू हो जाने के बाद से ग्रामीणों को शहरों के चक्कर काटने से राहत मिली है।

सभी ग्राम पंचायतों तक विस्तार का लक्ष्य

राज्य की 57,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में बीसी सखियों की तैनाती का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अभी तक 50,225 बीसी सखियों को प्रशिक्षण देकर प्रमाणित किया जा चुका है। इनमें से लगभग 40,000 बीसी सखियां वर्तमान में गांवों में काम कर रही हैं।

बजट को लेकर जनसंवाद अभियान तेज

अमृत विचार, लखनऊ: केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में व्यापक जनसंवाद अभियान चला रही है। पार्टी का उद्देश्य 'विकसित भारत' के संकल्प और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से समाज के हर वर्ग को जोड़ना है। भाजपा प्रदेश महामंत्री, एमएलसी एवं अभियान प्रभारी सुभाष यदुवंश ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में विकसित भारत का स्पष्ट रोडमैप और आम नागरिक की आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से बजट के उद्देश्यों को धरातल पर उतारा जा सकता है, इसी सोच के साथ भाजपा संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

अग्निवीर भर्ती रैली में अभ्यर्थियों ने दिखाया जोश

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में शनिवार को दूसरे दिन 13 जिलों की सभी तहसीलों के लिए अग्निवीर क्लर्क व स्टोर कीपर टेक्निकल एसकेटी भर्ती परीक्षा रैली आयोजित की गई, जिसमें कुल 1103 अभ्यर्थियों में से 874 ने हिस्सा लिया। 8 फरवरी को अग्निवीर तकनीकी श्रेणी के लिए भर्ती आयोजित की जाएगी, जिसमें औरैया, कानपुर देहात, कन्नौज, चित्रकूट, उन्नाव, बांदा और लखनऊ की सभी तहसीलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस लखनऊ के तहत उत्तर प्रदेश के 13 जिले औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ शामिल हैं। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे सतर्क रहें और दलालों के झांसे में न आएं या किसी भी गलत तरीके का इस्तेमाल न करें।

अभियान | प्रदेश सरकार का 2030 तक 15 फीसदी भाग को हरा-भरा करने का लक्ष्य

पर्यावरण संरक्षण को गांवों में लग रही 'ग्रीन चौपाल'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **अब तक 14,318 गांवों में हुए आयोजन, किया जागरूक**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक लाने का निर्देश दिया है। यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब पौधरोपण को जनांदोलन का स्वरूप दिया जा सके। इसे लेकर वन विभाग ने गांवों में हर शुक्रवार को ग्रीन चौपालों के जरिए आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की है। विभिन्न विभागों के सहयोग से अब तक 14,318 गांवों में चौपाल लगाई गई है।

इन ग्रीन चौपालों में शामिल

होने वाले लोगों से वर्ष 2026 में चलाए जाने वाले पौधरोपण अभियानों पर चर्चा करने के साथ-साथ उन्हें तैयारी से संबंधित जिम्मेदारियां भी सौंपी जा रही हैं। ग्रीन चौपालें ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों आदि को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रही हैं। ग्रीन चौपाल के अध्यक्ष ग्राम प्रधान, सेक्शन/बीट अधिकारी सदस्य सचिव तथा ग्राम पंचायत सचिव संयोजक बनाए गए हैं। इसके अलावा तीन ग्राम पंचायत सदस्य (न्यूनतम एक महिला सदस्य), स्वयं सहायता समूह की एक महिला प्रतिनिधि, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी सहायिका, प्रगतिशील कृषक, पर्यावरणविद/स्थानीय एनजीओ के प्रतिनिधि व जैव विविधता प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि चौपाल के सदस्य हैं।

महीने में अनिवार्य रूप से लगे चौपाल

हरियाली बढ़ाने के उद्देश्यों से प्रत्येक माह ग्रीन चौपाल की कम से कम एक बैठक अनिवार्य रूप से होनी है। इसमें विभिन्न विभागों की पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के प्रति स्थानीय स्तर पर विशेष प्रचार-प्रसार (नुक्कड़ नाटक, रैली, गोष्ठी) आदि का भी आयोजन हो रहा है। जिला वृक्षारोपण समिति द्वारा ग्रीन चौपाल के कार्यों की निगरानी भी की जा रही है। प्रभागीय वनाधिकारी इसका समन्वयन कर रहे हैं।

> मुख्यमंत्री के निर्देश पर गांवों में ग्रीन चौपालें लगाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य यूपी में हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण है। इसके लिए ग्रीन चौपाल की भी मदद ली जाएगी। गांव स्तर पर प्रधान इसके अध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रतिमाह ग्रीन चौपाल की कम से कम एक बैठक अनिवार्य रूप से हो रही है। अब तक 14,318 गांवों में ग्रीन चौपालों का गठन व आयोजन किया जा चुका है। उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्रीन चौपालों को चिह्नित भी किया जा रहा है।
>
> **-रामकुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन विभाग उत्तर प्रदेश**

मतदाता सूची से नाम काटने का मंसूबा नहीं हो सका पूरा: प्रमोद तिवारी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी ने एसआईआर को लेकर सरकार और निर्वाचन आयोग पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग गलतियां पर गलतियां कर रहा है। उधर सरकार की ओर से अल्पसंख्यक समुदाय, अनुसूचित जाति, पिछड़े तबके और प्रवासी मजदूरों के नाम काटने के लिये

फार्म बांटे गये, लेकिन जागरूक जनता और कुछ ईमानदार अधिकारियों ने इन मंसूबों पर फिर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों से अपील की कि लोकतंत्र को बचाने में वे अपना योगदान दें। सभी मतदाता अपने अधिकारों की रक्षा करें, हर हाल में मतदाता सूची में वैध मतदाताओं का नाम अवश्य दर्ज करवा दें। उन्होंने नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की खुले गड्ढे में गिरकर हुई दर्दनाक मौत के मामले में भी प्रशासन को घेरा।

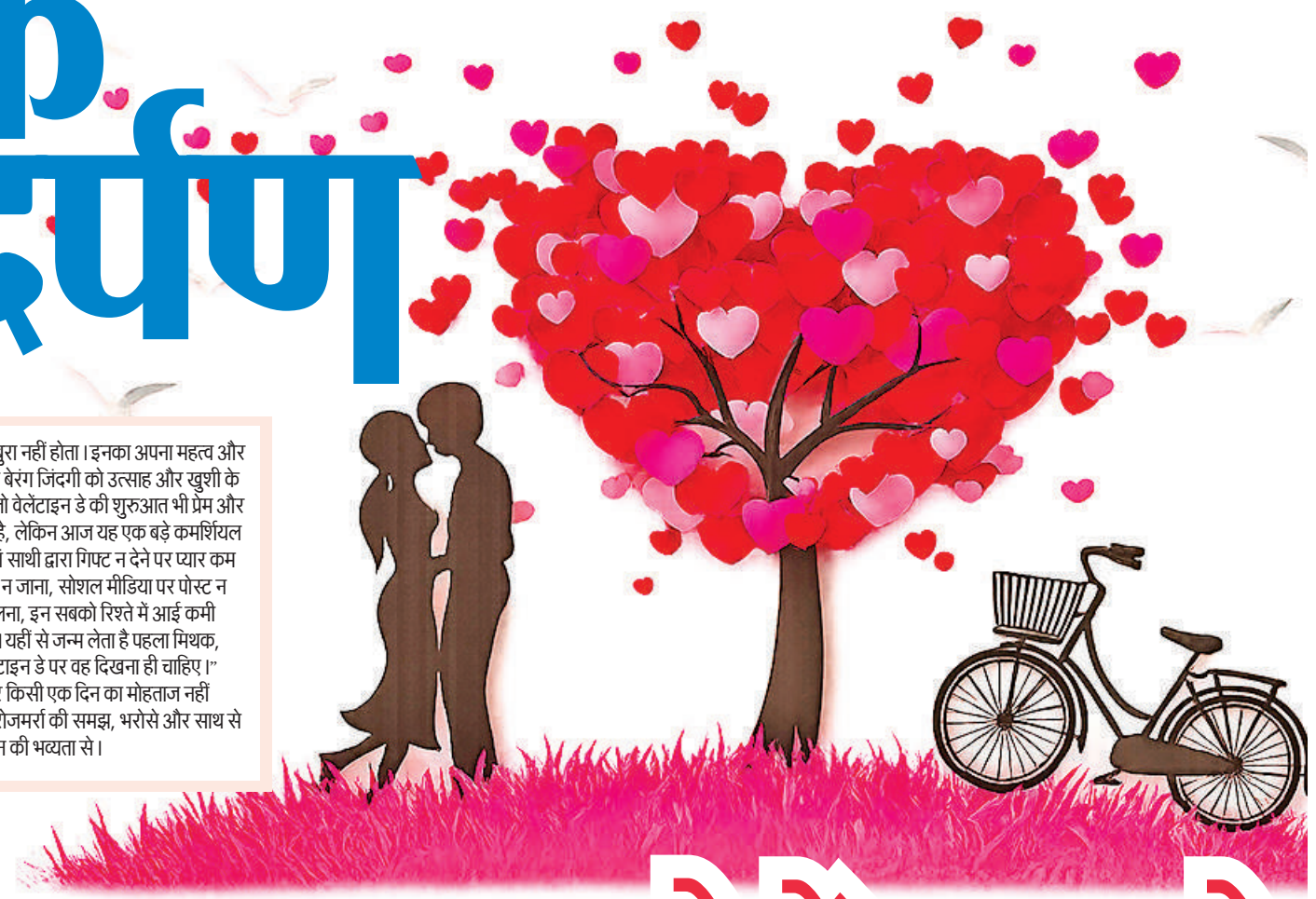

- कहते हैं कि कोई भी त्योहार बुरा नहीं होता। इनका अपना महत्व और प्रासंगिकता होती है। वे हमारी बेरंग जिंदगी को उत्साह और खुशी के रंग से भर देते हैं। देखा जाए तो वेलेंटाइन डे की शुरुआत भी प्रेम और त्याग की भावना से जुड़ी हुई है, लेकिन आज यह एक बड़े कमर्शियल इवेंट का रूप ले चुका है। जहां साथी द्वारा गिफ्ट न देने पर प्यार कम आंका जाने लगता है। डेट पर न जाना, सोशल मीडिया पर पोस्ट न डालना या "सरप्राइज" न मिलना, इन सबको रिश्ते में आई कमी के तौर पर देखा जाने लगा है। यहीं से जन्म लेता है पहला मिथक, "अगर प्यार सच्चा है, तो वेलेंटाइन डे पर वह दिखना ही चाहिए।" जबकि सच्चाई यह है कि प्यार किसी एक दिन का मोहताज नहीं होता। रिश्तों की मजबूती तो रोजमर्रा की समझ, भरोसे और साथ से बनती है, न कि किसी एक दिन की भव्यता से।

प्यार का उत्सव वेलेंटाइन डे

हर मौसम की अपनी ही खूबसूरती होती है। साथ ही खूबसूरती होती है, उसमें आने वाले खास दिनों की। फिर बसंत का आना तो युगों से खास रहा है। यह हमेशा से प्रेम और नवजीवन का प्रतीक रहा है, जो कि अंग्रेजी कलेंडर के हिसाब से फरवरी में पड़ता है। इस महीने प्रेम का एक ग्लोबल उत्सव 'वेलेंटाइन डे' भी मनाया जाता है, जिसे लेकर प्रेमी युगल बहुत उत्साहित होते हैं। हर साल फरवरी आते ही बाजार गुलाबी रंग में रंग जाता है। दिल के आकार के गुब्बारे, लाल गुलाब, चॉकलेट्स, टेडी और "परफेक्ट कपल" की मुस्कराती तस्वीरें, सब मिलकर यह ऐलान करने लगते हैं कि वेलेंटाइन डे आ गया है। सोशल मीडिया पर भी प्रेम से जुड़े हैशटैग्स ट्रेंड करने लगते हैं। लोग खुलकर प्यार जताते नजर आते हैं। पहली नजर में यह सब बेहद खूबसूरत लगता है, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे कई सवाल भी छिपे होते हैं। क्या प्यार सच में ऐसा ही होता है जैसा स्क्रीन पर दिखता है? क्या वेलेंटाइन डे आज प्यार का पैमाना बन चुका है? क्या सोशल मीडिया हमारे असली इमोशंस को समझने में मदद कर रहा है या उन्हें बड़ी चालाकी से ढक रहा है?

अलका 'सोनी'
लेखिका

सोशल मीडिया का प्यार और फिल्टर वाला रोमांस

आज का प्यार काफी हद तक डिजिटल स्क्रीन के जरिए व्यक्त किया जा रहा है। इंस्टाग्राम पर परफेक्ट कपल पोज, रील्स में रोमांटिक गाने और कैप्शन में "मेरी दुनिया" जैसे शब्द। ये सब एक आदर्श प्रेम कहानी गढ़ते हैं, लेकिन यह तस्वीर पूरी नहीं होती। सोशल मीडिया पर जो दिखता है, वह अक्सर खुशियों के चुने हुए पल होते हैं। उनमें रोज के झगड़े नहीं, थकान नहीं, असहमति नहीं होती, जो कि मानवीय रिश्तों का एक तरह से हिस्सा होते हैं। अक्सर यह सब कैमरे के पीछे छूट जाता है। इस तुलना में देखने वाला खुद को पीछे महसूस करने लगता है। यहां दूसरा मिथक बनता है, "दूसरों का रिश्ता ज्यादा खुश है, मेरा नहीं।" जबकि सच्चाई यह है कि हर रिश्ता अपने ढंग से जूझता है, बस सब उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते।

असली इमोशनः जो दिखते नहीं, महसूस होते हैं

असली प्यार अक्सर बहुत साधारण और खामोश होता है। वह साथी की बीमारी में चुपचाप पास बैठ जाता है, गलती पर डांटना भी जानता है, लेकिन छोड़कर जाना नहीं आता उसे। मन की बात बिना कहे ही समझ जाना। यह सब सबसे मूल्यवान है। ये वो इमोशंस हैं, जो न तो ट्रेंड करते हैं, न वायरल होते हैं। वेलेंटाइन डे के शोर में ये भावनाएं अक्सर अनदेखी रह जाती हैं। कई लोग खुद को इसलिए असफल मानने लगते हैं, क्योंकि उनका प्यार "दिखने लायक" नहीं है, जबकि हकीकत यह है कि भावनाओं की गहराई, उनकी सार्वजनिकता से तय नहीं होती।

सिंगल होनाः अधूरापन या आजादी

वेलेंटाइन डे का एक मनोवैज्ञानिक असर उन लोगों पर भी पड़ता है, जो सिंगल हैं। सोशल मीडिया उन्हें बार-बार यह एहसास दिलाता है कि वे किसी चीज से वंचित हैं। अधूरे हैं। ऐसे पोस्ट उन्हें "सिंगल होना, मतलब अकेलापन" का अहसास कराते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि सिंगल होना आत्मसमझ, आत्म-निर्भरता और खुद से रिश्ते को मजबूत करने का मौका भी हो सकता है। हर किसी की जिंदगी का समय हमेशा एक जैसा नहीं होता और रिश्तों की इस दिखावटी दौड़ में शामिल न होना कोई असफलता नहीं होती।

मेंटल हेल्थ और वेलेंटाइन प्रेशर

कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि वेलेंटाइन डे के आसपास भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है। कप्लस में तुलना, अपेक्षाएं और रिश्तों को लेकर असुरक्षा बढ़ने लगती है। दूसरों को गिफ्ट्स देते, फोटोज साझा करते और प्यार जताते देखकर उनके मन में भी, "अगर वह मुझसे प्यार करता/करती है, तो ऐसा क्यों नहीं किया?" या "सबके पास कोई है, मेरे पास क्यों नहीं?" जैसे सवाल आने लगते हैं। ये सवाल धीरे-धीरे आत्मसम्मान को प्रभावित करने लग जाते हैं। सोशल मीडिया यहां ईंधन का काम करता है, जहां हर पोस्ट एक परफेक्ट कहानी बनकर सामने आती है।

प्यार का मतलबः धैर्य के साथ प्राइवेसी

प्यार जताने के इस बाजार में चकाचौंध से आंखें बंद हो गई हैं। लोग असली प्रेम और भावनाओं को भूलते जा रहे हैं। आज जरूरत है प्यार को नए सिरे से परिभाषित करने की। ऐसा प्यार, जो दिखावे से ज्यादा संवेदनशील हो, जो लाइक्स से ज्यादा विश्वास पर टिका हो और जो स्टोरी से ज्यादा स्टेबिलिटी देता हो। वेलेंटाइन डे मनाना बुरा नहीं है, लेकिन उसे रिश्ते का इम्तिहान बना देना जरूर गलत है। वेलेंटाइन डे अपने आप में न तो पूरी तरह मिथक है, न पूरी सच्चाई। यह एक अवसर है खुद से पूछने का कि हम प्यार को कैसे समझते हैं? कैसे अनुभव करते हैं? क्या हम उसे महसूस कर रहे हैं या बस दिखा रहे हैं? या फिर खुद को सोशल मीडिया पर अपडेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया हमें जोड़ सकता है, लेकिन इमोशंस की जगह कभी नहीं ले सकता। असली प्यार वही है, जो कैमरे के बिना भी आपके साथ मौजूद रहे, जो किसी खास तारीख का इंतजार न करे और जो हर दिन, छोटे-छोटे तरीकों से खुद को साबित करे। शायद यही वेलेंटाइन डे की सबसे बड़ी सच्चाई और प्रासंगिकता है।

प्रेम का बदलता व्याकरण

आधुनिक समय में वेलेंटाइन डे अब सिर्फ एक तारीख नहीं रहा। जेन-जी के लिए यह एक परफॉर्मेंस डे बन चुका है। इंस्टाग्राम स्टोरी, रील, कपल फोटो, सरप्राइज और हैशटैग के साथ जिया जाने वाला प्रेम-दिवस। प्रेम यहां केवल अनुभव नहीं रहा, वह प्रमाण मांगने लगा है। अब महसूस करना पर्याप्त नहीं-दिखाना जरूरी हो गया है। इस प्रेम-दृश्य में दबाव केवल स्त्री पर है, ऐसा कहना शायद आज के संदर्भ को अधूरा समझना होगा। जेन-जी स्वयं को जेंडर की पारंपरिक सीमाओं से बाहर देखने का दावा करती है। यहां स्त्री और पुरुष से पहले "आधुनिक व्यक्ति" होने की बात की जाती है- स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और अपनी पसंद के प्रति मुखर। इसीलिए खुश दिखने का दबाव अब एकतरफा नहीं रहा, वह दोनों पर समान रूप है, लेकिन यह समानता अनुभव में हमेशा समान नहीं होती। प्रेम का सार्वजनिक प्रदर्शन मुस्कुराता हुआ चेहरा, सजी-संवरी छवियां और ऑनलाइन स्वीकार्यता आज के रिश्तों की मान्यता का पैमाना बनता जा रहा है। प्रेम तभी "सफल" माना जाता है, जब वह लाइक, कमेंट और साझा किए जाने योग्य दृश्य में बदल सके। इस प्रक्रिया में भीतर का द्वंद्व, थकान, असमंजस या असुरक्षा इस फ्रेम में जगह नहीं पा पाते। जेन-जी के प्रेम में अब नाजुकता की जगह आत्मविश्वास और बोल्ड उपस्थिति को अधिक महत्व दिया जाता है। यहां पसंद कम और अपेक्षा अधिक है। एक ऐसी अपेक्षा, जिसे सोशल मीडिया की दृश्य संस्कृति लगातार गढ़ती और मजबूत करती जा रही है। सवाल यह नहीं है कि प्रेम अच्छा है या बुरा। सवाल यह है कि जेन-जी का वेलेंटाइन प्रेम को किस दिशा में ले जा रहा है? क्या वह ऐसी जगह खोल रहा है, जहां व्यक्ति अपनी इच्छा और सीमाओं के साथ खड़ा हो सके या फिर वह प्रेम को एक नए सांचे में ढाल रहा है, जहां अपेक्षाएं बदली हैं, पर दबाव अब भी मौजूद हैं। इस बार फिल्टर, मुस्कान और सार्वजनिक स्वीकार्यता के साथ।

कल्पना मनोरमा
साहित्यकार, नोएडा

जेन-जी और प्रेम की पहचान

जेन-जी का प्रेम खुलेपन और संवाद का दावा करता है। इस पीढ़ी ने रिश्तों की भाषा बदल कर रख दी। यह संस्कृति अब पहले से अधिक बोलती है, सवाल पूछती है और सहमति को केंद्र में रखती है। जहां पहले चुप्पी, सामाजिक भय और अस्पष्टता हावी थे, वहां अब शब्द, भाषा, अभिनय हैं, नाम हैं, श्रेणियां हैं और परिभाषाएं हैं। यह परिवर्तन प्रगतिशील तो है, लेकिन इसमें एक प्रकार की जल्दबाजी भी दिखाई देती है। भावनाओं को समय देने के बजाय, उन्हें तुरंत पहचान और लेबल चाहिए। क्रश, सिचुएशनशिप, रिलेशनशिप, एक्स आदि-आदि। जैसे प्रेम कोई प्रक्रिया नहीं, बल्कि चरणबद्ध फॉर्म हो, जिसे भरते ही अगला विकल्प खुल जाए। इस क्रम में प्रेम का वह हिस्सा पीछे छूट जाता है, जो अनिश्चित होता है, जो स्पष्ट नहीं होता, जो खुद को समझने के लिए समय मांगता है। वह भावनात्मक क्षेत्र, जहां सवाल होते हैं, पर जवाब तुरंत नहीं मिलते, जहां ठहराव जरूरी होता है, अब असुविधाजनक लगने लगा है। इसके ठीक उलट, परंपरागत प्रेम अक्सर एक धुन की तरह जिया जाता था। धीमी, दोहराव भरी और समय के साथ गहराती हुई। उसमें नाम देर से मिलते थे, लेकिन साथ होने का अनुभव पहले आता था। यह भी सच है कि उस मौन में हमेशा गरिमा नहीं थी। कई बार वह मौन स्त्री की असहाय चुप्पी का रूप भी ले लेता था। इसलिए उस अतीत को आदर्श मानना उचित नहीं। फिर भी, प्रेम को समय की जरूरत आज भी है-सुनने के लिए, बदलने के लिए और कभी-कभी बिना तुरंत निष्कर्ष निकाले साथ बने रहने के लिए। जब प्रेम स्टेटस अपडेट में बदल जाता है, तो वह उस लय से कट जाता है, जिसमें प्रेम केवल कहा नहीं जाता था, बल्कि धीरे-धीरे जिया जाता था।

सोशल मीडिया का प्रेम

वेलेंटाइन, जेन-जी के लिए अब निजी अनुभव कम और सार्वजनिक प्रस्तुति अधिक बन गया है। प्रेम की घोषणा अब केवल शब्दों में नहीं होती, वह दृश्य में बदल जाती है। तस्वीरों, स्टोरीज और प्रतिक्रियाओं के जरिए। "हम खुश हैं" अब बताया नहीं जाता, दिखाया जाता है। प्रेम का मूल्य उसकी दृश्यता से तय होने लगा है। कितनी स्टोरीज, कितनी पोस्ट, कितना रिएक्शन, जो प्रेम दिखा नहीं, वह जैसे घटित ही नहीं हुआ। अनुभव अब स्मृति में नहीं, फीड में दर्ज होता है। यह दृश्यता अपने-आप में साहस भी है- प्रेम को छुपाने के पुराने डर से एक तरह की मुक्ति भी, लेकिन समझना ये भी होगा कि इसके साथ ही तुलना की एक कठोर संस्कृति भी जन्म लेती है। किसका गिफ्ट बड़ा, किसकी पोस्ट ज्यादा वायरल, किसका रिश्ता अधिक 'क्यूट'। किसकी प्रेमी और प्रेमिका कितनी क्यूट। प्रेम अनुभव कम, प्रतिस्पर्धी ज्यादा होने लगता है। इस दौड़ में वह प्रेम, जो कैमरे में नहीं आ पाया, जो चुपचाप जिया गया, अक्सर कमतर मान लिया जाता है। यद्यपि यह दबाव सभी पर है, इसका भावनात्मक भार प्रायः स्त्रियां अधिक ढोती हैं। खुश न दिख पाने का, पर्याप्त न होने का, और "सही तरीके से" प्रेम न कर पाने का अपराधबोध।

बाजार व रोमांस

वेलेंटाइन जेन-जी के लिए प्रेम से अधिक एक कंज्यूमर इवेंट में बदलता जा रहा है। फूल, चॉकलेट, डेट, ट्रिप मानो भावनाएं तब तक वैध न हों, जब तक उनकी कोई रसीद न हो। प्रेम का उत्सव बाजार की भाषा में आयोजित होने लगता है, जिनके पास साधन सीमित हैं, उनका प्रेम जैसे अधूरा ठहर जाता है और जिनके पास साधन हैं, वे भी प्रेम से ज्यादा उसके पैकेज में उलझ जाते हैं। कौन सा सरप्राइज, कौन सा रेस्तरां, कौन सा ट्रेंड। बाजार प्रेम को उत्पाद में बदल देता है। संवेदना महंगी होती जाती है और प्रेम अपनी सहजता खोने लगता है।

स्वतंत्रता बनाम असुरक्षा

जेन-जी स्वतंत्रता की बात करती है- "स्पेस चाहिए", "बाउंड्रीज जरूरी हैं।" यह एक जरूरी सुधार है, क्योंकि पुराने रिश्ते अक्सर नियंत्रण, त्याग और चुप सहने पर टिके थे। आज संबंधों में व्यक्तिगत सीमाओं की पहचान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन इसी स्वतंत्रता के साथ एक नई असुरक्षा भी जन्म लेती है। हर रिश्ता रिवर्सिबल है-अनफॉलो, ब्लॉक, मूव-ऑन। यह सुविधा रिश्तों को हल्का नहीं, बल्कि अस्थिर बना देती है। ठहराव की जगह विकल्प ले लेते हैं। धैर्य घटता है। कठिन समय में साथ बने रहना, असहमति सहना और रिश्ते की मरम्मत करना- ये गुण धीरे-धीरे दुर्लभ होते जा रहे हैं। इस अस्थिरता का प्रभाव अक्सर स्त्रियों पर अधिक पड़ता है, जिन्हें भावनात्मक रूप से 'एडजस्ट' करने की सामाजिक ट्रेनिंग अब भी मिली हुई है।

सहमति और सतर्कता

ये भी कहना अनुचित न होगा कि जेन-जी का एक बड़ा योगदान भी है। स्पर्श हो, डेट हो या कमिटमेंट हर स्तर पर बातचीत। यह प्रेम को पहले से अधिक सुरक्षित बनाता है, विशेषकर स्त्रियों के लिए, लेकिन जब हर भावना नियमों और शर्तों में बंधने लगे, तब प्रेम धीरे-धीरे अनुबंध में बदलने लगता है। सहजता पर सतर्कता हावी हो जाती है- कुछ गलत न हो जाए। प्रेम को नियमों की जरूरत है, लेकिन उससे ज्यादा भरोसे की, उस भरोसे की, जिसमें स्त्री को बार-बार अपनी मंशा साबित न करनी पड़े।

तात्कालिकता का प्रेम

जेन-जी तेजस पीढ़ी है। रिप्लाई देर से आए तो बेचैनी, समस्या आए तो ब्रेक-अप। संवाद और मरम्मत की जगह त्वरित समाधान ने ले ली है। रिश्ते भी अब उसी गति से जीए जाने लगे हैं, जिस गति से ऐप्स अपडेट होते हैं, लेकिन गहराई समय से आती है। साथ रहने से, असहमति सहने से और एक-दूसरे को बदलते हुए देखने से। वेलेंटाइन का एक दिन यह धैर्य नहीं सिखाता। प्रेम का अभ्यास रोज का होता है, बिना कैमरे, बिना तालियों के।

स्लैप डे और उसके बाद

वेलेंटाइन सप्ताह का कैलेंडर जब "स्लैप डे" तक पहुंचता है, तो वह प्रेम के उत्सव को अचानक एक अजीब व्यंग्य में बदल देता है। यह दिन मजाक, मीम और हंसी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके भीतर एक गहरी असहजता छिपी होती है। प्रेम, जो अब तक प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा का विषय था, यहां आकर अस्वीकृति और अपमान के रूपक में बदल जाता है। "स्लैप डे" दरअसल इस बात का संकेत है कि आधुनिक प्रेम केवल जुड़ने का नहीं, बल्कि तुरंत अलग हो जाने का भी उत्सव मनाता है। जहां पहले संबंधों के टूटने को निजी पीड़ा माना जाता था, वहां अब वह सार्वजनिक मनोरंजन बनता जा रहा है। असफल रिश्ते भी अब साझा किए जाते हैं- कभी कटाक्ष में, कभी व्यंग्य में, कभी मजाक की भाषा में। यह प्रवृत्ति भावनाओं को हल्का नहीं, बल्कि सतही बना देती है। असहमति, दूरी या टूटन को समझने और संभालने की जगह, उन्हें जल्दी-जल्दी खारिज कर देना आसान विकल्प लगता है। संबंधों में ठहराव, आत्ममंथन और मरम्मत की गुंजाइश कम होती जाती है। स्लैप डे और उसके बाद का यह दौर हमें यह सोचने पर विवश करता है कि प्रेम केवल घटित होने और समाप्त हो जाने की घटनाओं का नाम नहीं है। वह उन क्षणों में भी मौजूद रहता है, जहां कोई उत्सव नहीं होता, कोई दर्शक नहीं होते और कोई त्वरित निर्णय नहीं लिया जाता। प्रेम शायद उस ठहराव का अभ्यास है, जिसमें मनुष्य जल्दीबाजी के विरुद्ध खड़ा रहता है। समय को सुनता है, असुविधा से भागता नहीं और हर टूटन को तत्काल त्याग में नहीं बदलता। जेन-जी की तेज गति के पीछे, यह प्रेम भले ही अप्रासंगिक या पुराना प्रतीत हो, लेकिन वही प्रेम सत्य के अधिक निकट है। वह शुरू होने या टूटने से परिभाषित नहीं होता, बल्कि साथ टिके रहने की इच्छा से उस धैर्य से, जिसे हमने सुविधा और तात्कालिकता के शोर में धीरे-धीरे भुला दिया है, रुका रहता है।

आरोग्य का मूल मंत्र

सही समय पर, सही भोजन

स्वस्थ जीवन मानव जीवन की सबसे बड़ी संपदा है। आधुनिक युग में भौतिक प्रगति, सुविधाओं और व्यस्त जीवनशैली ने मनुष्य को आराम तो दिया है, परंतु स्वास्थ्य के मूल सिद्धांतों से दूर भी कर दिया है। अनियमित दिनचर्या, देर रात भोजन करना, जंक फूड का बढ़ता सेवन और शारीरिक श्रम की कमी के कारण आज छोटी आयु में ही अनेक रोग देखने को मिल रहे हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, पाचन विकार और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं सामान्य होती जा रही हैं। आयुर्वेद में इन सभी रोगों का मूल कारण आहार एवं विहार में असंतुलन माना गया है। रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली निरंतर जन-स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से यह संदेश देता रहा है कि यदि व्यक्ति सही भोजन और सही समय पर भोजन को अपने जीवन में अपनाए, तो वह दीर्घकाल तक स्वस्थ रह सकता है। यही आरोग्य का मूल मंत्र है।

संतुलित आहार की अवधारणा

- संतुलित आहार वह है, जिसमें सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में उपस्थित हों।
- अनाज शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।
- दालें और फलियां प्रोटीन का स्रोत होती हैं।
- सब्जियां विटामिन और खनिज प्रदान करती हैं।
- घी और तेल शरीर में स्निग्धता बनाए रखते हैं।
- आयुर्वेद में घी को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि यह पाचन अग्नि को संतुलित रखता है और मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करता है। संतुलित आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति स्फूर्तिवान रहता है।

भोजन और शयन का अंतर

आयुर्वेद के अनुसार रात्रि भोजन और शयन के बीच कम से कम 2 से 3 घंटे का अंतर होना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद सोना पाचन के लिए हानिकारक है और इससे अनेक रोग उत्पन्न होते हैं।

ऋतु के अनुसार भोजन

आयुर्वेद में ऋतुचर्या का विशेष महत्व है। ग्रीष्म ऋतु में हल्का और शीतल भोजन, वर्षा ऋतु में सुपाच्य भोजन तथा शीत ऋतु में पौष्टिक और गरम तासीर वाला भोजन शरीर को संतुलन में रखता है। ऋतु के अनुसार भोजन करने से दोषों का संतुलन बना रहता है और रोगों से बचाव होता है।

भोजन और मानसिक स्वास्थ्य

भोजन का प्रभाव केवल शरीर पर ही नहीं, बल्कि मन पर भी पड़ता है। सात्विक आहार मन को शांत, स्थिर और सकारात्मक बनाता है, जबकि तामसिक आहार आलस्य और नकारात्मकता को बढ़ाता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए सात्विक भोजन और नियमित दिनचर्या अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य किसी एक औषधि से नहीं, बल्कि सही जीवनशैली से प्राप्त होता है। आयुर्वेद का सरल और प्रभावी सिद्धांत- सही भोजन और सही समय पर भोजन- आज के युग में अत्यंत प्रासंगिक है। **रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली** निरंतर समाज को इस दिशा में जागरूक कर रहा है कि यदि आहार और समय का संतुलन बना लिया जाए, तो अधिकांश रोगों से बचाव संभव है और जीवन स्वस्थ, सुखी व दीर्घायु बन सकता है। यही आरोग्य का सच्चा मूल मंत्र है।

सही भोजन का वास्तविक अर्थ

सही भोजन का अर्थ केवल स्वाद या पेट भरने से नहीं है, बल्कि ऐसा आहार है, जो शरीर की प्रकृति, आयु, ऋतु और कार्य-क्षमता के अनुरूप हो। अत्यधिक तला, मसालेदार, बासी अथवा जंक फूड पाचन शक्ति को कमजोर करता है और रोगों को जन्म देता है। इसके विपरीत ताजा, सुपाच्य और संतुलित भोजन शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करता है। आयुर्वेद में भोजन की मात्रा, गुणवत्ता और संयोजन, तीनों पर समान बल दिया गया है। यही कारण है कि सही भोजन को आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रथम चरण माना गया है। आयुर्वेद में आहार को औषधि के समान महत्व दिया गया है। चरक संहिता में वर्णित है कि उचित आहार का सेवन करने वाले व्यक्ति को औषधियों की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है। आहार से ही शरीर की वृद्धि, बल, वर्ण, ओज और आयु का निर्धारण होता है। दोष, धातु और मल, इन तीनों का संतुलन आहार पर ही निर्भर करता है। यदि आहार शुद्ध, संतुलित और समयानुकूल हो, तो शरीर स्वाभाविक रूप से रोगों से सुरक्षित रहता है।

भोजन का सही समय और जठराग्नि

आयुर्वेद के अनुसार जठराग्नि स्वास्थ्य की कुंजी है। जठराग्नि भोजन को पचाकर शरीर को ऊर्जा और पोषण प्रदान करती है। यह अग्नि दिन के विभिन्न समयों में अलग-अलग स्तर पर सक्रिय रहती है। यदि भोजन जठराग्नि के अनुकूल समय पर किया जाए, तो वह पूरी तरह पचता है, जबकि गलत समय पर किया गया भोजन अपच और रोगों का कारण बनता है। इसलिए सही भोजन के साथ-साथ सही समय पर भोजन करना भी अत्यंत आवश्यक है।

- प्रातः काल जल सेवन (सुबह 5:30 से 6:30 बजे)
  आयुर्वेद में दिन की शुरुआत गुनगुने जल से करने की सलाह दी गई है। यह शरीर की शुद्धि करता है, पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और मल त्याग को नियमित बनाता है। इस समय भारी भोजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि जठराग्नि अभी पूर्ण रूप से सक्रिय नहीं होती।
- प्रातः काल नाश्ता (सुबह 7:30 से 9:00 बजे)
  नाश्ता हल्का, सुपाच्य और पोषणयुक्त होना चाहिए। फल, दलिया, अंकुरित अनाज या हल्की खिचड़ी इस समय उपयुक्त मानी जाती है। अत्यधिक भारी या तला नाश्ता करने से पाचन प्रभावित होता है और दिनभर आलस्य बना रहता है।
- मध्याह्न भोजन- दिन का मुख्य भोजन (दोपहर 12:00 से 2:00 बजे)
  दोपहर का समय भोजन के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इस समय सूर्य अपने उच्चतम स्थान पर होता है और जठराग्नि सबसे प्रबल रहती है। आयुर्वेद के अनुसार दिन का सबसे भारी और पौष्टिक भोजन इसी समय करना चाहिए। इस समय लिया गया भोजन अच्छी तरह पचता है और शरीर को बल, ऊर्जा तथा आवश्यक पोषण प्रदान करता है।
- सायंकाल हल्का आहार (शाम 4:30 से 5:30 बजे)
  सायंकाल हल्का आहार जैसे फल, सूप या हर्बल पेय लेना उपयुक्त होता है। इस समय अधिक तला-भुना या मीठा भोजन करने से रात्रि के पाचन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- रात्रि भोजन (शाम 6:30 से 8:00 बजे)
  रात्रि भोजन हल्का, सुपाच्य और सीमित मात्रा में होना चाहिए। खिचड़ी, सूप या उबली सब्जियां इस समय के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं। देर रात भोजन करने से जठराग्नि कमजोर हो जाती है और गैस, कब्ज तथा मोटापा जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

बबूल की फलियां स्वाद भी, सेहत भी

क्या आपको पता है कि बबूल यानी कीकर की ये फलियां आयुर्वेद में औषधीय महत्व वाली मानी जाती हैं और हमारे देश के राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में इन्हें सब्जी के रूप में खाया भी जाता है। गांवों की पारंपरिक मान्यता अब वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध हो चुकी है कि इन्हें खाने से शरीर को एक साथ कई लाभ मिलते हैं। चूंकि इनमें बहुत सारे प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो पेट की समस्याओं जैसे गैस, अपच और दस्त में राहत देते हैं। इनमें कैल्शियम जैसे खनिज भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत करते हैं और जोड़ों के दर्द से राहत दिलाते हैं। साथ ही इसमें घाव भरने और त्वचा को स्वस्थ रखने के भी गुण हैं। इनका कसैला स्वाद इन्हें शुगर नियंत्रण करने योग्य बनाता है।

आयुर्वेदिक ग्रंथों के अनुसार बबूल की फलियों के नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। इन सबके अतिरिक्त इसके बीजों में ऊर्जा का भंडार भरा हुआ है, जो दुर्बल शरीर वालों को पुष्ट बना देता है, दुर्बलता दूर कर ऊर्जा से परिपूर्ण कर देता है। इतने सारे स्वास्थ्य लाभ के अलावा बबूल की इन फलियों की सब्जी बहुत स्वादिष्ट लगती है, शर्त यही है कि सही ढंग से, सही विधि से बनाया जाए। वैसे तो औषधीय गुणों के कारण इसे नियमित भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है, लेकिन अति सेवन से नुकसान हो सकता है। अतः सीमित मात्रा में सेवन किया जाना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में खाने से कब्ज की समस्या हो सकती है। हां, कच्ची फलियों का सेवन नहीं किया जाना चाहिए, हमेशा इन्हें पकाकर ही खाना चाहिए। हमारे घर के आसपास बबूल के पेड़ बहुतायत से उपलब्ध हैं, तो इसकी फलियों के लिए हमें बाजार का मुंह नहीं देखना पड़ता।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह परिश्रम और प्रयास करने पर पूरा फल प्राप्त होगा। आपके कार्य में आ रही अड़चनें स्वतः दूर होती हुई नजर आएंगी। स्वजनों एवं शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। करियर और कारोबार की दृष्टि से सप्ताह आपके लिए शुभता लिए हुए है।

वृष
यह सप्ताह थोड़ा-उतार चढ़ाव लिए रह सकता है। करियर हो या कारोबार में आपको योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर ही मनचाही सफलता मिल पाएगी। नौकरीपेशा लोगों को अपना कार्य किसी दूसरे पर छोड़ने की भूल करने से बचना होगा, अन्यथा उसके बिगड़ने पर मान-सम्मान को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

मिथुन
इस सप्ताह आपके लिए कुछ चीजों को लेकर मौन धारण कर लेना श्रेयस्कर साबित हो जाएगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आपको कार्यक्षेत्र में विरोधियों से उलझने की बजाए अपने कार्य को बेहतर करने पर फोकस करना चाहिए। सप्ताह के उत्तरार्ध तक सभी चीजें पटरी पर आती हुई नजर आएंगी।

कर्क
इस सप्ताह नुकसान का सौदा साबित हो सकता है। ऐसे में किसी भी कार्य को कल पर न टालें और लोगों के साथ विनम्रता से बात-व्यवहार करें। इस सप्ताह बोलने की बजाय लोगों को अधिक सुनना आपके लिए अधिक श्रेयस्कर साबित होगा।

सिंह
यह सप्ताह मिश्रित फलदायक है। सप्ताह की शुरुआत के मुकाबले उत्तरार्ध में आपको ज्यादा सचेत रहने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान आपके विरोधी सक्रिय रहते हुए आपके मान-सम्मान आदि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से कठिनाई भरा रह सकता है।

कन्या
इस सप्ताह बीते कुछ समय से चले आ रही परेशानियों से उबरने का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन एक बार फिर परिस्थितियां आपके प्रतिकूल होती नजर आएंगीं। आपको अपने किसी भी कार्य में लापरवाही बरतने से बचना चाहिए अन्यथा हाथ आई सफलता भी फिसल कर निकल सकती है। आपको समर्पित भाव से प्रयास करने पर ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो पाएगी।

तुला
इस सप्ताह कार्य में शार्टकट लेने अथवा नियमों का उल्लंघन करन से बचना चाहिए अन्यथा लाभ की जगह नुकसान होने की आशंका बनी रहेगी। किसी कार्य विशेष को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को लेकर मन परेशान रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने उच्च अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन कम मिल पाएगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों और अधीनस्थों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ लोगों के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए अपने कार्य को समय पर पूरा करने का प्रयास करें अन्यथा आपको परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए अधिकांश समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। घर और बाहर दोनों जगह लोगों का समर्थन और सहयोग प्राप्त होगा, जिसके कारण आपके भीतर उत्साह और सकारात्मकता बनी रहेगी। इस सप्ताह सौभाग्य का साथ मिलने के कारण न सिर्फ आपको कार्यों में सफलता प्राप्त होगी, बल्कि अटके हुए कार्य भी तेजी से पूरे होते हुए नजर आएंगे।

मकर
इस सप्ताह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते समय तमाम तरह की अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। सोचे हुए कार्य समय पर न पूरे होने अथवा उसमें अड़चन आने से आपके भीतर झुंझलाहट और क्रोध की अधिकता देखने को मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों की जिम्मेदारियों में बदलाव होने की आशंका है।

कुंभ
इस सप्ताह किसी भी कार्य में यदि कोई समस्या आती है, तो अपना आपा न खोएं और शांत मन से उसका समाधान खोजने का प्रयास करें। नौकरीपेशा लोगों के प्रारंभ में कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रह सकता है, लेकिन सुखद पहलू यह है कि उसे निपटाने में आपके अधीनस्थ और शुभचिंतक काफी मददगार साबित होंगे।

मीन
यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आप पर कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। इस सप्ताह आपको सोचे हुए कार्यों को समय पर मनचाहे तरीके से पूरा करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। दूसरों पर निर्भर रहने की बजाय स्वयं अपने कार्यों को सही तरीके से करने का प्रयास करना उचित रहेगा।

खजूर: स्वास्थ्य, शक्ति और पोषण का अद्भुत खजाना

खजूर को पूर्ण आहार कहा जाता है, इसलिए उसे सभी उपवास में उपयोग में लाया जाता है, ताजे, हरे खजूर का रायता बनाया जाता है, खजूर की चटनी बनती है, केक और पुडींग में खजूर का उपयोग किया जाता है। छुहारा सूखे मेवे का हिस्सा है, खजूर के पत्तों से घर का छप्पर, झाड़ू, ब्रश आदि बनाया जाता है, इसके तने इमारतों के आधार के तौर पर उपयोगी हैं। इसके रेशे रस्सियां बनाने के काम आते हैं।

खजूर खाने के फायदे

- एनीमिया (खून की कमी) में रामबाण, गठिया के लिए एक उत्तम औषधि है।
- महिलाओं के पैर दर्द, कमर दर्द में आराम देता है।
- कब्ज से छुटकारा मिलता है।
- पाचन विकार दूर करता है। अल्सर, एसिडिटी में राहत देता है।
- शरीर में शक्ति बढ़ाने के लिए बहुत उत्तम, मधुर, पौष्टिक, बलवर्धक, श्रम हारक और संतोष दिलाने वाला खजूर शीतल गुण वाला है। सुखाए हुए खजूर को खारक कहा जाता है। खजूर के सारे गुण खारक में पाए जाते हैं।
- एनीमिया (खून की कमी) में रामबाणः- खून में आयरन की मात्रा कम हो जाने से थकान, घबराहट, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी तकलीफ होती है। ऐसे में इक्कीस दिन लगातार 4-5 खजूर खाने चाहिए। पुराने एनीमिया में, दिमाग को खून की आपूर्ति कम होती है, जिसके कारण भूल जाना, चक्कर आना, अवसाद आदि लक्षण पाए जाएं, तो छह महीने तक आहार में 7-8 खजूर लें। इससे राहत मिलती है।
- खजूर गठिया के लिए एक उत्तम औषधिः- दुर्बलता में पैर दर्द तथा गठिया में, एक कप गरम दूध में एक चम्मच गाय का घी और एक चम्मच खजूर का पाउडर मिलाकर, गर्म ही पिलाएं।
- महिलाओं के पैर दर्द, कमर दर्द में आराम देता हैः- ज्यादातर महिलाओं में पैर दर्द, कमर दर्द की शिकायत होती है। ऐसे में 5 खजूर आधा चम्मच मेथी के साथ दो ग्लास पानी में, आधा होने तक उबालें। गुनगुना होने के बाद पिलाएं। इस से राहत मिलती है।
- कब्ज से छुटकारा मिलता हैः- अगर सुबह पेट साफ न हो, तो 5-6 खजूर रात में पानी में भिगोए। सुबह अच्छी तरह खजूर निचोड़कर वह पानी पिलाएं। खजूर रेचक है। पेट साफ करता है।
- पाचन विकार दूर होता हैः- आंतों में पाचन के लिए जरूरी विशिष्ट सूक्ष्म जीवों की संख्या खजूर से बढ़ती है। उससे पाचन क्रिया में सुधार होता है।
- अल्सर, एसिडिटी में राहत मिलती हैः- खजूर पाचन क्रिया को सुधारता है, जिससे अल्सर और एसिडिटी जैसी बीमारियां ठीक होने में मदद होती है।
- शरीर में शक्ति बढ़ाने के लिए बहुत उत्तमः- छोटे बच्चों की अच्छी सेहत के लिए हर रोज एक खजूर, दस ग्राम चावल के पानी में पीस लें। उसी में थोड़ा पानी मिलाकर दिन में तीन बार पिलाएं।
- बढ़ती उम्र के बच्चों को खजूर घी में भिगोकर खिलाएं। नियमित तौर पर खजूर खाने से वजन बढ़ने में एवं शरीर बलवान होने में मदद मिलती है। घी जोड़ों को स्नेहन दिलाता है तथा खारक हड्डियों को मजबूत करता है।
- ढलती उम्र के लोगों को खारक और गर्म दूध नियमित तौर पर लेने से शक्ति बढ़ती है। शरीर में नया खून बनता रहता है।

खजूर में पाए जाने वाले तत्व

विटामिन-ए से शरीर के अंग अच्छी तरह से विकसित होते हैं। विटामिन-बी हृदय के लिए लाभदायी होता है। इससे दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। भूख बढ़ती है। विटामिन-सी से शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है। टी.बी.रोगियों की दुर्बलता दूर कर, उन्हें बल प्रदान करता है। खजूर धातुवर्धक तथा कफनाशक है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 45

	4	21		7	5		
5			4 10				
16						3	4
	9 6				4 10		
7				6 3			
15						5	
3			6				
				3			

काकुरो 44 का हल

	4	7			3	27	
3	1	2	4	4 11	1	3	
22	3	4	1	5	2	7	11 16
	6	1	3	2	23 10	8	6 9
	4	10	28 11	3	4	9	5 7
17	3	6	5	1	2	6	18
7	1	4	2	3 7	1	2	4 16
		23	1	2	3	4	6 7
		4	3	1		17	8 9

संस्मरण

प्राइवेट टीचर

छुट्टी की घंटी बजते ही उस छोटे से स्कूल के छोटे से परिसर में एक अलग ही हलचल शुरू हो जाती थी। एक तरफ छोटे-छोटे कदम, रंग-बिरंगे बैग, आपस में टकराती हंसी और शोर, साथ ही सबसे पहले अपने अभिभावक तक पहुंचने की प्यारी सी नटखट होड़ होती थी। वहीं दूसरी तरफ अभिभावकों की बेचैन निगाहें, जो बच्चों की भीड़ में से अपने बच्चे को पाने के लिए बेताब होती थीं। दरअसल उनके बीच भी एक होड़ ही होती थी कि किसको अपना बच्चा पहले मिल जाए। यह दृश्य हुआ करता था मेरी बेटी अन्वी की पहली पाठशाला का। मैं इसे देखकर इतना रोमांचित हो जाता था कि बारंबार देखकर भी मेरा मन नहीं भरता था। चूंकि मैं खुद एक शिक्षक हूं, इसलिए कभी कभार ही, जब मैं संयोग से घर पर होता था, मुझे अपनी बेटी को छुट्टी के वक्त स्कूल से लाने का मौका मिलता था।

एक तरफ सौ से ज्यादा बच्चों की उतावलेपन से भरी चहचहाहट और दूसरी तरफ उतने ही अभिभावकों की बेचैन निगाहों के साथ उनके मुंह से अपने बच्चों का नाम लेकर गूंजती हुई आवाजें, इस दृश्य से कहीं ज्यादा जो मुझे आकर्षित और प्रभावित करता था, वो था धीरे-धीरे इस भीड़ के कम होने का खूबसूरत सा तरीका। दो तरफ की बेचैन भीड़ को बेहद कुशल, बल्कि अगर सच कहूं, तो बेहद स्मार्ट ढंग से मैनेज करके नियंत्रित रफ्तार से कम करते हुए और आखिर में खत्म करने का हुनर रखना सबके बस की बात नहीं होती।

शिशिर शुक्ला
साहित्यकार

यह चुनौतीपूर्ण कार्य, वो भी एक बेहतरीन ढंग से, स्कूल की ही एक शिक्षिका करती थीं, जिनको बच्चे 'कनिष्का मैम' कहकर बुलाया करते थे। खास बात तो ये थी कि किसी एक बच्चे को लेने कोई एक ही अभिभावक नहीं आता था, बच्चे के पापा, मम्मी, दादी, बाबा, चाचा, चाची, पड़ोसी इनमें से कोई भी किसी भी दिन छुट्टी के वक्त प्रकट हो सकता था, लेकिन अभिभावक के चेहरे पर नजर पड़ते ही बिना एक पल की देरी के बच्चे का नाम जुबान पर आ जाना, ये कनिष्का मैम का स्पेशल टैलेंट था। मैं अगर अपनी बात करूं, तो भाई मेरे पास तो एक ही अभिभावक रोज आए, तो भी मैं रोज उससे पूछूंगा कि "आप, किसे लेने आए हैं।" लेकिन कनिष्का मैम को मैंने कभी भूल से भी किसी अभिभावक से यह प्रश्न पूछते नहीं पाया। इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाते वक्त उनके स्टाइल में केवल दो ही स्टेप होते थे- एक अभिभावक का चेहरा देखना और दूसरा बच्चे का नाम बोल देना।

दरअसल अन्वी का पहला स्कूल नगर का ही एक छोटा सा स्कूल था, जो घर से बहुत ज्यादा दूर नहीं था। स्कूल इंग्लिश मीडियम था लेकिन केवल कक्षा पांच तक था। स्कूल में सभी शिक्षक महिला थीं। कम वेतन, सीमित संसाधन और छोटे-छोटे बच्चों की जिम्मेदारियों का पहाड़, लेकिन फिर भी उनमें से किसी के चेहरे पर कभी कोई तनाव या शिकन नहीं नजर आती थी।

कनिष्का मैम मेरी बेटी की पहली और सबसे पसंदीदा शिक्षिका थीं। मैंने अन्वी का एडमिशन नर्सरी क्लास में कराया था। धीरे-धीरे चार साल के वक्त ने मेरी नजरों के सामने ही मेरी बेटी को बड़ा करके कब सेकंड क्लास में पहुंचा दिया, मुझे खुद नहीं पता चला। टीचर वेतन पर ध्यान न देते हुए बच्चों को गढ़ने, तराशने और संवारने की जीतोड़ कोशिश, ये सब मैंने अपनी बेटी के पहले स्कूल में बड़ी खूबसूरती के साथ देखा था। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती प्रिया से सीखा जा सकता था कि परिवार और पाठशाला दोनों का बेहतरीन नेतृत्व एक साथ कैसे किया जाए। 30 किलोमीटर की दूरी से रोज आना जाना, 7 घंटे का समय पूरी सक्रियता के साथ स्कूल को देना और बचा हुआ समय परिवार को, इस व्यस्त दिनचर्या में भी उनका चेहरा हमेशा ऊर्जा और मुस्कान से खिला हुआ नजर आता था। स्कूल की सारी शिक्षिकाएं केवल क्लास में ही सक्रिय नहीं रहतीं, बल्कि हर एक एक्टिविटी और कार्यक्रम में उनके परिश्रम का एक अलग ही रूप दिख जाता था। चाहे पीटीएम हो या कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय पर्व हो या फिर कभी किसी बच्चे की तबीयत खराब हो, हर मौके पर सारी शिक्षिकाएं पूरी लगन से आगे खड़ी दिखतीं। स्कूल की वाइस प्रिंसिपल अनन्या मैम, अनूजा मैम, श्रद्धा मैम, खुशी मैम, कल्पना मैम और सारी टीचर सभी के स्वभाव में एक खास बात थी और वो थी बच्चों के प्रति अपनापन। समय-समय पर बच्चों को बाहर विजिट करवाना, तरह-तरह के खेल आयोजित करना, संगीत, नृत्य, कम्प्यूटर, नाटक कुछ भी ऐसा नहीं था, जो स्कूल में बच्चों को सिखाने का प्रयास न किया जाता हो। बच्चों की छुट्टी के बाद साथ बैठकर कॉपी चेक करना, अटेंडेंस रजिस्टर मेन्टेन करना, रिजल्ट शीट तैयार करना, काम तो बहुत सारे थे, लेकिन शिक्षिकाएं इनको हंसी-खुशी के माहौल में ही बखूबी पूरा कर देती थीं।

दिन यूं ही बीतते रहे। कक्षा नर्सरी से जूनियर केजी, फिर सीनियर केजी, फर्स्ट, सेकंड और अब आगे की तैयारी, लेकिन जिंदगी यहां पहुंचकर अब एक नया मोड़ ले चुकी थी। जल्द ही हम लोगों को शहर में अपने नए घर में शिफ्ट होना था। दूसरे शब्दों में कहूं तो मेरी बेटी का पहला स्कूल छूटने वाला था। यह सोचकर हम दोनों की आंखों में नमी उतर आई थी, क्योंकि चार साल के वक्त ने स्कूल के साथ एक अजीब सा, लेकिन बहुत गहरा रिश्ता जोड़ दिया था। आखिरकार वो दिन आया जब मेरी बेटी का सेकंड क्लास का रिजल्ट मिलना था, लेकिन इस बार का रिजल्ट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम हर बार से थोड़ा अलग था। स्कूल में कदम रखते ही मेरी बेटी की नजरें एक-एक करके हर उस क्लासरूम पर जा रही थीं, जिसमें वो कभी कुछ सीखने के लिए बैठी थी। वो हर उस टीचर को बार-बार देख रही थी, जिनसे सीखते-सीखते उसका बचपन समझदारी की गोद में बैठा था। वो उस छोटी सी जगह को देखकर भावुक हो जा रही थी, जहां वो असेंबली और खेल के लिए जाया करती थी। सब कुछ तो वही था, लेकिन आज मेरी बेटी अन्वी की मासूमियत को एक गहरी मायूसी ने ढक लिया था। आखिरकार प्रिंसिपल मैम ने अन्वी को रिजल्ट दिया। अब अन्वी की आंखों में आंसू छलकने लगे थे। रुंधे गले से उसने सिर्फ इतना कह पाई, "मैम, मैं आप लोगों के साथ एक फोटो लेना चाहती हूं।" यह सब देखकर अजीब सी भावनाएं मुझे भी अपने आगोश में लिए जा रही थीं। फोटो के बाद प्रिंसिपल और कनिष्का मैम ने मेरी बेटी को समझाते हुए कहा, "बेटा, कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है। तुम खूब पढ़ना और आगे बढ़ना।" यह कहते हुए हम लोग स्कूल के गेट पर आ गए थे। मेरी बेटी ने अपनी टीचर्स को दुःखी मन से नमस्ते किया और मेरे साथ स्कूटी पर बैठ गई। स्कूटी आगे बढ़ रही थी, लेकिन मेरी बेटी की नजरें पीछे मुड़कर अपने स्कूल को देखे जा रही थीं। न जाने क्यों ऐसा लग रहा था कि मानो उससे कुछ ऐसा छूट रहा हो, जिससे उसे बेहद प्यार था। घर आकर मैंने भी अपनी उदास बेटी को समझाने की कोशिश की। धीरे-धीरे हम लोग नए घर में शिफ्ट हो गए। मेरी बेटी को भी एक नया स्कूल और नया माहौल मिल गया।

अब मेरी बेटी बड़ी हो चुकी थी। उसकी पढ़ाई पूरी हो चुकी थी। ईश्वर की कृपा से एक अच्छी नौकरी पाने के बाद एक अच्छे घर में उसकी शादी तय हो चुकी थी। एक शाम, यूं ही हम लोग उस पुराने रास्ते से गुजरे। अचानक से मेरी नजर बाईं ओर गई। वही स्कूल, वही गेट, वही दीवारें। मेरी बेटी ने भी अपनी पहली पाठशाला को पहचान लिया था। "पापा यही मेरा पहला स्कूल था न?" उसके सवाल में उत्सुकता नहीं, स्मृतियां झलक रही थीं। मेरे और मेरी बेटी दोनों के मन में मानो एक साथ कई दृश्य उभर आए थे- अपना बैग लेकर बाहर निकलती छोटी सी अन्वी, उसकी पसंदीदा टीचर कनिष्का मैम की आवाज, छुट्टी की घंटी, शिक्षिकाओं की मुस्कान। हम दोनों एकटक स्कूल की तरफ देख रहे थे। स्कूल के बाहर उस वक्त भीड़ नहीं थी, मगर मुझे यकीन था कि अंदर वही समर्पण आज भी सांस ले रहा होगा। शायद कोई नई शिक्षिकाएं होंगी, नया बचपन होगा, मगर अपनेपन की भावना वही होगी। मैंने अन्वी से कहा- "बेटा, तुम आज जो कुछ भी हो, उसमें उन शिक्षिकाओं का बहुत बड़ा योगदान है, जो तुमको इस स्कूल में मिली थीं।" वह कुछ नहीं बोली और चुपचाप खिड़की से स्कूल को देखती रही।

कुछ पल बाद उसने कहा, "पापा, प्राइवेट टीचर होना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है न?" मैंने हां में सिर हिलाया। क्योंकि मैं जानता हूं कि कम वेतन, लंबा समय, समाज की अनदेखी, काम का बोझ, इन सबके बावजूद, जो बच्चों के लिए हर वक्त अपने चेहरे पर मुस्कान का लिबास ओढ़ लेता है, वो प्राइवेट टीचर है। गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। स्कूल पीछे छूट गया, लेकिन साथ चल पड़ीं कुछ प्यारी सी यादें। मुझे और मेरी बेटी को यकीन था कि स्कूल में आज भी छुट्टी की घंटी के बाद, कनिष्का मैम जैसी किसी शिक्षिका की आवाज गूंजती होगी- "अन्वी! क्लास सेकंड...प्लीज गो बेटा...।"

काव्य

पिता आलपिन-से

संघर्षों की कड़ी धूप में
पिता तपे दिन-से

जरूरतों की वर्ग पहेली
उलझी रही सदा
और हुईं इच्छाएं हावी
दिन भर यदा-कदा
सपनों की यह व्यथा-कथा
अब पिता कहें किन से

आंगन में जब अपनेपन की
तुलसी सूख गई
उसे देखकर नींद रात की
दिन की भूख गई
गीली आंखें रहे पोंछते
पिता नैपकिन-से

आने वाले कल को उजला
करने की खातिर
अनुशासन की फटी डायरी
सिलते हैं फिर-फिर
चुभते हैं पर जोड़े रखते
पिता आलपिन-से।

योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
वरिष्ठ गीतकार

पराभूत में विसर्जित

अरे क्रूरात्मा ! जरा सुन मेरी कहानी
अगर सुन सकता है तो
मां की कोख से जन्म लिया
धीरे-धीरे कदम-दर-कदम
बड़ी होती गई।
थोपी गईं वर्जनाएं अनेक
क्योंकि मैं एक लड़की हूं
पुरुष की जननी हूं, बहन हूं
एक प्रेमिका हूं और हूं तेरी पत्नी भी
नहीं रह सकती अपने अनुसार
शिक्षित हुई, रिश्तों में बांधी गई।
बातें थी बहुत अधिकारों की
छीने गए हक सारे अपने।
रिश्तों और अधिकारों को तोला
मैंने जब यथार्थ की तराजू में,
सहसा टूट गई डोरी तराजू की
कभी सोचा क्या तूने ?

जहां भी देखा सवार हो गया
रूप एक वहशियाने का
अस्मिता को कर दिया चीर-चीर
क्या नहीं हुई मानसिकता
तेरी छिन्न-भिन्न?
इतना सब कुछ सहती फिर भी
स्नेह और ममता का दरिया बहाती
स्वयं को रिक्तता से भरती होती
और शेष होती पराभूत में विसर्जित।

अलका गुप्ता
बरेली

आदमियत

आदमी की जात पर मढ़ जाए
चाहे जितने रंग
घाट शाको के सफर में गुंथ
जाए चाहे जितने रंग
चलता रहे चढ़ना उतरना पर
भाव इतना बचना चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

आज सितारों की है बुलंदी
कल करेंगे शायद यही
ठिठोली
फितरत बहारों की रही यहां
कभी खफा तो कभी रजा
गुमान हो या गुमनामियां पर
हया इतनी बचनी चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

भावों की शून्यता और जर्जरता
को भरेगी यंत्र की बर्बरता
कोपले भक्षण करेगी जो
लहू का किस शाक फलेगी
मनुष्यता
पत्थरों में फूल खिलाने की
नियत इतनी बचनी चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

वक्त ले निष्ठाओं की परीक्षा
जो हो हमीं जिसकी सभ्यता
को प्रतीक्षा
दुष्टता के घाट जब मूल्यों की
अर्थिया टिमटिमाते रहे तब भी
बस एक दिया

युद्ध ही रह जाए, जो अंतिम
विकल्प
तब इतनी तासीर लहू की
चाहिए कि
आदमियत जिंदा रहनी चाहिए

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

लघुकथा

संतोष धन

रामधन नाम था उसका। बेहद सीधा साधा, अपना काम मेहनत व ईमानदारी से करने वाला और ईश्वर से डरने वाला। वह मेरे गांव का रहने वाला था और शहर के यूपीटी होटल में माली का काम करता था। सुबह आठ बजे तक वह ड्यूटी के लिए घर से निकल लेता और फिर सात बजे वापस लौटता। वह अक्सर दवा लेने मेरे दुकान पर आता था। जब भी आता, मेरे बिना पूछे अपना हालचाल विस्तार से बताता मुझे। धीरे-धीरे मुझे उसकी बाते सुनने में आनंद आने लगा था। उसका संतोषी स्वभाव मुझे बहुत आकर्षित करता था। महीने में जिस दिन उसे तनख्वाह मिलती, उस दिन वह मेरी दुकान पर जरूर आता अपना महीने भर का बकाया चुकाने।

मेरे पैसे तो देता ही, अपने पूरे वेतन को किस किस मद में खर्च करना है, उसका हिसाब भी मुझे बताता जाता, "भईया तीन हजार मिलत है, अउर दिन मा खाना वही होटल मा खाय लेयित हय चाय पानी तव जब चाही मिल जात हय। अब जायित है सब्जी वाले कै पांच सौ है बकाया वहका देई, अउर किराना वाले गुप्ता के सात सौ है, वह का निपटाए देई गांव मा मिसिर के दुकान पर भी दुय सौ रुपया उधार हय, अरे संझा सवेरे लड़िकवय टाफी बिस्कुट नमकीन खरीदा करत हय, हमहुं रोकित नाही है भईया। अब बाप केरे राज मा न खाय लेहे, तब कब खैहय सबका दिहे केरे बाद मा हजार रुपया जव हमरे जेब मा परा रही, तव कौनव फिकिर न रही हमका।"

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

एक शाम होटल से लौटते वक्त वह दवा लेने मेरी दुकान पर आया, तो बहुत खुश था, मैने हालचाल पूछा, तो बोला, "भईया आज होटल मा एक बड़ा साहेब बहुतय बड़ी गाड़ी से आए रहा, गड़ियां खूब धुरियान रही, तव हम सोचेंन साफ कय देई, कपड़ा उठाक लागेन साफ करय। पांच मिनट मा गाड़ी चमकाए दिहन। तब तक साहेब निकल परे, अव बहुत खुश भए। तुरंतय जेब से निकार कय सौ रुपया हमका दिहिन और कहिन जाओ मिठाई खा लेना।"

उसने वो नोट निकालकर मुझे दिखाया और फिर बोला , "महिना मा दुइ चार सौ ऐसव मिल जात है। अब जायित है खरीदब केला अव सेव (सेब), दुइ दिन लड़िकये खाय ले हय" आत्मसंतोष से भरा वह तो फल के ठेले की ओर चला गया था, पर मेरे लिए एक प्रश्न छोड़ गया लाख रुपए से ऊपर वेतन पाने के बावजूद मेरे कई मित्र हर वक्त बस प्रमोशन, इंक्रीमेंट, पेंशन में ही अपना सिर क्यों खपाते रहते है? क्या अनपढ़ रामधन उन सबके लिए अच्छा मेंटोर साबित हो सकता है शायद हां, शायद नहीं !

अंगूरी

भोली-भाली अंगूरी अमृता से पूछती है- "क्या पढ़ रही हो, बीवी जी?" अमृता इस बात का उत्तर न देकर उल्टे उससे प्रतिप्रश्न कर बैठती है-तुम पढ़ोगी? जानती हैं कि उस अनपढ़ गंवार को-क्या पढ़ा जा रहा है-बताने का कोई फायदा नहीं। शायद अमृता इस समय 'मेटामॉर्फोसिस' पढ़ रहीं हों। अंगूरी कहां समझ पाएगी कि एक दिन एक आदमी सोकर सुबह उठता है और पाता है कि वह एक विशालकाय, कई पैरों वाले, भद्दे से कीड़े में बदल गया है। ये तो वह बिल्कुल भी समझा नहीं पातीं कि मेटामॉर्फोसिस के बाद भी इस आदमी की सबसे बड़ी चिंता यह है कि वह आज काम पर समय से कैसे पहुंच पाएगा?

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका, लखनऊ

अंगूरी कहती है-"औरत को पाप लगता है पढ़ने से।" कितना सही कहती है। सारे पाप औरत के हिस्से पढ़ने के बाद ही तो आए। पहले कम उम्र ब्याह हो जाता था, मां-बाबा कह देते थे, अब तेरी अर्थी ही निकलेगी ससुराल से, तो मान लिया। खाना जितना स्वादिष्ट बना ले, उतनी योग्य बहू। घर जितना अच्छे से संभाल ले, उतनी दक्ष बहू। फिर लड़की ने पढ़ना सीखा और बस उसी क्षण से पापिन हो गई। कितना अडोल है अंगूरी का विश्वास-लड़की तभी प्रेम में पड़ती है, जब उसे 'जंगली बूटी' धोखे से खिला दी जाती है। अन्यथा लड़की के पास इतनी हिम्मत कहां कि वह मां-पिता की इच्छा के विरुद्ध वर चुनने की जुर्रत करे, जिससे मां-बाप बुरा मान जाएं, भला उससे प्रेम कैसे हो सकता है? अंगूरी, जो एक झांझर पैरों में पहनी होती थी, एक हंसी में। वो अंगूरी पहले जब आया करती थी, तो छन-छन करती, बीस गज दूर से ही उसके आने की आवाज सुनाई दे जाती थी, पर आज जब अमृता के पास नीम के पेड़ के नीचे आ खड़ी हुई, तो उसके पैरों की झांझरें भी पता नहीं कहां खोई हुई थीं। बड़े धीमे से उसने अनुग्रह किया-मेरा नाम लिखना सिखा दो। अमृता ने पूछा-खत लिखोगी किसी को? अंगूरी ने एक चुप धर ली होंठों पर। एक अपराध कर चुकी थी अंगूरी-अपने से दुगुनी-तिगुनी उम्र वाले की ब्याहता होने के बाद भी किसी अन्य के प्रेम की मजूरी। लाख कसम खाए कि उसके हाथ से न कभी मिठाई खाई, न कभी पान, जाने कैसे उसने जंगली बूटी खिला दी। सिर्फ चाय साथ पीते थे, जाने चाय में...

अब दूसरा पाप भी कर ले, तो क्या बुरा है, लिखना-पढ़ना सीख जाए। पर अंगूरी ने ये कहां कहा कि उसे लिखना-पढ़ना सीखना है, उसने तो कहा- नाम लिखना सिखा दो। क्या अंगूरी को अंदेशा है, इहलोक में या परलोक में या किसी लोक में, इस पाप के इकरारनामे पर उसे हस्ताक्षर करने होंगे? और हस्ताक्षर तो एक पापिन ही कर सकती है। इतना मेटामॉर्फोसिस तो समझती ही है भोली-भाली अंगूरी।

भगत केवल बम और बंदूक नहीं

समीक्षा

शहीद भगत सिंह पर इतना कुछ लिखा जा चुका है, उसके बाद भी लेखक ने इस पुस्तक को इतने सुंदर ढंग से संपादित किया है कि पाठकों को भगत सिंह के बारे में बहुत कुछ नया और नए ढंग से पढ़ने को मिलता है। ऐतिहासिक पुस्तक के लेखन में प्रामाणिकता, रोचकता और सरल प्रस्तुतीकरण महत्वपूर्ण मापदंड होते हैं। यह पुस्तक इन तीनों मापदंडों पर पूर्णतः खरी उतरती है।

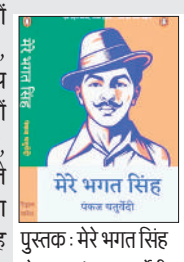

पुस्तक : मेरे भगत सिंह
लेखक : पंकज चतुर्वेदी
पृष्ठ : 324,
मूल्य : 350.00
प्रकाशन : पेंगुइन स्वदेश, नई दिल्ली
समीक्षक :अनुज मिश्रा, पीलीभीत

लेखक ने भगत सिंह को संपूर्णता में प्रस्तुत करने का सफल प्रयास किया है। उनके बचपन के बारे में उनकी माता जी शिक्षक और मित्रों के द्वारा एक समग्र चित्र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उनका बचपन भी आम मध्यमवर्गीय बालक की तरह ही बीता है। वे आम बालकों की तरह ही हर तरह की शरारतें करते थे, सिनेमा देखते थे गीत गाते थे, अभिनय करते थे, लेकिन इस सबके साथ ही वे अपने देश से अगाध प्रेम करते थे। लेखक ने भगत सिंह के मित्रों बटुकेश्वर दत्त, भगवानदास माहौर, विजय कुमार सिन्हा, यशपाल, जयदेव कपूर, शिव वर्मा, दुर्गा भाभी, अजय कुमार घोष आदि के द्वारा भगत सिंह की आजादी के प्रति दीवानगी, त्याग और संघर्ष का चित्रात्मक और हृदयस्पर्शी वर्णन किया है, जिसे पढ़कर सहृदय पाठक भावुक हुए बिना रह नहीं सकते। इस पुस्तक में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जो ये प्रमाणित करते हैं कि भगत सिंह को मृत्यु का लेशमात्र भय नहीं था और वे मृत्यु के बाद उनके देश और उनके साथियों का क्या होगा इसकी ही चिंता करते दिखाई देते हैं। लेखक ने भगत सिंह के गहन अध्ययन और क्रांति की अत्यंत गहरी वैचारिक समझ को भी बड़े प्रामाणिक ढंग से विश्लेषित किया है। इस पुस्तक में लेखक ने गांधी, नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, जिन्ना, मदन मोहन मालवीय डॉ. आंबेडकर आदि नेताओं के भगत सिंह के बारे में क्या विचार थे को स्पष्ट रूप से विश्लेषित किया है। यह पुस्तक भगत सिंह की फांसी के बाद भारत और वैश्विक मीडिया की राय को भी सिलसिलेवार ढंग से प्रस्तुत करती है और तत्कालीन समय में उस 23 वर्षीय अद्भुत नवयुवक के कद को भी दर्शाती है, जो लोग शहीद भगत सिंह के इतिहास को साहित्यिक आस्वाद के साथ पढ़ना चाहते हैं, उन्हें इस पुस्तक को अवश्य पढ़ना चाहिए।

व्यंग्य

बजट और बंटू ब्लॉगर

रविवार को बजट पेश होने के बाद यूट्यूबर बंटू ब्लॉगर आम आदमी की राय जानने मोबाइल और माइक लेकर मुंह उठाकर निकल पड़े। चौराहे की चाय दुकान पर बीड़ी सुलगाते हुए एक बुजुर्ग पर उनकी नजर पड़ गई। मोबाइल फोन का फ्रंट कैमरा ऑन कर उन्होंने अपनी यूट्यूबिया दुकान सजा दी। "नमस्कार! हम 'बात का बतंगड़' चैनल से बंटू विद्रोही। आज फरवरी का पहला रविवार है। जब माघ पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर वार्षिक बजट की नौका पर सवार हो चुके हैं, कैसा है आम बजट? जनता-जनार्दन के विचारों से रूबरू करवाते हैं। हमारे सामने बीड़ी से धुआं उगलते एक सम्मानित शख्स हैं। आइए, जानते हैं बजट पर इनकी राय। नमस्कार चाचा, हम 'बात का बतंगड़' चैनल से" "बाबू, किस पार्टी का चैनल है?" चाचा ने बीच में टोका। "अरे चच्चा, हमारा निजी और पुराना चैनल है-शत-प्रतिशत आत्मनिर्भर!" बंटू ने स्पष्ट किया।

"कितने सब्सक्राइबर हैं बाबू?" इस प्रश्न पर बंटू बगले झांकते हुए धीरे से बोला, "अरे चाचा, अभी स्ट्रगलिंग रिपोर्टर हूं। फिलहाल कोई चार-पांच सब्सक्राइबर हैं। दरअसल वायरल नहीं हुए हैं अब तक! खैर, आप हमारा छोड़िए और बजट के बारे में कुछ बताइए।"

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

बंटू के सवाल पर चाचा बिफर पड़े- "देखो बबुआ, हमारा नाम है बंगाली मंडल। हम खांटी गांधीवादी हैं। गांधी जी कहते थे-बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो। सो हम बुरा बोलने के पक्षधर नहीं हैं।" "अरे बंगाली चाचा, मैं बजट के बारे में बोलने के लिए कह रहा हूं, बुरा बोलने के लिए नहीं।" " हां, मैं भी वहीं कह रहा हूं-बजट के बारे में मेरे मुंह से बुरा मत बुलवाओ। आम बजट, अलुआ बजट! यह बजट-गजट सब अमीरों के चोंचले हैं।" "ऐसा क्यों कह रहे हैं? बजट में आम आदमी का भी ध्यान रखा गया है। उदाहरण के लिए, आप जो बीड़ी पी रहे हैं, वह तो सस्ती कर दी गई है।"

"देखो, हमारा भेजा खराब मत करो। पहले मैं सिगरेट पीता था, लेकिन बजट और औकात से बाहर होने की स्थिति में आज से बीड़ी से काम चलाना पड़ रहा है। वैश्विक उदारीकरण के बाद से अब तक के बजटों में सरकार ने सबसे ज्यादा शोषण तंबाकू सेवन करने वालों का ही किया है। जब से होश संभाला और हाथ में सिगरेट पकड़ी, तब से 'वैधानिक चेतावनी' वाले उत्पादों की कीमतों में उछाल ही देखा है। इतिहास साक्षी है-हर बार तंबाकू की कीमत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ताओं की ओर से कभी कोई विरोध का स्वर नहीं उठा।"

"ओह, सॉरी अंकल! मैं आपके तंबाकू प्रेम को समझ सकता हूं, लेकिन टीसीएस दो प्रतिशत कर दिया गया है।" "यह क्या होता है?" "अंकल, विदेशी टूर पैकेज और विदेशी वस्तुएं सस्ती हो गई हैं।" "अरे, हम बचपन से अब तक गृह जिला मुंगेर से परबत्ता (ससुराल) के अलावा पटना तक नहीं गए और तुम विदेश यात्रा की बात कर रहे हो। दूसरी बात, हमने पहले ही बताया कि हम प्योर गांधीवादी हैं। स्वदेशी छोड़कर विदेशी उत्पाद क्यों खरीदें? अगर बजट में स्वदेशी वस्तुएं सस्ती होतीं, तो हम भी लाभ उठाते।" चाचा तुनकते हुए बोले। "पर चाचा, प्रत्येक जिले में लड़कियों के लिए छात्रावास का भी प्रावधान किया गया है।" "बकलोल रिपोर्टर हो क्या जी! यहां लैंगिक भेदभाव दिखाई नहीं देता तुमको? लड़कियों के लिए छात्रावास खुलना अच्छी बात है, लेकिन लड़के क्या फुटपाथ पर रहेंगे?" "अरे चाचा, भड़क क्यों रहे हैं? सात हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर की घोषणा की गई है, यह तो विकास का द्योतक है।"

"पहले जो ट्रेनें चल रही हैं, उन्हें तो समय पर चलवा लो मुन्ना। बैठने की समुचित व्यवस्था तो कर दो। कभी मुंगेर-महेशखूंट पैसेंजर ट्रेन में सफर किए हो? चालीस किलोमीटर की दूरी को तीन घंटे में तय कराते हैं। इंटरसिटी एक्सप्रेस हटाकर चौगुना किराए वाली वंदे भारत ले आए, जैसे ट्रेन उड़कर गंतव्य तक पहुंच रही हो, बड़ा आए विकास की बात करने!" "आप भी न, चाचा! विपक्षी दल के नेता की तरह बात कर रहे हैं। पशु चिकित्सा पर भी फोकस किया गया है। वाराणसी और पटना में शिप मरम्मत कार्य देखा जाएगा।" "अरे, पशु और निर्जीव की चिंता है, लेकिन आम जीवन का क्या?" "कैसी बात करते हैं, चाचा! कैंसर की दवाएं तो इस बार भी सस्ती कर दी गई हैं।" "मारेंगे मुक्का, मोबाइल समेत नाचते हुए गिर जाओगे! एकदम से झंडू यूट्यूबर हो! अरे, साजिश समझ नहीं आती क्या? कैंसर कब होता है? शराब और सिगरेट पीने से! शराब-सिगरेट की कीमत तो बढ़ा दी, अब लोग कम पीएंगे या पीएंगे ही नहीं। और जब पीएंगे ही नहीं तो कैंसर होने से रहा, तो दवा सस्ती हो या महंगी-घंटा फर्क पड़ता है! हटो, मूड खराब कर दिया। अरे, लाओ सिकरेट नहीं, बीड़ी रे!" बजट से आहत बंगाली मंडल का मूड देखकर बंटू मोबाइल, माइक और मुंह समेटकर खिसक गया।

मातृत्व
अधिकार नहीं, एक गहरी अनुभूति

मनुष्य का जीवन हमेशा से दो विपरीत ध्रुवों के बीच झूलता आया है। एक ओर नियति की निष्ठुर सीमाएं और दूसरी ओर विज्ञान का साहसिक विस्तार। कभी समय ऐसे प्रश्न खड़े करता है, जिनके उत्तर खोजने में जीवन की पूरी परिभाषा बदल जाती है। मातृत्व भी ऐसा ही एक प्रश्न है। मातृत्व एक योजना नहीं, एक अनुभूति, एक अधिकार नहीं, एक आंतरिक तृप्ति, एक भूमिका नहीं, बल्कि अस्तित्व की सबसे कोमल, सबसे तप्त परत है। किसी स्त्री की बांहों में जब नवजीवन का भार नहीं उतर पाता, तो भीतर कहीं बहुत गहरी, बहुत धीमी और बहुत पुरानी वेदना आहिस्ता-आहिस्ता फैलने लगती है। उसी वेदना को विज्ञान ने छुआ और सरोगेसी नाम की संभावना जन्मी।

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

विज्ञान, संवेदना और समाज

सरोगेसी, केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, यह नियति को चुनौती देने वाला मानवीय साहस है, जो कोख को एक नए अर्थ में बदल देता है। यह वह क्षण है जहां विज्ञान, संवेदना और समाज-तीनों की कड़ी परीक्षा होती है। इसी संगम में कई कहानियां जन्म लेती हैं-करुणा की, उम्मीद की, संघर्ष की और कभी-कभी अंतर्द्वंद की भी, लेकिन हर कहानी के भीतर एक प्रश्न धड़कता रहता है, क्या मातृत्व को किसी दूसरी देह में रोपा जा सकता है? क्या जन्म का रिश्ता रक्त से ज्यादा करुणा का होता है? सबसे कठिन प्रश्न-क्या सरोगेसी कोई लेन-देन है या यह किसी स्त्री की मनुष्यता का सबसे उजला पक्ष?

वेदना से जन्मी संभावना

भारत में सरोगेसी की यात्रा बहुत लंबी है। पुराने समय में यह कल्पना का हिस्सा भर थी कि कोई दूसरी स्त्री किसी और की संतान को जन्म दे सकती है। पर आज यह कल्पना वास्तविकता का चेहरा बन चुकी है। विज्ञान ने वही किया, जो वह सदियों से करता आया है। मानव जीवन की असंभवताओं को संभव बनाना,लेकिन विज्ञान कभी अपने आप में पूर्ण समाधान नहीं होता, समाधान तो तब मिलता है, जब समाज उसकी प्रक्रियाओं को संवेदना के साथ स्वीकार करता है। सरोगेसी इसी स्वीकार्यता की अग्निपरीक्षा रही है।

मातृत्व की परिभाषा

अंततः मातृत्व की परिभाषा वही नहीं रह गई, जो सदियों पहले थी। वह आज जैविकता से कहीं आगे बढ़ गई है-वह इच्छाओं, अधिकारों, विज्ञान, करुणा और मानवीय मूल्य का सम्मिलन है। सरोगेसी इस नई परिभाषा का स्वाभाविक विस्तार है। यह वह क्षण है जब नियति और विज्ञान एक-दूसरे को नहीं काटते, बल्कि मिलकर एक नया जीवन संभव बनाते हैं, जब कोई नवजीवन दुनिया में आता है, तो उसकी पहली सांस यह नहीं पूछती कि उसे किस कोख ने पाला और किस बांह ने अपनाया, वह केवल यह बताती है कि जीवन किसी की जायदाद नहीं होता। वह उस प्रेम का परिणाम होता है, जो किसी न किसी रूप में जन्म लेना चाहता है।

सरोगेसी इसी प्रेम की वह अनोखी यात्रा है, जहां किसी की कोख, किसी की इच्छा, किसी की नियति और किसी का विज्ञान मिलकर वह चमत्कार रचते हैं, जिसे दुनिया 'जन्म' कहती है, जिसके भीतर छुपी अनगिनत कहानियां सिर्फ वही समझ सकता है, जिसने कभी मातृत्व के स्पर्श को अपने हृदय के सबसे भीतर महसूस किया हो।

चिकित्सा से आगे मानवीय साहस

मातृत्व की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह किसी भाषा, किसी कानून, किसी देश से बंधा नहीं रहता। वह एक आंतरिक पुल है-देह और आत्मा के बीच, स्त्री और जीवन के बीच, जब यह पुल किसी स्त्री के भीतर बन ही न सके, तब विज्ञान उसके लिए रास्ता बनाता है। सरोगेसी इसीलिए केवल 'प्रक्रिया' नहीं है। यह वह द्वार है, जिससे होकर कई अधूरे जीवन पूर्णता की ओर बढ़ते हैं। फिर भी यह द्वार जितना उजला दिखता है, उतना ही जटिल भी है। उस जटिलता का कारण है-एक स्त्री की कोख, दूसरी स्त्री का दर्द, तीसरे पक्ष की आशाएं और समाज की सदियों पुरानी धारणाएं।

मातृत्व के प्रश्न : देह, करुणा और संबंध

बहुत से दंपत्ति ऐसे हैं, जिनके घर वर्षों से सूने पड़े हैं। उनकी सुबहें किसी के रोने की आवाज से नहीं गूंजतीं और रातें किसी छोटे हाथ के स्पर्श के बिना बीतती हैं। ऐसे लोग सरोगेसी को एक वरदान की तरह देखते हैं। उनके लिए यह विज्ञान का सबसे सुंदर उपहार है-एक उम्मीद, एक जीवन का संकेत, एक भविष्य की रोशनी। इस सुंदरता के भीतर कुछ दर्द भी छिपे हैं, जिनका सामना सरोगेट मां करती है-वह स्त्री जिसका नाम अक्सर जाने बिना, जिसने शायद दुनिया को मातृत्व का सबसे कठिन, सबसे उदार रूप दिखाया है।

भारत में सरोगेसी : कल्पना से यथार्थ

वह अपनी सिर्फ कोख ही उधार नहीं देती, नौ महीनों का श्रम, अपनी भावनाओं का अनुशासन, अपने शरीर का त्याग और जीवन को जन्म देने की वह पीड़ा, जिसे शब्दों में कैद नहीं किया जा सकता। सरोगेसी में सबसे कठिन काम गर्भ धारण करना नहीं है, बल्कि गर्भ से जन्मे जीवन को अपने से अलग कर देना है। यह त्याग है और त्याग हमेशा साधारण नहीं होता, वह एक युद्ध होता है। कई सरोगेट मांएं अपने भीतर उस बच्चे की धड़कन महसूस करती हैं, उसे संभालती हैं, अपने रक्त से सींचती हैं, उसे अपनी सांसों से पोषित करती हैं और फिर एक दिन उसे उन लोगों के हाथों में सौंप देती हैं, जिनका वह जैविक रूप से होता है। वे आंसू सिर्फ दुख के नहीं होते, वे उस करुणा के प्रतीक होते हैं, जिसे दुनिया अक्सर समझ ही नहीं पाती।

विज्ञान तब पूर्ण होता है, जब समाज स्वीकार करे

इस त्याग को समाज हमेशा उसी आदर की दृष्टि से नहीं देखता। बहुत से लोग इसे 'किराए की कोख' कहकर छोटा कर देते हैं। यह शब्द जितना कठोर है, उतना ही गलत भी। क्योंकि कोख कोई खाली कमरा नहीं है, जिसे किराए पर दे दिया जाए। कोख वह जगह है, जहां जीवन पलता है, जहां पहला स्पर्श मिलता है, जहां अस्तित्व की मिट्टी गुंथती है। इसे किराया कहकर हम उस भावनात्मक श्रम को नकार देते हैं, जो एक स्त्री समर्पित करती है। सरोगेसी की आलोचना के पीछे यही असंवेदनशील दृष्टि बहुत बार छिपी मिलती है।

मातृत्व : देह और आत्मा के बीच पुल

हर समाज में दो तरह की सच्चाइयां होती हैं। एक वह जिसे हम देखना चाहते हैं और एक वह जिसे हम छिपा देना चाहते हैं। सरोगेसी में भी यही दो परतें हैं। एक तरफ वह परिवार है, जो वर्षों से बच्चे के लिए तरस रहा है, दूसरी तरफ वह स्त्री है, जो अपने परिवार की आर्थिक मजबूरियों के चलते सरोगेट बनती है। दोनों अपनी-अपनी जगह सही हैं। एक को मातृत्व चाहिए, दूसरे को जीविका, एक को भविष्य चाहिए, दूसरे को वर्तमान बचाना होता है। फिर भी इस संबंध में असमानता का भाव बना रहता है। यह असमानता आर्थिक भी है और सामाजिक भी।

कोख से आगे : नौ महीनों का समर्पण

फिर भी, सरोगेसी एक ऐसा विषय है जिसके चारों ओर कई प्रकार की बहसें हैं-नैतिक, सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक। पर इन बहसों के केंद्र में एक प्रश्न हमेशा छिपा रहता है-क्या बच्चा जन्म देने वाली स्त्री को केवल एक 'माध्यम' मानना उचित है? इसका उत्तर "नहीं" है-क्योंकि मां होना केवल जैविक घटना नहीं है, यह एक भावनात्मक ऊर्जा है। और यही कारण है कि सरोगेसी में भावनाओं का संतुलन सबसे कठिन कार्य होता है।

समय बदल रहा है। विज्ञान आगे बढ़ रहा है। समाज की धारणाएं धीरे-धीरे रूपांतरित हो रही हैं। आज सरोगेसी को केवल सहानुभूति की दृष्टि से नहीं देखा जाता, इसे समझने की आवश्यकता है-उस गहराई में जहां एक स्त्री, एक परिवार और एक नवजीवन तीनों अपनी जगह खोज रहे हैं। सरोगेसी कोई विवाद नहीं, यह एक संवेदनात्मक पुल है जो कई टूटे हुए सपनों को जोड़ता है।

अधूरे जीवनों के लिए एक द्वार

समस्या तब नहीं होती, जब सरोगेसी करुणा और समझदारी से की जाए, समस्या तब होती है, जब इसमें व्यापार की गंध आने लगे। कई बार सरोगेसी को एक 'उद्योग' की तरह देखा जाने लगा है। यह भय का कारण भी है और चिंता का विषय भी। जिस प्रक्रिया में जीवन का जन्म हो रहा हो, वहां शुद्ध आर्थिक लेन-देन का भाव आ जाए, तो वह मानवीय मूल्यों को कमजोर कर देता है। यही वह बिंदु है, जहां कानून को हस्तक्षेप करना पड़ता है और भारत ने इस दिशा में कदम भी उठाए हैं।

कानून जितना शरीर की सुरक्षा कर सकता है, उतना हृदय की पीड़ा या संवेदना का नहीं। यह तो समाज के हाथ में है कि वह सरोगेसी को कैसे देखता है। शोषण के रूप में या करुणा के रूप में, मजबूरी के रूप में या उदारता के। यही सामाजिक दृष्टि सबसे बड़ा प्रश्न है।

उजाले के भीतर छिपी जटिलताएं

सरोगेसी किसी एक कहानी से नहीं बनती, हजारों कहानियां इसकी रीढ़ हैं। एक कहानी उस दंपत्ति की है, जिनकी शादी के दस साल बाद भी घर में बच्चे की खिलखिलाहट नहीं गूंजी। डॉक्टरों, इलाजों और आशंकाओं के बाद जब सारी उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं, तभी सरोगेसी उनके लिए एक नया रास्ता लेकर आई। उनका बच्चा जब पैदा हुआ, तो उनकी आंखें उस भावना से भर गईं, जिसे वे वर्षों से खोज रहे थे। उनके लिए यह विज्ञान और नियति दोनों की मिली-जुली कृपा थी।

सूने घरों की सबसे बड़ी उम्मीद

एक दूसरी कहानी सरोगेट मां की है, जो अपने दो बच्चों का भविष्य संवारने के लिए इस प्रक्रिया का हिस्सा बनी। उसने अपने भीतर नौ महीने एक ऐसा जीवन पाला, जिसका वह मां होते हुए भी मां नहीं थी। पर उस दिन जब उसने बच्चे को जन्म दिया और उसे उसके माता-पिता की बांहों में जाते देखा, तो उसकी आंखों में विचित्र मिश्रित भाव थे-बिछोह भी, संतोष भी और कहीं गहराई में एक गर्व भी कि उसने किसी अधूरे जीवन को पूर्णता दी।

सरोगेट मां : त्याग की मौन नायिका

समाज इन दोनों कहानियों को एक-दूसरे से अलग समझता है, जबकि दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरी हैं। सरोगेसी उन भावनाओं की कड़ी है, जो नियति और विज्ञान के बीच पुल बनाती है। यह संबंध किसी एक के दुख को दूसरे की आशा से जोड़ता है। यहां कोई विजेता या पराजित नहीं होता, सिर्फ दो दिल होते हैं, जो जीवन की एक साझा धड़कन को जन्म देते हैं।

बच्चों की फिटनेस के लिए अहम फिजिकल एक्टिविटी

अक्सर भारतीय समाज में यह धारणा देखने को मिलती है कि एक्सरसाइज या वर्कआउट केवल वयस्कों और बुजुर्गों के लिए जरूरी होता है। बच्चों के संदर्भ में माना जाता है कि पढ़ाई ही उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और खेल-कूद या शारीरिक गतिविधियां समय की बर्बादी हैं, लेकिन आधुनिक शोध और विशेषज्ञों की राय इस सोच को पूरी तरह खारिज करती है। आज यह स्पष्ट हो चुका है कि बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक विकास के लिए भी एक्सरसाइज उतनी ही जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, थोड़ी-सी नियमित एक्सरसाइज भी बच्चों की याददाश्त, एकाग्रता और सीखने की क्षमता को बेहतर बना सकती है। यह अध्ययन उन माता-पिता और शिक्षकों के लिए आंख खोलने वाला है, जो बच्चों की दिनचर्या से खेल और फिजिकल एक्टिविटी को धीरे-धीरे बाहर कर चुके हैं।

बदलती जीवनशैली और सेहत

आज के डिजिटल युग में बच्चों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है। मोबाइल फोन, टैबलेट, ऑनलाइन क्लासेस और वीडियो गेम्स ने बच्चों की शारीरिक गतिविधियों को काफी हद तक सीमित कर दिया है। पहले जहां बच्चे घंटों बाहर खेलते थे, वहीं अब उनका ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बीतता है। इसका सीधा असर न केवल उनके शरीर पर पड़ रहा है, बल्कि उनके दिमाग पर भी दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि शारीरिक निष्क्रियता बच्चों में चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी, याद्दाश्त कमजोर होना और पढ़ाई में रुचि घटने जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती है। ऐसे में एक्सरसाइज बच्चों के लिए केवल फिटनेस का साधन नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने का भी एक प्रभावी उपाय बनकर सामने आई है।

बच्चों के लिए कैसी हो एक्सरसाइज

बच्चों के लिए एक्सरसाइज का मतलब जिम में भारी वजन उठाना या कठिन ट्रेनिंग करना नहीं है। दरअसल बच्चे स्वाभाविक रूप से काफी एक्टिव होते हैं। दौड़ना, कूदना, खेलना, साइकिल चलाना, तैरना या दोस्तों के साथ आउटडोर गेम्स खेलना, ये सभी गतिविधियां एक्सरसाइज का ही रूप हैं। हालांकि हालिया अध्ययन में यह भी सामने आया है कि हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकती है। यह एक ऐसा वर्कआउट होता है, जिसमें कम समय में ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, सप्ताह में कुछ दिन केवल 10 मिनट का हाई इंटेंसिटी सेशन बच्चों के दिमागी विकास में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

क्या कहती है स्टडी

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड के शोधकर्ताओं द्वारा की गई। इस स्टडी में 7 से 13 साल की उम्र के 318 बच्चों को शामिल किया गया। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि नियमित एरोबिक एक्सरसाइज बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं पर किस तरह का प्रभाव डालती है। छह हफ्तों तक चले इस शोध में बच्चों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को प्लेसिबो ग्रुप के रूप में रखा गया, जबकि दूसरे समूह को रोजाना हाई इंटेंसिटी वर्कआउट सेशन में शामिल किया गया। दोनों समूहों के बच्चों को याद्दाश्त, ध्यान और सोचने की क्षमता से जुड़े विभिन्न टास्क दिए गए, जिनका समय-समय पर मूल्यांकन किया गया।

क्या कहते हैं स्टडी के नतीजे

स्टडी के अंत में यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि जिन बच्चों ने नियमित रूप से हाई इंटेंसिटी वर्कआउट किया था, उन्होंने मानसिक परीक्षणों में बेहतर प्रदर्शन किया। उनकी एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और सीखने की गति में सुधार देखने को मिला। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि एक्सरसाइज को दिमाग तेज करने का एकमात्र उपाय नहीं माना जाना चाहिए। मानसिक विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें सही वातावरण, भावनात्मक समर्थन, संतुलित आहार और अच्छी नींद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक्सरसाइज और दिमाग का संबंध

वैज्ञानिकों के अनुसार, एक्सरसाइज करने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे न्यूरॉन्स को अधिक ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते हैं। इसके अलावा, शारीरिक गतिविधि से ऐसे हार्मोन निकलते हैं, जो तनाव को कम करते हैं और मूड को बेहतर बनाते हैं। यही कारण है कि नियमित एक्सरसाइज करने वाले बच्चों में आत्मविश्वास अधिक होता है और वे मानसिक रूप से ज्यादा स्थिर रहते हैं।

दिमागी शक्ति बढ़ाने के अन्य प्रभावी तरीके

केवल एक्सरसाइज ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य आदतें भी बच्चों की मानसिक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

- मेडिटेशन : मेडिटेशन बच्चों के लिए ध्यान केंद्रित करने का एक प्रभावी माध्यम है। साउंड मेडिटेशन, लाइट मेडिटेशन या सरल मंत्र जाप से बच्चों का मन शांत रहता है और वे वर्तमान क्षण पर फोकस करना सीखते हैं।
- डिजिटल डिटॉक्स : स्क्रीन टाइम कम करने से बच्चों की एकाग्रता और याद्दाश्त में सुधार हो सकता है। लगातार स्क्रीन देखने से दिमाग पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे ध्यान भटकता है।
- पजल और ब्रेन गेम्स : पजल, सुडोकू, चेस और अन्य ब्रेन गेम्स बच्चों के आईक्यू और सोचने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये मानसिक एक्सरसाइज का काम करते हैं।

डायट में जरूरी है पौष्टिक आहार

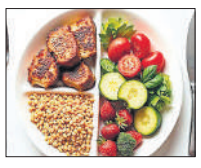

मस्तिष्क समेत शरीर के सभी प्रमुख कार्यों के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। बच्चों के भोजन में फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, ड्राई फ्रूट्स और हेल्दी फैट्स शामिल होने चाहिए। सही डाइट से न केवल याद्दाश्त मजबूत होती है, बल्कि बच्चों की ऊर्जा और एकाग्रता भी बनी रहती है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में बच्चों पर पढ़ाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एक्सरसाइज, खेल और मानसिक गतिविधियों को नजरअंदाज करना उनके समग्र विकास के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शोध स्पष्ट रूप से बताते हैं कि थोड़ी-सी नियमित शारीरिक गतिविधि भी बच्चों के दिमाग को तेज, मन को शांत और व्यक्तित्व को मजबूत बना सकती है। अंततः एक स्वस्थ बच्चा वही है, जो शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से संतुलित हो। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता और शिक्षक मिलकर बच्चों की दिनचर्या में एक्सरसाइज और फिजिकल एक्टिविटी को अनिवार्य रूप से शामिल करें।

खाना खजाना

केर सांगरी की सब्जी

केर सांगरी राजस्थान की ज्यादा तेल और मसाले के साथ बनने वाली चटपटी सब्जी है। ठंडा भोजन बनाते समय ये सब्जी मुख्य रूप से बनाई जाती है। केर और सांगरी के पेड़ राजस्थान में बहुतायत में मिलते हैं। यहां के लोग सीजन में ताजा फलों से कैर, सांगरी की सब्जी बनाते हैं और बाद के लिए केर और सांगरी को अच्छी तरह सुखाकर रख लिया जाता है, जब भी सब्जी बनानी हो इसे पानी या छाछ में भिगोकर बना लिया जाता है। सूखी हुई केर सांगरी बड़े शहरों में किसी बड़ी किराना स्टोर पर मिल जाते हैं, केर सांगरी को राजस्थाने की मेवा भी कहा जाता है। केर सांगरी का स्वाद इतना अच्छा और अलग है कि खाने वाला इसका स्वाद कभी नहीं भूलता है।

मनीष कुमार सोलंकी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- सांगरी-1 कप
- केर-1/4 कप
- तेल-4-5 टेबल स्पून
- हरा धनियां- 2-3 टेबल स्पून
- किशमिश - 2-3 टेबल स्पून
- जीरा-आधा छोटी चम्मच
- हींग- 2 पिंच
- साबुत लाल मिर्च - 3-4
- लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटी चम्मच
- गरम मसाला - आधा छोटी चम्मच
- नमक-1.5 छोटी चम्मच या स्वादानुसार
- धनियां पाउडर - 1.5 छोटी चम्मच
- अमचूर पाउडर - 1 छोटी चम्मच
- हल्दी पाउडर - आधा छोटी चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले आप केर और सांगरी को अच्छी तरह साफ करके, 4-5 बार अच्छी तरह पानी से धो लीजिए और अलग-अलग 8-10 घंटे या रात भर के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद केर सांगरी को पानी से निकाल लें और 1-2 बार और धो लें।

अब भीगे हुए केर सांगरी को उबालने के लिए कुकर में डालें और 2 कप पानी डाल लें। अब कुकर बंद कर दें, कुकर में एक सीटी आने के बाद, गैस धीमी कर लें और केर सांगरी को धीमी गैस पर 2-3 मिनट और उबलने दें। गैस बंद कर दें, कुकर का प्रेशर खत्म होने पर कुकर खोल लें। अब आपकी केर सांगरी उबलकर तैयार है। कैर सांगरी को छलनी में डालकर निकाल लें और अतिरिक्त पानी हटा दें। साफ पानी से सब्जी को और 1-2 बार धो लीजिए। केर सांगरी सब्जी बनाने के लिए तैयार है।

सब्जी बनाने के लिए कढ़ाई में तेल डालकर गरम लें, जीरा और हींग भी डाल दें, जीरा भुनने के बाद, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, साबुत लाल मिर्च डाल लें और मसाले को थोड़ा सा भून लें। अब कैर सांगरी डाल दें, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर, गरम मसाला, नमक और किशमिश डालकर, सब्जी को चलाते हुए 3-4 मिनट तक पका लें। अब आपकी केर सांगरी की सब्जी बनकर तैयार हो गई है, थोड़ा-सा हरा धनियां डालकर मिला दीजिए।

सब्जी को प्याले में निकाल लीजिए, ऊपर से हरा धनियां डालकर गार्निस कर लें। केर सांगरी की स्वादिष्ट सब्जी को पूरी या परांठे के साथ सर्व कीजिए और खाइए। केर सांगरी की सब्जी को फ्रिज में रखकर 3-4 दिन तक खाया जा सकता है।

सुझावः- केर और सांगरी को छाछ में भिगोकर भी सब्जी बना सकते हैं। केर और सांगरी को छाछ (मठा) में भिगो दीजिए और मठे से निकालकर, धोकर, उपरोक्त तरीके से सब्जी बनाकर तैयार कर लें। इस सब्जी में हमारे यहां कुमठिया इमली और सूखे गुंदे भी मिलाए जाते हैं, जिसे पंचकूटे की सब्जी कहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

युवक का छत की कुंडी से लटकता मिला शव

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के औद्योगिक नगर में शनिवार की सुबह युवक की संदिग्ध परिस्थिति में छत की कुंडी में फंदे से लटकता शव मिला। औद्योगिक नगर मोहल्ला निवासी मृतक के पिता लक्ष्मी शंकर ने बताया कि उनका 35 वर्षीय लड़का विजय कुमार कसौधन बीते शुक्रवार को रात में खाना खाकर कमरे में सोने चला गया था। सुबह 9 बजे तक जब वह कमरे से बाहर नही निकला तो वह दरवाजे पर जाकर बाहर से बुलाने लगे। लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था,जिसके चलते वह किसी तरह खिड़की के रास्ते झांक कर देखे तो विजय का शव छत की कुंडी में फंदे के सहारे लटक रहा था। लोगो ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

केंद्रीय बजट को लेकर दी जानकारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ समीर कुमार सिंह ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां तथा केंद्र सरकार के बजट के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए एक प्रेस वार्ता किया। जिसमें श्री सिंह ने किसानों के लिए कृषि योजना तथा उद्योगों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। प्रेस वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, पूर्व शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी, जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान, मीडिया प्रभारी निशांत पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

मृत कर्मचारी के सेवा प्राप्त अधिकार उसकी मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विधवा के पारिवारिक पेंशन के दावे को ठहराया जायज

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मृत कर्मचारी की विधवा के पारिवारिक पेंशन के दावे को एकल बेंच द्वारा खारिज करने के मामले में स्पष्ट किया कि मृत कर्मचारी के सेवाप्राप्त अधिकार उसकी मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते, उसका प्रतिनिधि पारिवारिक पेंशन सहित अंतिम देय राशि का दावा करने का हकदार होता है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने डीएवी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के एक सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक त्रिलोक नाथ तिवारी की विधवा माधुरी तिवारी द्वारा दाखिल विशेष अपील को स्वीकार करते हुए पारित किया। अपील एकल न्यायाधीश के उस आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें अपीलकर्ता की रिट याचिका यह कहते हुए खारिज की गई थी कि कर्मचारी की विधवा को अपने दिवंगत पति के सेवा लाभों के पुनरीक्षण की मांग करने का अधिकार नहीं है और याचिका विलंब से दाखिल की गई है। इस प्रकार के तर्क का खंडन करते हुए कोर्ट ने कहा कि पारिवारिक पेंशन और अन्य अंतिम लाभ मृतक कर्मचारी की संपत्ति का हिस्सा होते हैं, जिन पर उसके कानूनी वारिसों का अधिकार होता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए वे दावा कर सकते हैं। चूंकि अपीलकर्ता की विधवा होने की स्थिति विवादित नहीं थी, इसलिए यह कहना कि उसे दावा करने का अधिकार नहीं है, स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण है।तथ्यों का अवलोकन करने पर कोर्ट ने यह भी पाया कि क्षेत्रीय नियमितीकरण समिति पहले ही दिवंगत सहायक शिक्षक के नियमितीकरण की तिथि संशोधित कर चुकी थी और उस निर्णय पर विभागीय स्तर पर कार्रवाई भी की गई थी। ऐसे में विधवा का दावा कोई नया दावा नहीं, बल्कि पहले से लिए गए निर्णय के अनुपालन की मांग थी। इसके अलावा विलंब के प्रश्न पर भी कोर्ट ने आपत्ति खारिज करते हुए कहा कि जब नियमितीकरण का आदेश पहले ही जारी हो चुका था और धन संबंधी दावा विचाराधीन था, तो परिणामी लाभों की मांग को विलंबित नहीं माना जा सकता।अंत में कोर्ट ने एकल न्यायाधीश का आदेश रद्द करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे क्षेत्रीय नियमितीकरण समिति के प्रस्ताव के आधार पर सभी परिणामी लाभों पर एक तर्कसंगत आदेश पारित करें और एक माह के भीतर यथाशीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें।

निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बीच प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा

- निजी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, पुलिस के आश्वासन पर शांत हुआ मामला

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। बेलहर कला क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में शुक्रवार - शनिवार की देर रात ऑपरेशन के दौरान प्रसूता की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर और अस्पताल संचालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर मौके पर सीओ मेंहदावल सर्वदमन सिंह, थाना बेलहर कला प्रभारी अनिल कुमार, एसओ बखिरा सतीश कुमार सहित पुलिस बल पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझा कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, परिजन अस्पताल को बंद कराने और मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे। पुलिस के काफी मान-मनौव्वल और भरोसे के बाद परिजन शांत हुए।

मृतका की पहचान बेलहर थाना क्षेत्र के कटया गांव निवासी 28 वर्षीय सुनैना पत्नी प्रदीप के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सुनैना को प्रसव पीड़ा होने पर शुक्रवार की देर रात क्षेत्र की आशा द्वारा निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि डॉक्टरों ने बिना पर्याप्त जांच के ऑपरेशन का निर्णय लिया और लापरवाही बरती, जिसके चलते ऑपरेशन के दौरान ही सुनैना की मौत हो गई। जबकि, नवजात शिशु को निजी अस्पताल के एनआईसीयू में रखा गया है। मृतका के पिता हरिराम ने बताया कि उनकी बेटी पूरी तरह स्वस्थ थी और पहली बार मां बनने वाली थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज में भारी लापरवाही की गई और समय पर सही उपचार नहीं मिला। परिजनों ने दोषी डॉक्टर व अस्पताल संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में एसओ बेलहर अनिल कुमार का कहना है कि परिजनों की तरफ से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मामले में स्वास्थ्य विभाग को भी सूचना दी गई है। जबकि निजी अस्पताल को बंद कर दिया गया है।

बेलहर कला स्थित निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद हंगामा कर रहे लोगों को समझाती पुलिस।

सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर भेजी गई, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने निजी अस्पताल को सील कर दिया था। सोमवार को पुन: टीम भेजकर अस्पताल के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम दो डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के साथ कराने के निर्देश दिए गए हैं।

-डॉ. रामानुज कन्नौजिया, सीएमओ

चकबंदी से परेशान किसान ने की आत्महत्या

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा क्षेत्र के संठी गांव में चकबंदी प्रक्रिया से कथित रूप से आहत किसान ने आत्महत्या कर ली। शनिवार भोर में 47 वर्षीय प्रभुनाथ प्रजापति का शव उनके घर में फंदे से लटका मिला।

परिजनों का आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान प्रभुनाथ को तालाब में चक आवंटित किया गया था, जिससे वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थे। मृतक के पिता राज बहादुर का कहना है कि अपने चक को बेहतर स्थान पर कराए जाने के लिए प्रभुनाथ लगातार चकबंदी कार्यालय, धनघटा के चक्कर लगा रहे थे। लेकिन, विभागीय स्तर पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसी मानसिक दबाव में आकर उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। प्रभुनाथ की मौत के बाद मां गीत देवी और पत्नी कमलेश देवी बार-बार बेहोश हो जा रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक उदासीनता ने प्रभुनाथ को यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। थाना प्रभारी जयप्रकाश दुबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। सहायक चकबंदी अधिकारी (एसीओ) धनघटा राम भरत ने कहा कि आरोप बेबुनियाद हैं। प्रभुनाथ के दो चक उनके पुराने चक पर ही बांधे गए थे, जबकि एक चक उड़ान श्रेणी में था। उनके अनुसार, किसान चकबंदी से पूरी तरह संतुष्ट थे और शुक्रवार को ही तहसील आए थे। यदि कोई समस्या होती तो समाधान कराया जा सकता था। आत्महत्या के कारणों को लेकर विभाग असमंजस में है।

सांड़ से टकराकर बाइक सवार की मौत, साथी घायल

प्रतापगढ़ अमृत विचार : लीलापुर थाना क्षेत्र के मनोहरी का पुरवा सगरा सुंदरपुर निवासी गयादीन वर्मा का 19 वर्षीय बेटा शिवम वर्मा उर्फ गुड्डू शादी विवाह में वेटर का काम करता था। गांव के ही साथी 20 वर्षीय अभिषेक कोरी पुत्र अनिल कोरी के साथ शुक्रवार की रात करीब एक बजे मनियारपुर में शादी कार्यक्रम से दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में गंगा पुत्री घाट हदिराही के पास सड़क पर छुट्टा सांड़ बाइक से टकरा गया। टक्कर में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से ट्रामा सेंटर लालगंज भेजा। ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया।

भटनी-औंड़िहार खंड का हो रहा विद्युतीकरण और दोहरीकरण

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा ट्रेनों की गति बढ़ाने, संचलन समय में बचत करने एवं अतिरिक्त ट्रेनों के संलचन हेतु भटनी-औंड़िहार (117 किमी.) खंड के विद्यतीकरण सहित दोहरीकरण कार्य रू. 1177.96 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इस परियोजना को 08 चरणों में पूरा किया जा रहा है। परियोजना के अन्तर्गत कीड़िहरापुर-इन्दारा, सादात-औंड़िहार, भटनी-पिवकोल, बेलथरा रोड-कीड़िहरापुर, दुल्लहपुर-सादात, मऊ-दुल्लहपुर खंडों सहित कुल 89.47 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है। शेष पिवकोल से बेलथरा रोड (27.53 किमी.) खंड के दोहरीकरण का कार्य, जिसमें घाघरा नदी पर तुर्तीपार रेल पुल का निर्माण कार्य सम्मिलित है, तीव्र गति से चल रहा है। यह दोहरीकरण परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश में देवरिया, बलिया, मऊ एवं गाजीपुर जनपदों में अवस्थित है।पिवकोल-बेलथरा रोड (27.53 किमी.) खंड के दोहरीकरण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इस खंड के अंतर्गत 01 महत्वपूर्ण रेल पुल सहित 02 बड़े एवं 24 छोटे पुलों का कार्य सम्मिलित है, जिसमें 02 बड़े एवं 23 छोटे पुलों का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त घाघरा नदी पर बन रहे महत्वपूर्ण पुल संख्या 31 का कार्य अंतिम चरण में हैं। पिवकोल-बेलथरा रोड 27.53 किमी. खंड का दोहरीकरण कार्य पूरा हो जाने पर गोरखपुर से वाराणसी तक पूरा रेलखंड दोहरीकृत हो जायेगा। भटनी-औंड़िहार खंड के दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने से लाइन क्षमता में सुधार होगा तथा इस खंड पर जन आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक ट्रेनों का संचलन हो सकेगा।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का संचलन 9 मार्च से

गोरखपुर, अमृत विचार। इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि0 (आईआरसीटीसी) द्वारा सफदरजंग रेलवे स्टेशन से वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिल्का और बैद्यनाथ धाम (ज्योतिर्लिंग) के लिए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का यात्रा का संचलन 09 से 18 मार्च तक 09 रात 10 दिनों के लिये किया जायेगा। यह यात्रा दिल्ली सफदरजंग से शुरू होगी और वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिल्का और बैद्यनाथ धाम होते हुए वापस दिल्ली लौटेगी। इस यात्रा में जिन खास जगहों पर घूमा जाएगा, उनमें वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर (ज्योतिर्लिंग) और गंगा आरती शामिल हैं, इसके बाद भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता का दौरा किया जाएगा, जिसमें विक्टोरिया मेमोरियल और शहर के अन्य आकर्षण और काली घाट (शक्ति पीठ) और दक्षिणेश्वर काली मंदिर जैसे महत्वपूर्ण मंदिर शामिल हैं। गंगासागर के पवित्र तटों की एक दिन की यात्रा, जिसमें सागर संगम में पवित्र स्नान और कपिल मुनि मंदिर में दर्शन इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। यात्रा पुरी तक जारी रहेगी।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी से मारपीट, केस दर्ज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बरदहिया बाजार में शुक्रवार की साप्ताहिक बंदी के निरीक्षण के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी के साथ दुकानदार ने जमकर मारपीट की। आरोप लगाया कि दुकानदार ने उनसे गाली-गलौज करते हुए जानमाल की धमकी भी दिये। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मनोज कुमार निरीक्षण के दौरान तेजश गारमेंट्स की दुकान खुली पाए जाने पर उसे बंद कराने पहुंचे थे। इसी बात को लेकर दुकान संचालक पो. विकास उर्फ लल्लू से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

शिकायतों का सही से कराएं निस्तारण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील शोहरतगढ़ में शनिवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्र तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराएं। अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगायेगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिए।

तहसील समाधान दिवस में शिकायतें सुनते डीएम। अमृत विचार

संगोष्ठी

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में 'भारतीय भाषा परिवार' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय भाषाएं ज्ञान-परंपरा की वाहक : प्रो. रमेश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में शुक्रवार को 'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय भाषा समिति, दिल्ली तथा विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए विद्वानों और शिक्षाविदों ने सहभागिता की।

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. रमेश चंद शर्मा ने कहा कि औपनिवेशिक काल में भारतीय भाषाओं को योजनाबद्ध रूप से हीन सिद्ध करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं ज्ञान-परंपरा की वाहक हैं तथा बहुभाषिकता भारतीय सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। दर्शन, न्याय और व्याकरण जैसी भाषा-अध्ययन की परंपराएं भारत में ही विकसित हुई हैं। दूसरे वक्ता प्रोफेसर निरंजन सहाय ने कहा कि भारतीय भाषा दृष्टि समावेशी रही है, जबकि पश्चिमी दृष्टिकोण संकुचित रहा। भाषा के आधार पर किया गया विभाजन औपनिवेशिक सत्ता की रणनीति का हिस्सा था। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर नीता यादव ने कहा कि 'भारतीय भाषा परिवार' विषयक पुस्तकें भारत को जोड़ने का सार्थक प्रयास हैं। तकनीकी सत्र में डॉ. सत्य प्रकाश पाल ने भाषा को सभ्यता और पहचान का आधार बताते हुए स्थानीय भाषाओं के संरक्षण पर जोर दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने हिंदी को समावेशी और सजीव भाषा बताते हुए इन पुस्तकों को भारतीय सभ्यता की आत्मकथा कहा। सत्र की अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अमरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व से जुड़ी है।

लखनऊ नगर निगम

टी0एन0 मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई-मेलः nnlko@up.nic.in, वेबसाइटः http://lmc.up.nic.in

नगर निगम जोन-1 कार्यालय में प्राप्त नाम परिवर्तन सम्बन्धी आवेदन पत्रों पर नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213(बी-2) की नोटिस जारी की जा चुकी हैं जिसमें निम्न विवरण के अनुसार नाम परिवर्तन प्रस्तावित है, यदि विवरण में अंकित नाम परिवर्तन के संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित जोन-1 कार्यालय में प्रस्तुत कर दें, आपत्ति प्राप्त न होने पर नाम परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

नाम परिवर्तन, जोन-1

क्र. सं.	भवन संख्या व मोहल्ला	दर्ज भवन स्वामी का नाम	जिसके नाम दर्ज होना है	नाम परिवर्तन का आधार
	वार्डः लालकुआं वार्ड			
1	H.No.68/482(68/343)	श्री राम सहाय	श्रीमती आरती कौशल	रजिस्ट्री, शपथ पत्र, आईडी0, मृत्यु प्रमाण पत्र आदि
	वार्डः राम मोहन राय			
2	24/083(24/004/06) प्राग नरायण रोड	श्रीमती उर्मिला कपूर	श्री यासिर काजमी	प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र रजिस्ट्री की छायाप्रति आदि
3	21/003/29 तिलक मार्ग	मो0 शरीफ	मो0 आरिफ	प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र,गिफ्ट डीड आदि
4	29/011/GF-3, 8 राना प्रताप मार्ग	श्री पंकज पाठक	श्रीमती रतना भटिया	प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र रजिस्ट्री की छायाप्रति आदि
5	21/270(21/313) तिलक मार्ग	श्री विवेक शर्मा	श्री सोहा राम राय	शपथ पत्र रजिस्ट्री की छायाप्रति आदि
6	25/061/304 लाजपत मार्ग	श्री पंकज रस्तोगी	श्री अनु सिंह	शपथ पत्र रजिस्ट्री की छायाप्रति आदि
	वार्डः गोलागंज			
7	178/067 गोला गंज	नरजिस काजमी	दुर्दशवार रजा	पारिवारिक प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र आदि
8	178/145 S.F-204 गोलागंज	गोल्डैन अपार्टमेन्ट	श्रीमती सिददत जहरा	रजिस्ट्री, शपथ पत्र
	वार्डः नजरबाग			
9	88/035/FL-FF-102 जुरीयन टोला	उर्मी चक्रवर्ती	हरीश कुमार शर्मा	रजिस्ट्री, शपथ पत्र
	वार्डः जे0सी0बोस			
10	120/102(120/041) बेलदारी लेन	राम नरायन	निखिल गर्ग	दान विलेख
	वार्डः नजरबाग			
11	108/389(208, 210/3) तालाब गगनी शुल्क	नन्दराम	जहा आरा	रजिस्ट्री, शपथ पत्र आदि
	वार्डः जे0सी0 बोस			
12	118/093/1/F-402 कैण्ट रोड	तारा देवी अनीता गुप्ता व अन्य	राजवी बिन्दल	रजिस्ट्री आधार ,शपथ पत्र आदि
	वार्डः महात्मागांधी विक्रमादित्य			
13	6/004B माल एवेन्यू	मुरलीधर आहूजा	कन्हैया लाल आहूजा	गिफ्ट डीड की छायाप्रति, नोटरी शपथ-पत्र आदि
14	6/020/FN-415-P-7 माल एवेन्यू	उपमन्यु बाजपेई	सिटी माण्टेसरी स्कूल	रजिस्ट्री छायाप्रति, नोटरी शपथ-पत्र आदि
15	6/120B/FF माल एवेन्यू	जी.सी. कन्सट्रक्शन	सिटी माण्टेसरी स्कूल	रजिस्ट्री छायाप्रति, नोटरी शपथ-पत्र आदि
	वार्डः हजरतगंज रामतीर्थ			
16	19/002/E-716 पार्क रोड	श्रीमती चन्द्र प्रभा देवी	संजीव कुमार ओझा	रजिस्ट्री छायाप्रति, नोटरी शपथ-पत्र आदि
17	37/036/FF/Flat-5 लारेन्स टैरेन्स	राधिका प्रकाश	महेश जायसवाल	रजिस्ट्री छायाप्रति, नोटरी शपथ-पत्र आदि
	वार्डः लालकुआं			
18	H.NO. 71/022/5F/506 ए.पी. सेन रोड	तोष कुमार - साधना	राकेश कुमार छाबड़ा	रजिस्ट्री छायाप्रति शपथ-पत्र, आई0डी0 आदि
	वार्डः नजरबाग			
19	119/243A कन्धारी बाजार	एम. चटर्जी	सपना देवी जयदीप सिंह रावत मधुलिका बौरों और सुनीता चेतराम,	शपथ-पत्र आधार आदि
	वार्डः जे0सी0 बोस			
20	126/038/2-3 बी.एन. रोड	मो0 गौस खान	प्रवीन सचदेवा	रजिस्ट्री, शपथ-पत्र आधार आदि
	वार्डः नजरबाग			
21	84/376(84/035A) कटरा मकबूलगंज	त्रिवेनी चन्द्र वर्मा	शिवकान्ती वर्मा एवं उमाकान्ती वर्मा	पारिवारिक सिजरा, शपथ-पत्र आधार
22	110/202 Shop-2(110/143) नया गांव ईस्ट	राजन शर्मा एवं आशीष शर्मा	मधु गुप्ता	रजिस्ट्री आधार, शपथ-पत्र
	वार्डः महात्मागांधी विक्रमादित्य			
23	14A/001/A(14/650) बरफखाना	श्री मनीष निगम	शशि कुमार	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
24	12/115/SF-201(29) नार्थन स्ट्रिप, कैण्ट रोड	श्री मनविन्दर पाल सिंह	अदिती सूद एवं सतीश सूद	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
	वार्डः हजरतगंज रामतीर्थ			
25	41/472(41/395) नरही	श्री रवि शुक्ला, श्याम शुक्ला	श्री रवि शंकर शुक्ला एवं श्री ज्ञान शंकर शुक्ला पुत्रगण स्व0 लालता प्रसाद शुक्ला	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
26	43/41(43/N/D-12) नवल किशोर रोड	श्री अनु लुधरानी	श्री शाजेब हसमत एवं दाउद हसमत	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
27	38/22/602 मीराबाई मार्ग	श्री महेश कुमार गुप्ता	नरगिस रसेल लाल	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
28	43/11/SF-1A नवल किशोर रोड	श्री रजत श्रीवास्तव	श्रीमती पूनम राय	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
29	28/10 अशोक मार्ग	पूनम गुप्ता	ADSA PROPCON LLP	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
30	43/11/SF-3 नवल किशोर रोड	श्री रजत श्रीवास्तव	राहुल राय	विक्रय विलेख, शपथ-पत्र आदि
	वार्डः राजाराम मोहन राय			
31	27/063/4F(27/3A) राम मोहन राय मार्ग	श्री राम किशन खन्ना	श्री संजीव खन्ना	शपथ-पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण-पत्र आदि
32	27/063/TF-2(27/20) राम मोहन राय मार्ग	श्री आर. के. खन्ना	श्री संजीव खन्ना	शपथ-पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण-पत्र आदि
33	27/093/GF-1(27/20) राम मोहन राय मार्ग	श्री आर. के. खन्ना	श्री संजीव खन्ना	शपथ-पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण-पत्र आदि
	वार्डः बशीरतगंज- गणेशगंज			
34	136C/048 विष्णुपुरी	श्रीमती मुकुल मिश्रा व अमित बाजपेई व अन्य	श्री मोहित वर्मा सौरभ वर्मा व मंजू देवी	रजिस्ट्री, शपथ-पत्र आधार आदि।

जोनल अधिकारी, नगर निगम, लखनऊ

अमृत विचार

रविवार, 8 फरवरी 2026

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय

कबीर दास जी कहते हैं, इस संसार में ऐसे सज्जनों की जरूरत है, जैसे अनाज साफ करने वाला सूप होता है। जो सार्थक को बचा लेता है और निरर्थक को उड़ा देता है।

विपक्ष उत्तरदायी बने, प्रश्न पूछे, विकल्प दे, सुझाव रखे

> यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला, टू प्रपोज द गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा, टू अपोज द गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा, विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज द गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है, लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं।

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मर्यादा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ही जिम्मेदारी है। उत्तरदायित्व का निर्वाहन शोर-शराबे से नहीं होता। सदन के भीतर शोर शब्दों का विकल्प नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है, लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनियाभर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की ही होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोक-झोंक भी संभव है, लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मर्यादा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि 'कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।' बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है, लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं।

18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है।

यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला, टू प्रपोज द गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा, टू अपोज द गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा, विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज द गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है, लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता, लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के संबंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है, इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमानना की कार्यवाही होनी चाहिए।

यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे, जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे, लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है।

संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आंबेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हसरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजरू, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे।

इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए, लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है।

सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर-शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य व तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं।

विपक्ष सरकार को घेरने के अलावा और किसी लक्ष्य से प्रेरित नहीं है। वह राष्ट्रीय आवश्यकता की रणनीति पर कम और हंगामा द्वारा राजनीतिक बढ़त लेने का हथियार ज्यादा है। सदन में अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर कम से कम विपक्ष से अपेक्षा की जा सकती है कि वह उत्तरदायी बने। प्रश्न पूछे। विकल्प दे। सुझाव रखे। सरकार को जवाबदेह बनाए। विपक्ष का यह भी कर्तव्य है कि वह सदन को हंगामे का मंच न बनाए। वैकल्पिक विचार दे और संसदीय कार्यवाही को राष्ट्रहितैषी बनाए।

संप्रभुता अभद्र नहीं होती। संसद सर्वोच्च संप्रभु संस्था है। विधि निर्मात्री है, संविधान संशोधन के अधिकार से भी लैस है। राज्यों के विधानमंडल इसी की प्रतिछाया हैं, लेकिन संसद और विधानमंडल स्वयं अपनी बनाई कार्य संचालन नियमावली का अनुपालन नहीं करा पाते। राष्ट्र क्षुब्ध है।

नई पीढ़ी में गेमिंग की लत छुड़वाने की चुनौती

पिछले ही सप्ताह भोपाल की छत्रसाल कॉलोनी के एक व्यवसायी के 8वीं क्लास में पढ़ने वाले इकलौते बेटे ने गेमिंग में फंसकर आत्महत्या की थी। घटना चर्चाओं में थी कि वैसा ही एक और मामला गाजियाबाद में घट गया। सिलसिलेवार तरीके से इस तरीके के केस रोजाना प्रकाश में आ ही रहे हैं। बीते 24 महीनों में करीब 180 घटनाएं देशभर में रिपोर्ट की गई हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से पांच सालों में उछाल आया है, वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है। कौन सी तरकीब अपनाई जाए, जिससे बच्चे फिर से गेमिंग के चुंगल से निकलकर अपने पारंपरिक देशी किस्म के खेलकूदों की ओर मुड़ जाएं। दरअसल, ऐसी जरूरत गाजियाबाद में तीन बहनों के सुसाइड के बाद और ज्यादा महसूस होने लगी है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

क्यों मॉडर्न बच्चे मैदानी खेलों को छोड़कर मोबाइल गेमिंग जैसी आफतों में घुसते जा रहे हैं? ऐसे सवालों का उत्तर बिना देर किए सामुहिक स्तर पर समाज के प्रत्येक वर्गों को खोजना चाहिए। टीनएजर्स में गेमिंग की लत जानलेवा बीमारी जैसी हो गई है, जिसका ताजातरीन उदाहरण सामने है। कोरियन गेमिंग की आड़ में गाजियाबाद की तीन सगी नाबालिग बहनों ने 'लवर गेम टास्क' में खुद को फंसाकर मौत को गले लगाना पड़ा। उनके सुसाइड की खबर समाज में आग की तरह फैली हुई है। दरअसल तीनों बहनों ने मौत को जिस अंदाज से अपनाया उसने अभिभावकों को सबसे ज्यादा झकझोरा है। बच्चियों ने पिता के नाम चिट्ठी लिखकर मौत की वजह भी बताई। आठ पन्नों के सुसाइड नोट में उन्होंने अपनी अधूरी चाहत की पूरी दास्तां को विस्तार से लिखी है। ऐसी-ऐसी वजहें लिखीं, जिन्हें पढ़-सुनकर समाज सोचने पर विवश हुआ है।

> बीते 24 महीनों में करीब 180 बच्चों के खुदकुशी के मामले देशभर में रिपोर्ट हुए हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों में जिस हिसाब से पांच सालों में उछाल आया है, वह निश्चित रूप से रोंगटे खड़े करता है।

घटना की शुरुआती पड़तालें बताती हैं कि गेम की गिरफ्त में तीनों बहनें ऐसी जकड़ीं कि निकल ही नहीं पाईं, निकलने की तमाम नाकाम कोशिशें जरूर कीं, लेकिन दलदल में इतनी फंस चुकी थीं, वहां से निकला उनके लिए नामुकिन हो गया। अंत में तीनों ने नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त करना ही मुनासिब समझा। पुलिस घटना की तफ्तीश में है। मामला जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, नई-नई अचंभित करने वाली बातें सामने आ रही हैं। कुछ ऐसी भी बातें, जिन पर एकाएक विश्वास करना मुश्किल है।

पुलिस थ्योरी और पड़ोसियों की मानें तो तीनों लड़कियां लगातार गेम खेलती रहती थीं। ये बात अब तथ्यात्मक हो चुकी है कि ज्यादातर गेम साइको टाइप लत परोसने लगे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा अपनेपन का एहसास कराने की जरूरत है। एक बार जो इसकी गिरफ्त में फंसा, तो आसानी से छुटकारा नहीं पा सकता। इस झकझोर देने वाली घटना को ध्यान में रखकर ये समझना होगा कि आखिर कोरियाई कल्चर टीनएजर्स को क्यों लुभा रहा है? दरअसल, कोरियाई कल्चर की कुछ खासियतें हैं। उनका आधुनिक ड्रामा और के-पॉप प्यार और पारिवारिक भावनाएं लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। उनके अपनेपन से लोग आसानी से उनसे जुड़ जाते हैं।

आत्म विश्वास और विधि ही मुख्य है

मानव-प्रतिभा का विकास साधन सुविधाओं पर ही आधरित है यह सत्य नहीं है। मानव-प्रतिभा के विकास के लिए आत्म विश्वास और कार्य करने की सम्यक् विधि ये ही मुख्य आवश्यकता है। साधन सुविधाओं की आवश्यकता इनके बाद आती है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि अनेक साधन-सुविधाओं के उपरांत भी कई व्यक्ति अपना विकास नहीं कर पाते हैं और जिनके पास पर्याप्त साधन नहीं है फिर भी ये अपनी प्रतिभा का प्रर्याप्त विकास कर पाए और इतिहास बनाकर चले गए। इससे स्पष्ट हो गया कि साधन ही मुख्य नहीं है। आज देश में भारतीय प्रतिभा का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है, तो इसके लिये अधिकतर व्यक्ति साधनों के अभाव को दोष दे रहे हैं, किन्तु यह पूर्ण सत्य नहीं है।

मूल बात तो यह है कि भारतीय जन जीवन में जो विकृतियां इन दिनों व्याप्त हो रही हैं, उनमें ही एक विकृति अपनी विचार विपन्नता की है। अक्सर सुना जाता है कि हम भी बहुत कुछ कर लेते, किंतु हमारे पास साधन नहीं हैं। आलस्य और प्रमाद एक बहाना चाहता है। साधन के अभाव का बहाना आसानी से मिल जाता है। अतः उसे दुहराते रहेंगे और अपने विकास को कुंठित करते रहेंगे।

देश-विदेश के आविष्कारों और श्रेष्ठ आदर्शों का अध्ययन करें, तो यही स्पष्ट होता है कि जितने भी आविष्कार हुए या जो महत्वपूर्ण कार्य हुए, वे अभावों के बीच हुए। साधन संपन्नता से नव सर्जन के द्वार बंद ही हुए हैं खुले नहीं, हां अभावों में अवश्य विकास की किरण जगती हुई दिखाई दी है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

मानव के पास अपना मस्तिष्क और अपनी देह है। ये ही अनमोल सिद्धियां हैं। ये उपलब्ध हैं तो फिर अन्य साधनों का क्या? वे तो मिले या न मिले। मस्तिष्क स्वस्तः मानव के विकास का मार्ग प्रशस्त कर देता है। करोड़ों का धन भी जो सफलता नहीं दे सकता, मस्तिष्क वह सफलता प्रदान कर ही देता है। अपने मस्तिष्क में विकृत विचार न हों और सम्यक् कार्य विधि हों तो बढ़ते हुए प्रगति चरण कोई नहीं रोक सकता। आत्मविश्वास बड़ी चीज है। धैर्य और दक्षता के साथ अपने कदम बढ़ाएं तो साधन अनायास ही सामने उपस्थित रहेंगे।

हम जो मन में आया उसे तत्काल पूर्णता पूर्वक पा लेना चाहते हैं। भावनाओं का तीव्र ज्वार उमड़ता है अभिष्ट को पा लेने को, किंतु क्या उसी समय वह सब कुछ मिल पाता है? स्पष्ट है अभिष्ट तो उपलब्ध नहीं होता, किंतु निराशाएं अवश्य हाथ लगती हैं। वह निराशा जीवन को उत्साह हीन और भंद बना देती है।

आज अनेक व्यक्ति असफलता की कुंठा से ग्रस्त हैं। वे निराश हैं उन्हें कुछ करना सूझता नहीं। उन्हें चाहिए कि वे अपने कार्यों में ढूंढे कि कमी कहां रही। वह देखें और अपना प्रयास फिर शुरू करें। सारी कमियों को दूर कर उत्साहपूर्वक अपने प्रयास करते रहें। सफलता आपके चरण चूमने लगेगी। निराशा और पैर्यहीनता जीवन के सबसे बड़े दोष हैं। ये मानव को भीतर से पंगु बना देते हैं। अतः इन दोषों से अपने आप को बचा लेना चाहिए। कठिन से कठिन प्रसंग में भी हम धैर्य रख सकें यह एक महान बात होगी।

बलूचिस्तान के विद्रोह में महिला फिदायीन

> 21 साल की हवा बलोच और 24 साल की आसिफ मेंगल ने सुरक्षा बलों से जंग में लोहा लेते हुए अनेक सैन्यकर्मियों के चीथड़े उड़ा दिए। हवा ने सुरक्षाकर्मियों से सीधा मुकाबला किया, वहीं आसिफा ने नोशकी में आईएसआई के मुख्यालय पर वाहन बम में सवार होकर फिदायीन हमला किया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। बलूचिस्तान लिबरेशन अर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ 31 जनवरी से शुरू किए गए हेरोफ फेज-2 में 200 से अधिक पाक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और 17 को कब्जे में भी ले लिया है। इस आपरेशन की मुख्य उपलब्धि दो आत्मघाती विद्रोही बालाओं की हैरतअंगेज कहानी सामने आई है। इनमें 21 साल की हवा बलोच और 24 साल की आसिफ मेंगल ने सुरक्षा बलों से जंग में लोहा लेते हुए अनेक सैन्यकर्मियों के चीथड़े उड़ा दिए। हवा ने जहां सुरक्षाकर्मियों से सीधा मुकाबला किया, वहीं आसिफा ने नोशकी में स्थित आईएसआई के मुख्यालय पर वाहन बम में सवार होकर फिदायीन हमला किया। इसे बलूचिस्तान में दो दशकों का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। बीएलए ने इस घटनाक्रम के सत्यापन के लिए हवा बलोच का एक वीडियो भी जारी किया है, जो उनके द्वारा किए हमले से ठीक 12 घंटे पहले का बताया गया है। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने इन हमलों में महिला लड़ाकों की उपस्थिति की पुष्टि की है।

बलूचिस्तान में यह संकट खुद पाकिस्तान की नाकामियों का नतीजा है। महिला आत्मघाती हमले जता रहे हैं कि अब विद्रोहियों ने मर-मिटने की कसम खा ली है। चूंकि पाकिस्तान के पास इन विद्रोहियों से मुकाबला करने का पर्याप्त साहस नहीं है, इसलिए वे हमलों के पीछे भारत का हाथ बताकर भारत विरोधी झूठा नैरेटिव पाकिस्तान से लेकर विदेशी मंचों पर भी गढ़ रहा है। यह खीज उसकी असहायता दर्शाती है। पाकिस्तान के इस झूठ के दुराचरण से दुनिया परिचित है, इसलिए सब जानते हैं कि पाक के ये षड़यंत्रकारी प्रपंच और नापाक इरादे हैं, इसलिए उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिल पा रहा है। पाकिस्तान इस तरह के आडंबर इसलिए भी रचता है, क्योंकि वह अनेक आंतरिक चुनौतियों से झूझ रहा है। अर्थव्यवस्था चौपट है और गरीबी सुरसामुख की तरह बढ़ रही है।

अफगानिस्तान भी सीमाई क्षेत्रों में पाक के लिए संकट का सबब बना हुआ है, जबकि वह इस्लामिक देश है। अफगानिस्तान पाक के विरुद्ध इसलिए है, क्योंकि अफगानिस्तान पर सैन्य हमलों के लिए अमेरिका के लिए जगह पाकिस्तान ही देता रहा है। अतएव अफगानियों के साथ-साथ बलूच पाक के लिए जानलेवा नासूर साबित हो रहे हैं, इसलिए विश्व मंचों पर उठाए सवालों के प्रतिउत्तर में भारत ने कह दिया है कि पाक अपनी आंतरिक विफलताओं को भारत पर न थोपे। उसे अब लंबे समय से चली आ रही अपने नागरिकों की मांगों का समाधान करना होगा। भारत को किसी भी स्तर पर उसकी नापाक इच्छा कभी भी पूरी नहीं होगी।

दरअसल पाकिस्तान अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भारत पर आरोप मढ़ने में लगा रहता है, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लश्कर-ए-तैयबा और आईएसकेपी जैसे आतंकी संगठनों को बीएलए के खिलाफ खड़ा किया गया है। लश्कर-ए-तैयबा भारत पर भी अनेक आतंकी हमलों में शामिल रहा है, लेकिन भारत तो छोड़िए बलूच में भी पाक सेना बलूच विद्रोहियों के विरुद्ध कमजोर पड़ रही है। इस कारण सरकार और सेना दोनों ही हताश है। विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि बीएलए वास्तव में अब एक जन आंदोलन के रूप में दिखाई दे रहा है, जिससे मुकाबला करना सरकार और सेना के लिए कठिन हो रहा है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

बलूचिस्तान के सामाजिक कार्यकर्ता जिब्रान नासिर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करके पाक सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा है कि 'बलूचिस्तान जल रहा है और पाक जिम्मेदारी से बचने की मानसिकता के चलते यहां हालात और खराब कर रहा है। पाक को बलपूर्वक शांति स्थापित करने की बजाय बातचीत पर जोर देना चाहिए।' पाक की इस बर्बरतापूर्ण मानसिकता के चलते प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अनुसार पाकिस्तान में इस साल 28 प्रतिशत आतंकी हमले बढ़े हैं और इस साल जनवरी माह में ही इन हमलों से होने वाली मौतों का प्रतिशत 43 बढ़ गया है।

पाक की पीआईसीएसएस रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी में कुल 361 लोग मारे गए हैं, जिनमें 242 आतंकवादी, 73 नागरिक और 46 सेना के जवान हैं। जबकि बीएलए का दावा है कि आपरेशन हेरोफ के दूसरे चरण में बलूच विद्रोहियों ने पाक सेना के 310 सैनिक मार दिए हैं।

जब मृत्यु शैया पर लेटे भीष्म पितामह के ज्ञान देने पर हंस पड़ीं द्रौपदी

जीवन में कभी-कभी ऐसी स्थिति आ जाती है, जब यह तय करने में कठिनाई होती है कि क्या किया जाए, क्या न किया जाए? इसे असमंजस का भाव कहा जाएगा। महाभारत में दो नाम ऐसे आते हैं, जिन्हें असमंजस की स्थिति से गुजरना पड़ा था। पहला नाम भीष्म पितामह का लिया जाता है। भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण दुर्योधन कर रहा था, लेकिन भीष्म पितामह इस अपमानजनक घटना पर बोल नहीं पा रहे थे।

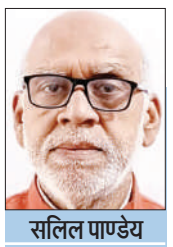

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

असमंजस की हालत का बयान तब उन्होंने किया जब वे शरशय्या पर लेटे थे और श्रीकृष्ण के साथ पांचों पांडव तथा द्रौपदी उनके पास पहुंचे और भीष्म ज्ञान देने लगे, तो द्रौपदी हंस पड़ी। इस पर भीष्म ने हंसने का कारण पूछा तो द्रौपदी ने कहा, 'जब चीरहरण हो रहा था, तब आपका ज्ञान कहां चला गया था?' इस पर भीष्म ने उत्तर दिया, 'द्रौपदी उन दिनों मैं दुर्योधन का अन्न खाता रहा, जिससे दूषित रक्त बन रहा था। जब अर्जुन ने अपने वाणों से उस रक्त को बाहर कर दिया, तब मैं यह ज्ञान दे रहा हूं।

इसी तरह असमंजस युद्ध के मैदान में अर्जुन को भी हो गया था। अपने ही परिवार का वध करने से अर्जुन बचना चाह रहे थे, लेकिन अर्जुन के इस असमंजस की स्थिति को श्रीकृष्ण ने अपने उपदेशों के जरिए खत्म किया और युद्ध के लिए तैयार किया।

इन घटनाओं को लौकिक जीवन में भी देखने को मिलता है। भीष्म पितामह की तरह बड़े-बड़े ओहदे पर बैठे लोग अपने स्वार्थ में गलत को भी सही मानने के लिए मजबूर हो जाते हैं और जब कभी संकट में पड़ते हैं तब अपने बचाव में यही कहते हैं कि उन पर बहुत प्रेशर पड़ रहा था कि गलत को भी सही कहा जाए। यह स्थिति स्वीकार करने योग्य नहीं होती कि प्रेशर में 'हां में हां' मिलाना पड़ रहा था। सचाई तो यह है कि जब कभी अंतरात्मा से आवाज़ उठे कि क्या गलत है और क्या सही, तभी निर्णय लेकर अलग हो जाना चाहिए।

इसी तरह अर्जुन का असमंजस में पड़ना उचित इसलिए नहीं था, क्योंकि यदि अर्जुन युद्ध के मैदान से अलग हो जाते तो समाज व्याप्त दुर्योधन की बुराई समाप्त न होती। लौकिक जीवन में भी यदि कोई अपराध करता है तो उसे अपना समझ कर छोड़ा नहीं जा सकता। उसे दंड देना ही पड़ता है।

सेब से खेजड़ी तक: विकास बनाम पर्यावरण की एक सी लड़ाई

केंद्र सरकार ने हाल ही में कश्मीर में प्रस्तावित तीन रेलवे परियोजनाओं पर रोक लगाकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह फैसला सेब के बागों को बचाने के लिए लिया गया है, जिन पर इन रेल लाइनों के निर्माण से सीधा खतरा मंडरा रहा था। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय है, बल्कि उन किसानों के लिए भी बड़ी राहत है, जिनकी आजीविका सेब के बागों पर निर्भर है।

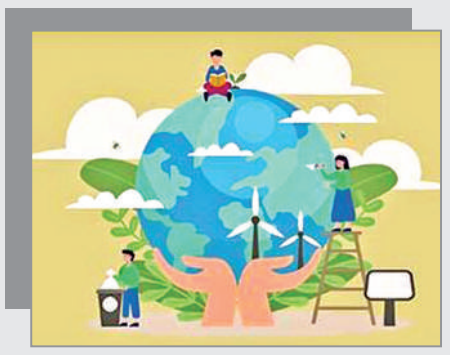

प्रस्तावित रेलवे लाइनों के कारण पुलवामा, शोपिया और अनंतनाग जैसे इलाकों में सेब के हजारों पेड़ों के कटने की आशंका थी। ये इलाके कश्मीर के सेब उत्पादन का केंद्र हैं और वहां की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। बीते एक साल से किसान इस डर में जी रहे थे कि विकास के नाम पर उनकी जमीन और रोजगार छिन जाएगा। इसी आशंका के चलते किसानों ने विरोध प्रदर्शन भी किए और सरकार से इन परियोजनाओं को रद्द करने की मांग की। रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर सरकार और राज्य के सांसदों की सिफारिश पर इन परियोजनाओं को रोका गया है, ताकि बागों को नुकसान से बचाया जा सके। यह निर्णय इस बात की मिसाल है कि यदि सरकार चाहे, तो वह विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना सकती है। पर बड़ा सवाल यह है कि क्या यही संवेदनशीलता देश के अन्य हिस्सों में भी दिखाई जा रही है?

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

इस सवाल के जवाब में राजस्थान के बीकानेर में चल रहा 'खेजड़ी बचाओ-प्रकृति बचाओ' आंदोलन ध्यान खींचता है। यह आंदोलन राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के नाम पर हो रही पर्यावरणीय क्षति के विरोध में खड़ा हुआ है। इस आंदोलन के तहत पर्यावरण संघर्ष समिति ने बीकानेर में तीन दिन पहले महापड़ाव डाला है। महापड़ाव स्थल पर आमरण अनशन पर पहले 363 पर्यावरण प्रेमी बैठे, जिनकी संख्या बाद में 450 हो गई। इनमें 29 संत, एक साध्वी और 68 महिलाएं हैं। अनशन पर 18 के युवा से लेकर 80 साल तक के बुजुर्ग बैठे हुए हैं। तीसरे दिन आमरण अनशन पर बैठे 17 अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ गई। तीन को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा। अब अनशन स्थल पर 75 बेड के दो अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। यह आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी बचाने किया जा रहा है। अनशनकारियों की बिगड़ती तबीयत और अस्थाई अस्पतालों की व्यवस्था इस आंदोलन की गंभीरता को दर्शाती है।

राजस्थान आज देश में सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और जोधपुर जैसे जिलों में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। सरकार और कंपनियों का दावा है कि इससे भविष्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी होंगी और देश का ऊर्जा परिदृश्य बदलेगा, लेकिन इस विकास की कीमत क्या है, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए राजस्थान में पिछले एक दशक में लाखों पेड़ काटे गए हैं। इनमें खेजड़ी जैसे पारंपरिक और जीवनदायी वृक्ष भी शामिल हैं। खेजड़ी को राजस्थान में 'कल्प वृक्ष' का दर्जा प्राप्त है। यह न केवल मरुस्थलीय पर्यावरण को संतुलन देता है, बल्कि इससे सांगरी जैसी सब्जी, पशुओं के लिए चारा और ग्रामीण समुदाय की आजीविका भी जुड़ी हुई है। जन्म से मृत्यु तक के सामाजिक संस्कारों में भी खेजड़ी की मौजूदगी अपरिहार्य है।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रो. अनिल छंगाणी की स्टडी में यह तथ्य उजागर हुआ है कि सोलर लगाने के लिए 10 साल में 50 लाख पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें खेजड़ी, बेर, केर, रोहिड़ा, बबूल आदि शामिल हैं। अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि सौर प्लांटों के आसपास का तापमान औसतन 4-5 डिग्री तक बढ़ जाता है। पेड़ों की कटाई से कीट-पतंगों, मधुमक्खियों, पक्षियों और अन्य जीवों के आवास नष्ट हो रहे हैं। गोंद और चारे की उपलब्धता घट रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हादसे में भाई-बहन व मौसी की मौत

हरदोई में डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, परीक्षा दिलाने लखनऊ आ रहा था

संवाददाता, हरदोई

आदर्श, मधु व कामिनी की फाइल फोटो।

अमृत विचार। मौरंग उतार कर जा रहे डंपर ने सामने से आ रहे बाइक सवार भाई-बहन और उनकी मौसी को टक्कर मारते हुए कुचल दिया, जिससे तीनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस तरह का हादसा शनिवार की सुबह बिलग्राम रोड सुरसा थाने के फार्मपुरवा ढ़ोलिया चौराहे के पास हुआ। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार सुरसा थाने के फतिहापुर निवासी अरविंद अवस्थी के तीन बेटों में सबसे छोटा 21 वर्षीय आदर्श अवस्थी नोएडा में एक मोबाइल कंपनी में टेक्निशियन था। 25 वर्षीय इकलौती बेटी मधु अवस्थी शहर में रहकर पढ़ाई करने के साथ ट्यूशन पढ़ाती थी। 12 फरवरी को अरविंद अवस्थी के भतीजे प्रभात अवस्थी की शादी और शुक्रवार को गांव में उसका तिलक था। आदर्श अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए गुरुवार को गांव आया था। शुक्रवार को तिलक में शामिल होने के लिए उसकी मौसी कामिनी पाण्डेय (45) पत्नी शिवाकांत पाण्डेय निवासी बावन चुंगी कोतवाली शहर भी गांव में थी। शनिवार को मधु को परीक्षा देने के लिए लखनऊ जाना था। इसलिए सुबह वह भाई आदर्श के साथ बाइक से शहर आ रही थी।

तिलक समारोह के बाद अपने घर लौटने के लिए उनकी मौसी कामिनी भी दोनों के साथ बाइक पर सवार हो गई। रास्तें में फार्मपुरवा ढ़ोलिया चौराहे के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे डंपर ने टक्कर मारी और तीनों को कुचलते हुए निकल गया। सुबह-सुबह हुए दर्दनाक हादसे से मौके पर हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पहुंची पुलिस उन तीनों को उठा कर मेडिकल कालेज के लिए भाग खड़ी हुई। लेकिन वहां पहुंचते ही तीनों की मौत हो गई। भाई-बहन के साथ उनकी मौसी की मौत की खबर सुनकर फतिहापुर में कोहराम बरपा हो गया। शादी की सारी खुशियां ग़म में बदल गई। कामिनी पाण्डेय कोतवाली शहर के चिंतालपुरवा निवासी शिवाकांत पाण्डेय को ब्याही थी। लेकिन शिवाकांत परिवार के साथ शहर की बावन चुंगी पर रहे हैं। कामिनी के तीन बेटे और एक बेटी हैं।

राम मंदिर में होगी नए अर्चकों की भर्ती

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने 18 अन्य मंदिरों में भी नियमित पूजा पाठ के साथ पुजारियों की उपस्थिति बनी रहे। सभी मंदिरों में पुजारी दो अलग-अलग शिफ्ट में सेवा देंगे। इसे लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट गठित धार्मिक समिति के सदस्यों के साथ मंथन कर रहा है। रामनवमी से पहले कुछ नये अर्चकों को शामिल किये जाने की संभावना है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों का संपादन कर रहे आचार्यों को पुजारी के रूप में नियुक्त करने की तैयारी कर रहा है। राम मंदिर के परकोटे में बने छह मंदिरों के अलावा सप्त मंडपम, शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला और यज्ञमंडप में भी सुबह-शाम दर्शन शुरू कराने की योजना है। हर मंदिर में दोनों पालियों में न्यूनतम दो-दो पुजारियों की जरूरत होगी। करीब 72 पुजारियों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में 20 पुजारी हैं। नए पुजारियों की भर्ती के प्रस्ताव को ट्रस्ट पहले ही मंजूरी दे चुका है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले ट्रस्ट ने छह महीने की प्रशिक्षण योजना चलाई थी, जिसमें 21 आचार्यों का चयन किया गया था। इनमें से 16 आचार्यों को पुजारी के रूप में नियुक्त किया जा चुका है। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि सभी मंदिरों के निर्माण का कार्य संपन्न हो चुका है।

कला प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखायी अपनी प्रतिभा

कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं अतिथि।

लखनऊ, अमृत विचार : बप्पा श्री नारायण वोकेशनल जूनियर हाईस्कूल में शनिवार को कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों ने सभी धर्मों के सद्भाव को क्राफ्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों को सोशल मीडिया से दूरी बनाते हुए किताबों को अपना दोस्त बनाने की सलाह दी। इस अवसर पर सचिव प्रबंधक डॉ. प्रीति वाजपेई, सहायक सचिव प्रबंधक छोटेलाल, प्रधानाचार्या कीर्ति वर्मा गर्ल्स इंटर कॉलेज, पूर्व प्रधानचार्या पूनम बाजपेई जूनियर हाई स्कूल, प्रधानचार्या अपर्णा सान्याल तथा शिक्षिकाओ में चित्रा मिश्रा, सोनम जायसवाल, मिलन तिवारी, रोशनी पांडे, शिवानी आर्य, आकांक्षा दुबे, सोमा, प्रियंका, दिव्यांशी, लक्ष्मी, नेहा यादव, वैशाली दयाल, जसप्रीत कौर, कोमल शाह, सृष्टि, सौम्या शुक्ला, वर्षा पाठक, जीतेन्द्र शुक्ला (क्लर्क) व अन्य सहकर्मी मौजूद रहे।

लखनऊ नगर निगम

3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लालबाग, लखनऊ. ई-टेण्डर पोर्टल: https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0: 387/मु0अ0/25-26 दिनांक: 07.02.2026

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत पुन: निविदा सूचना

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू–बिड सिस्टम पर दिनांक 20.02.2026 को 01 कार्य हेतु पुन: ई–निविदा, ई–निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई–निविदा दिनांक 20.02.2026 को अपराह्न 15:00 बजे तक ई–निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी, जिन्हें दिनांक 20.02.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जाएगा। किसी भी ई–निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

मुख्य अभियन्ता

राष्ट्रीय

भारत-अमेरिका समझौते पर भाजपा और कांग्रेस में ठनी

देश की आर्थिक वृद्धि के खिलाफ रहती है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के लिए काफी लाभकारी होगा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह हमेशा देश की आर्थिक वृद्धि के खिलाफ रहती है। भाजपा की यह टिप्पणी कांग्रेस के बयान के बाद आई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने जयराम रमेश की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर समझौता करने वाले के रूप में उभरते देखकर कांग्रेस असहज है।

● जयराम रमेश की टिप्पणी पर किया पलटवार

भंडारी ने एक्स पर सवाल किया कि कांग्रेस भारत के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और अर्थव्यवस्था के विकास का हमेशा विरोध क्यों करती है? कांग्रेस यह पचा नहीं पा रही है कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने यूरोपीय संघ और अब अमेरिका के साथ बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे हमारे किसानों, निर्यातकों और एमएसएमई के लिए 30 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक अवसर पैदा हुआ है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि यह समझौता देश की युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका के साथ एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तैयार की है।

समझौता दबाव में, मोदी ने कर दिया समर्पण : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार दावा किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं हुआ, बल्कि अमेरिका का लाभ हुआ है क्योंकि यह समझौता दबाव में किया गया और प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पण कर दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी पर भारी पड़ गया है। नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत एवं अमेरिका के रिश्तों से जुड़े दो बड़े राजनीतिक–कूटनीतिक कार्यक्रम थे, जिनका आयोजन क्रमशः अहमदाबाद और ह्यूस्टन में हुआ था। रमेश ने कहा कि अभी तक इस समझौते के विवरण घोषित नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी बात, जो बिल्कुल स्पष्ट है, वह यह है कि हम रूसी तेल का आयात बंद करने जा रहे हैं और अलग से अमेरिकी सरकार ने यह भी ऐलान कर दिया है कि अगर हम रूस से तेल आयात करते हैं, तब भी हम पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगाया जाएगा। रमेश ने एक्स पर व्हाइट हाउस के एक बयान का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए पोस्ट किया, अमेरिका अब इस पर नजर रखेगा कि भारत रूस से तेल आयात कर रहा है या नहीं।

● कांग्रेस का दावा- व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं

कुलदीप सिंह सेंगर ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को याचिका पर सुनवाई करेगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने 19 जनवरी को मुकदमे में देरी के आधार पर सेंगर की 10 साल की जेल की सजा को निलंबित करने से इनकार करते हुए कहा कि यह आंशिक रूप से इस मामले में उसके द्वारा दायर किए गए कई आवेदनों के कारण हुई थी। इस मामले में सुनवाई अदालत ने 13 मार्च 2020 को सेंगर को 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी। दुष्कर्म के मुख्य मामले में दिसंबर 2019 के फैसले के खिलाफ सेंगर की अपील तथा पिता का मामला भी हाईकोर्ट में लंबित है। दुष्कर्म के मामले में उसे दोषी ठहराया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बलात्कार मामले में उसकी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपील के लंबित रहने तक हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर, 2025 को सजा निलंबित कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 29 दिसंबर, 2025 को निलंबन पर रोक लगा दी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक (FS), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा आलमनगर गुड्स शेड की यांत्रिक सफाई और हाउसकीपिंग के कार्य हेतु ई–निविदा जेम–पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की गई है, जिसमें भाग लेने की अंतिम तिथि दिनाँक 10.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक है। जिसका विवरण निम्नलिखित है –

1	निविदा सूचना संख्या	GEM/2026/B/7190389 दिनाँक– 06.02.2026
2	कार्य का नाम	आलमनगर गुड्स शेड की यांत्रिक सफाई और हाउस्कीपिंग का कार्य
3	अनुमानित लागत	88,423,22.80 (रुपये अठासी लाख बयालीस हज़ार तीन सौ बाईस और अस्सी पैसे मात्र)
4	धरोहर राशि	1,76,850 (एक लाख छिहत्तर हज़ार आठ सौ पचास मात्र)
5	कार्य की अवधि	तीन वर्ष (1095 दिन)
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	10.03.2026 समय 11:00 बजे
7	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	10.03.2026 समय 11:30 बजे
8	वेबसाईट	www.gem.gov.in
9	पात्रता की शर्तें	निविदा प्रपत्र के अनुसार

नोट :– ई–निविदा प्रस्तावों के खुलने के उपरांत निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के प्रपत्र अथवा दस्तावेज स्वीकार नहीं किये जायेगें। यहाँ तक कि निविदादाता द्वारा स्वप्रेरणा (Suo-moto) से निविदा खुलने के बाद प्रस्तुत किए गए अतिरिक्त दस्तावेज़ भी शून्य एवं अमान्य माने जाएंगे।" 433/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय
अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ।
3/435 ए विश्वास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांकः–208 / ल0डा0न0ख0ल0/ई–टेण्डर/ दिनॉक : लखनऊ : 05.02.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्याः–53/अधि0अभि0/ल0डा0न0ख0ल0/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से खण्ड के अन्तर्गत जनपद अयोध्या के विकास खण्ड मवई में स्थापित रूदौली पम्प नहर पर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–टेण्डरिंग के माध्यम से सिंचाई विभाग, उ0प्र0 में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। सिंचाई विभाग उ0प्र0 में सिविल "बी" श्रेणी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फिक्स दरों पर दिनांक 11.02.2026 को प्रातः 10:00 बजे से 19.02.2026 को अपराहन्न 11:00 बजे तक ऑनलाइन ई–निविदाएं निर्धारित बिड फार्म यथा (1) तकनीकी बिड एवं (2) फाइनेन्शियल बिड में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन दिनांक 19.02.2026 को अपराहन्न 01:30 बजे अधिशासी अभियन्ता लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ के कार्यालय मे समिति एंव उपस्थित ठेकेदारो के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने के दशा मे यह निविदा अगले कार्यदिवस मे उसी समय खोली जायेगी। बिड जमा करने का विस्तृत विवरण ई–निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन निविदा के साथ निर्धारित श्रेणी के पंजीकरण प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैसियत प्रमाण पत्र (IDT-2), तथा स्वघोषणा प्रमाण पत्र (IDT-3), रू0 100.00 मात्र के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित कराकर उक्त सभी की पठनीय स्कैण्ड प्रति ऑनलाइन निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी तथा न्यूनतम होने की स्थिति में उपरोक्त समस्त अभिलेखों की मूल प्रति उपलब्ध कराना होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

ई–निविदा हेतु प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि ई–निविदा पोर्टल पर केवल ऑनलाइन रूप से ही जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित तकनीकि विशिष्टियों/शर्तों में कोई विचलन/परिवर्तन मान्य नहीं होगा। निविदा हेतु कार्य एवं अन्य विवरण निम्नानुसार हैः–

क0सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	1st class brick lining work with 100% new brick from 1.080 km to 1.400 km & C.C 1:2:4 cm on bed from chainage 1.080 km to 1.400 km including all cost of material, labour, tool and plant etc. as per bill of quantity at Rudauli pump canal district Ayodhya.	25.63	0.512	30 Days	2354.00	सिविल मे "बी" या उच्च श्रेंणी

Note- GST applicable as per rule.

ई–निविदा से संबंधित समस्त बिड डाक्यूमेन्ट ई निविदा की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 11.02.2026 प्रातः 10:00 बजे से 19.02.2026 की अपराहन्न 11:00 बजे तक निविदा डाक्यूमेन्ट का मूल्य अनलाइन जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। यह निविदा/बिड सूचना सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http:// irrigation.up .nic. in एंव www.idup.gov.in पर उपलब्ध है।

UP - 245520 दिनांक: 06/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ

संघ सत्ता की इच्छा नहीं रखता : भागवत

मुंबई, एजेंसी

● आरएसएस प्रमुख बोले- संघ का उद्देश्य सकारात्मक प्रयासों का समर्थन और उन्हें मजबूत करना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि संघ किसी के खिलाफ नहीं है और ना ही वह सत्ता या लोकप्रियता चाहता है। भागवत ने जनसभा को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उभरी विभिन्न विचारधाराओं का उल्लेख किया, जिनका प्रतिनिधित्व राजा राम मोहन रॉय, स्वामी विवेकानंद और दयानंद सरस्वती सहित सुधारकों और नेताओं ने किया।

भागवत ने कहा कि आरएसएस का मुख्य उद्देश्य देश में जारी सकारात्मक प्रयासों का समर्थन और उन्हें मजबूत करना है। आरएसएस राजनीति में भी शामिल नहीं है, हालांकि संघ से जुड़े कुछ लोग राजनीतिक जीवन में सक्रिय हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 1925 में आरएसएस की स्थापना से पहले के देश की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को एक सुरक्षा वाल्व के रूप में स्थापित किया, लेकिन भारतीयों ने इसे स्वतंत्रता संग्राम का शक्तिशाली साधन बना दिया।

केंद्र विकसित-समृद्ध जम्मू कश्मीर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध : शाह

जम्मू, एजेंसी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू कश्मीर में विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और केंद्र शासित प्रदेश में जलविद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता का उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। लोक भवन में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र विकसित और समृद्ध जम्मू कश्मीर के निर्माण के दृष्टिकोण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव अटल दुल्लू और डीजीपी नलिन प्रभात शामिल थे। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र के समर्पित प्रयासों से, जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं ने अभूतपूर्व प्रगति की है।

संसद को मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है सरकार : रीजीजू

पटना, एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि सरकार डरने वाली नहीं है, लेकिन वह टकराव और हंगामे की राजनीति भी नहीं चाहती। सरकार संसद को शांतिपूर्ण और मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है। रीजीजू ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय में यह टिप्पणी की।

लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बोलने देने से जुड़े सवाल पर रीजीजू ने कहा कि सरकार चाहती तो मार्शलों के जरिये सदन से सदस्यों को बाहर कराकर प्रस्ताव पारित करवा सकती थी, लेकिन वह सभी का सम्मान करती है। हम टकराव नहीं, बल्कि संवाद और मर्यादा के साथ संसद की कार्यवाही चलाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में कांग्रेस के 40-50 सांसद पहुंचे थे और वहां अनर्गल बातें कही थीं। रीजीजू ने बताया कि वह स्वयं वहां मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई, क्योंकि सरकार शांति की पक्षधर है। कांग्रेस सांसदों की टिप्पणियों के बाद लोस अध्यक्ष ने एहतियाती कदम उठाया और प्रधानमंत्री से लोस की बजाय रास में बोलने का अनुरोध किया गया।

बहस लोकतंत्र का हिस्सा, मर्यादा बनी रहनी चाहिए : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि बहस और चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन सदन की मर्यादा हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए। बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस पर विधानमंडल के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में बिरला ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। विधानसभा और संसद के सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का विशेषाधिकार है। उन्हें अपने विचार साझा करने चाहिए, लेकिन ऐसा करते समय गरिमा बनाए रखनी होगी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं सिपाही शिव कुमार पुत्र श्री जगदीश सिंह भारतीय सेना में तैनात हु। मेरा सेना रिकार्ड में मेरे पिता की जन्मतिथि 01.01.1971 गलती से दर्ज हो गई थी, जबकि पिता के सभी प्रपत्रों में जन्मतिथि 01.01.1964 है। अब मैं अपने पिता की सेना आधिकारिक रिकार्ड में पिता की सही जन्मतिथि 01.01.1964 दर्ज कराना चाहता हु। **शिव कुमार पुत्र जगदीश सिंह निवासी ग्राम अलीपुर पो0 असालताबाद, छिबरामऊ (कन्नौज)।**

सूचना

मैं **सुगम कुमार पुत्र कृष्णकान्त, निवासी– मुह0 नवीननगर बाबरपुर तहसील अजीतमल जिला औरैया।** मेरे बचत खाता सं0 2771645558 में मेरा नाम कृष्णकान्त दर्ज हैं। जबकि आधार कार्ड व अन्य कागजातों में मेरा नाम सुगम कुमार दर्ज है। मेरे खाता सम्बन्धी समस्त कागजातों में मेरा नाम कृष्णकान्त की जगह सुगम कुमार संशोधित कर संशोधित पासबुक जारी किया जाय।

सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि, मैं PHURBA TAMANG S/O BAM BAHADUR TAMANG R/O LOWER LINGSEBONG- DARJEELING BANS BOTEY WEST BANGAL 734201- मेरे पुत्र ARMY NO JC6357 O9y- RANK SUB. UNIT-11 GRRC के सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम एवं D.O.B FURBA TAMANG -DOB 14/Nov/1945 हो गया है। जब कि मेरा सही व वास्तविक जन्मतिथि PHURBA TAMANG-D.I.O.B 17/MAR/1954 है।

सूचना

मेरा नाम नीलम कुमारी था, विवाह के बाद श्रीमती नीलम सिंह परिहार हो गया है अब हमें श्रीमती नीलम सिंह परिहार के नाम से जाना वह पहचान जाए। **पत्नी श्री रजत परिहार, पुत्री श्री चंद्रपाल सिंह निवासी एल आई जी, 115 0– आवास –विकास–3 कल्यानपुर कानपुर नगर**

सूचना

मैने अपना नाम KM.QAMMAR JABIN से बदलकर QAMAR RIZVI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SYED ARSHAD HUSAIN RIZVI R/0-182/055A MASHAKGANJ AMINABAD, DIST-LUCKNOW-226018 (U.P.)

सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि मैं 'SANJEETA TAMANG पत्नी श्री LAKPA TAMANG निवासनी UPPAR HARING HATTA DARJEELING, PUL BAZAR WEST BANGAL 734105 मेरे पति ARMY NO JC635709Y- RANK-SUB UNIT 11 GRRC के सर्विस रिकार्ड में त्रुटिवश SANJEETA TAMANG हो गया है। मेरा सही व वास्तविक नाम SANJEETA TAMANG है।

सूचना

पहले मेरा नाम सैय्यद अफजल अली पुत्र सैय्यद इशरत था दस्तावेजों में मेरा नाम सैय्यद अफजल अली पुत्र सैय्यद इशरत अली अंकित है मेरे पिता के नाम के पीछे अली शब्द छूट गया था अब मुझे सैय्यद अफजल अली पुत्र सैय्यद इशरत अली के नाम से जाना जाये। **सैय्यद अफ़ज़ल अली पुत्र सैय्यद इशरत अली निवासी मोहल्ला जिगरगंज थाना कोतवाली नगर जनपद गोण्डा।**

सूचना

मेरे भूखन्ड सं0–14 जो खसरा सं0–987 का मि0–रकबा–1500 वर्ग फिट स्थित ग्राम–सरसवाँ (नगर निगम सीमा के अन्दर) परगना–लखनऊ तहसील–सरोजनी नगर लखनऊ का मूल विक्रय विलेख जो दि0–21/01/14 को बही सं0–1 जिल्द सं0–14866 पृष्ठ सं0–323 से 356 क्रमांक–909 पर उपनिबंधक द्वितीय, लखनऊ के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत है, कही खो गया है। किसी अन्य द्वारा प्रयोग अवैध होगा। **मनीष कुमार वर्मा पुत्र श्री केदार नाथ वर्मा।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा एक बैनामा जो दिनांक 27–12–1969 बही सं. 01, जिल्द नं. 902, पेज नं. 37 से 40 तक क्रमांक 31–35, जिसे प्रार्थी ने भोला पुत्र जगन्नाथ से खरीदा है, जो कोर्ट जाते समय रास्ते में कही रखो गया। उक्त बैनामे का यदि कोई व्यक्ति दुरुपयोग करता है, तो उसे अवैध माना जाय। प्रार्थी **- अजय कुमार पुत्र अर्जुन लाल 69 नियावां रोड, फैजाबाद (अयोध्या)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कदीरुन्निशा पत्नी हैदर अली, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर दाऊदपुर, पोस्ट हुनहुना, तहसील रुदौली, जनपद अयोध्या के पासपोर्ट संख्या M8381191 में नाम गलती से KADIRUNNISHAN अंकित हो गया है। जबकि आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में सही नाम KADIRUNNISHA दर्ज है। अतः भविष्य में शपथी का सही नाम KADIRUNNISHA ही माना जाए।

निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 303/6ए दिनांक 02.02.2026 के द्वारा निम्नलिखित विवरण के अनुसार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है, निविदा दिनांक 09.02.2026 से 17.02.2026 को 12.00 बजे तक आन लाईन अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा दिनांक 17.02.2026 को 12.30 बजे आन लाईन खोली जायेगी। संबंधित निविदा बेबसाइट http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी साफ्टवेयर से आमंत्रित की जाती है।

Sl. No	DISTRICT	Name of Work	Vidhansabh	Estimated cost (Rs.in Lac)	Bid Security (Rs. in Lacs)	Cost of Document (in Rs.)	Address of Executive Engineer of the Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण									
1	Ayodhya	रेछ सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	21.70	2.17	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 854.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
2	Ayodhya	मानापुर सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	7.10	0.71	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 766.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
3	Ayodhya	गामा का पुरवा सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	5.50	0.55	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 766.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
4	Ayodhya	कलापुर सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	7.60	0.76	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 766.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
5	Ayodhya	पूरे पंडित सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	2.10	0.21	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 766.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
6	Ayodhya	सहजना सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	13.60	1.36	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 854.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
7	Ayodhya	मिया का पुरवा अलियाबाद रौजागांव कि0मी0–02 से सहवाज चक सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	2.10	0.21	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 766.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
8	Ayodhya	रूदौली सैदपुर कि0मी0–13 से अमानीगंज से काली गोसाई सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	15.00	1.50	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 854.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
Sl. No	DISTRICT	Name of Work	Vidhansabh	Estimated cost (Rs.in Lac)	Bid Security (Rs. in Lacs)	Cost of Document (in Rs.)	Address of Executive Engineer of the Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
9	Ayodhya	भेलसर रूदौली इन्हौना मार्ग कि0मी0–14 से तालगांव सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	25.00	2.50	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 854.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya
10	Ayodhya	बाबा बाजार सैदपुर मार्ग से उसरवा सम्पर्क मार्ग।	रूदौली	17.00	1.70	Tender Cost +Stationary Charges+ GST Rs 854.00	C.D-4, P.W.D. Ayodhya	Ayodhya / Ambedkarnagar, Circle, P.W.D., Ayodhya	Ayodhya Zone, P.W.D. Ayodhya

UP - 245382 दिनांक: 06/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(शशि भूषण सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–4, लो0नि0वि0
अयोध्या

समावेशी वृद्धि को दिशा देने वाला बजट : नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा कि केंद्रीय बजट कौशल विकास पर जोर देते हुए निरंतर, तेज और समावेशी वृद्धि को दिशा देगा। विरमानी ने जोर दिया कि भविष्य में कौशल विकास और सेवा क्षेत्र देश की तस्वीर बदल देंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में विनिर्माण को बढ़ावा देने के उपाय, वैश्विक डेटा केंद्रों के लिए दीर्घकालिक कर प्रोत्साहन और कृषि व पर्यटन के लिए समर्थन की घोषणा की गई थी।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 8 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आरसीपीएल ने जीजीजी में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया स्थित गुडनेस ग्रुप ग्लोबल (जीजीजी) में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की। इस सौदे में बेटर-फॉर-यू पेय व्यवसाय शामिल है, जिसके जरिये आरसीपीएल को ऑस्ट्रेलियाई बाजार में प्रवेश करने और विदेशी उपस्थिति का विस्तार करने में मदद मिलेगी। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत, आरसीपीएल भारत सहित नए बाजारों में गुडनेस ग्रुप के प्रमुख स्वास्थ्यवर्धक पेय ब्रांड जैसे नेक्सबा और पेस को बढ़ावा देने में मदद करेगी। कंपनी ने इस अधिग्रहण की राशि और हिस्सेदारी के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया है। यह स्वास्थ्य आधारित पेय पोर्टफोलियो विकसित करने के आरसीपीएल के प्रयासों को और मजबूत करती है।

एसबीआई का लाभ रिकॉर्ड 21,028 करोड़

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को तीसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए, जिसके अनुसार बैंक का एकल लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच कर 21,028 करोड़ रहा। शेयर बाजार के मुताबिक एकीकृत आधार पर सार्वजनिक बैंक का लाभ 13.06 प्रतिशत बढ़ा है। एकल ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 9.04 प्रतिशत बढ़कर 45,190 करोड़ रहा। ऋण में 15.14 प्रतिशत की वृद्धि से इसे समर्थन मिला, हालांकि घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 0.03 प्रतिशत घटकर 3.12 प्रतिशत रह गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की गैर-ब्याज आय 15.65 प्रतिशत बढ़कर 8,404 करोड़ रुपये रही।

फिक्स्ड नेटवर्क को नोकिया का केंद्र शुरू

चेन्नई। नोकिया ने तमिलनाडु में फिक्स्ड नेटवर्क के लिए दुनिया का अपना सबसे बड़ा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र खोला है, जो दूरसंचार क्षेत्र में राज्य के नेतृत्व को और मजबूत करता है। राज्य के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बताया कि फिनलैंड की दिग्गज दूरसंचार कंपनी का यह विस्तार अगस्त 2024 में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अमेरिका यात्रा के दौरान तमिलनाडु सरकार के साथ हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का परिणाम है। राजा ने पोस्ट कर बताया कि फिक्स्ड नेटवर्क के लिए नोकिया के दुनिया के सबसे बड़े आरएंडडी केंद्र का स्वागत करें।

44 अरब डॉलर के अमेरिकी निर्यात पर लगेगा शून्य शुल्क

द्विपक्षीय समझौते के पहले चरण पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद

- दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर करेंगे आयात शुल्क कम
- केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा- शुल्क में कमी से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को तत्काल बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के तहत अमेरिका को होने वाले लगभग 44 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर शून्य जवाबी शुल्क लगेगा। इस समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका ने घोषणा की है कि वे एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को मौजूदा 50 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, वहीं भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं।

गोयल ने कहा कि 44 अरब डॉलर मूल्य का भारतीय निर्यात अमेरिका को शून्य जवाबी शुल्क पर जाएगा। जहां 30 अरब डॉलर मूल्य की भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा (जिसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों की वस्तुएं शामिल हैं), वहीं 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं (इस्पात, तांबा और कुछ वाहन घटक सहित) के शुल्क में कोई बदलाव नहीं होगा। इस्पात, एल्युमीनियम, तांबा और वाहन घटक पर ये शुल्क सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए ये केवल भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित नहीं करते हैं। इन उत्पादों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत शुल्क लगता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की जानकारी देते केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में अन्य लोग।

अंतरिम को जल्द बदलेंगे बीटीए में

गोयल ने कहा कि शुल्क में कमी से कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते-चप्पल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को तत्काल बढ़ावा मिलेगा। जिस अंतरिम समझौते को अंतिम रूप दिया गया है, उसे जल्द ही हमारे संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त में बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक बहुत ही निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित समझौते पर पहुंचे हैं, जो भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। एक कार्यकारी आदेश के जरिये अमेरिका द्वारा 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। यह आदेश जल्द ही आ सकता है।

कई भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क

गोयल ने कहा कि जेनेरिक दवा, विमान के पुर्जों, वाहन घटक आदि जैसे कई भारतीय उत्पादों पर शून्य शुल्क दिया जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भारतीय निर्यात के लिए व्यापक संभावनाएं खुलेंगी। यह समझौता एमएसएमई, किसानों, मछुआरों, युवाओं, महिलाओं और भारत के प्रतिभाशाली लोगों के लिए अवसर प्रदान करेगा। इससे किसानों और मछुआरों को अमेरिकी बाजार में अपनी उपज की बेहतर कीमत पाने में मदद मिलेगी और भविष्य में कपड़ा और परिधान, रत्न और आभूषण, मशीनरी के पुर्जे, खिलौने, चमड़ा और जूते-चप्पल, घरेलू सजावट, स्मार्टफोन और कृषि के कई क्षेत्रों में भारी वृद्धि होगी।

अमेरिकी बाइक पर शून्य शुल्क, डेविडसन को होगा लाभ

भारत समझौते के तहत 800-1,600 सीसी और उससे अधिक इंजन क्षमता वाली अमेरिकी बाइकों के लिए शून्य-शुल्क पहुंच देगा। एक अधिकारी ने बताया कि इस कदम से प्रतिष्ठित अमेरिकी ब्रांड हार्ले-डेविडसन को फायदा होगा। पिछले साल सरकार ने पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयातित 1,600 सीसी तक क्षमता वाली बाइकों पर आयात शुल्क को 50 से घटाकर 40% किया था। दूसरी ओर 1,600 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों के लिए शुल्क 50 से घटाकर 30% किया गया था। अधिकारी ने कहा कि शुल्क समाप्ति समझौते के लागू होने के दिन से प्रभावी होगी। भारत हाई-एंड प्रीमियम बाइक के लिए छोटा बाजार है और इस खंड में अमेरिका की हिस्सेदारी बहुत कम है। हीरो मोटोकॉर्प और हार्ले-डेविडसन ने अक्टूबर 2020 में भारतीय बाजार के लिए साझेदारी की घोषणा की थी। इस सौदे के तहत हीरो मोटोकॉर्प को देश में हार्ले-डेविडसन ब्रांड के तहत प्रीमियम बाइकों की श्रृंखला विकसित करने और बेचने की जिम्मेदारी दी गई थी। उसे सर्विस और पुर्जों का ध्यान रखने का भी काम सौंपा गया है।

बोइंग भारत से विमान के कलपुर्जों का बड़ा खरीदार, समझौते से उत्साहित

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका स्थित बोइंग भारत से विमान के कलपुर्जों की बड़ी खरीदार है। अमेरिकी कंपनी भारत को घटकों के लिए सबसे बड़े विदेशी मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) आधार के रूप में देख रही है। भारत के साथ समझौते के तहत अमेरिका कुछ विमानों और विमान के कलपुर्जों पर शुल्क हटाने पर सहमत है। गोयल ने कहा, बोइंग और एयरबस पहले से ही भारत से विमान के कलपुर्जों के बड़े खरीदार हैं, दोनों कंपनियां साझेदारी से उत्साहित है। भारत विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग के लिए प्रमुख बाजार है और देश में इसके 265 से अधिक वाणिज्यिक और सैन्य विमान हैं। कंपनी के पास 325 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं और देश से इसकी वार्षिक खरीद 1.25 अरब डॉलर की है। इस राशि में कलपुर्जे और सेवाएं शामिल हैं। इसी तरह, एयरबस का लक्ष्य भी 2030 तक भारत से घटकों और सेवाओं की अपनी खरीद को बढ़ाकर दो अरब डॉलर करना है। वर्तमान में यह लगभग 1.4 अरब डॉलर है।

भारत-अमेरिका का समझौता अवसर पैदा करेगा: बोइंग

विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने कहा कि भारत-अमेरिका समझौता कई अवसर पैदा करेगा। कंपनी ने हमेशा एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए जीरो-फॉर-जीरो शुल्क दृष्टिकोण की वकालत की है। बोइंग इंडिया और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने कहा कि यह समझौता कई गुना अवसर खोलता है। यह सौदा उस सिद्धांत को विस्तार देने को गति प्रदान करता है, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी और दोनों देशों के लिए लाभ की स्थिति पैदा होगी। बोइंग ने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए शून्य टैरिफ का समर्थन किया है क्योंकि यात्रा, कनेक्टिविटी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ता है।

संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों पर अमेरिका को रियायत नहीं

भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पॉल्ट्री, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों के मामले में अमेरिका को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है और इन क्षेत्रों को पूरी तरह संरक्षण दिया गया है। भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमत होने की घोषणा की। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर कहा कि यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके तहत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पॉल्ट्री, दूध, पनीर, एथनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि एवं डेयरी उत्पादों को संरक्षित किया गया है। इन वस्तुओं का संबंध भारत के छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से जुड़ा होने से इन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सभी व्यापार वार्ताओं में किसानों के हित सर्वोपरि हैं और मोदी सरकार किसानों की रक्षा करने और ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफटीए में भी कृषि और डेयरी उत्पादों पर आयात शुल्क रियायत नहीं

गोयल ने कहा कि रूपरेखा के माध्यम से भारतीय वस्तुओं के लिए तरजीही पहुंच सुनिश्चित करते हुए, अनाज, फल, सब्जी, मसाले, तिलहन, डेयरी, मुर्गी पालन और मांस सहित कई अन्य संवेदनशील कृषि क्षेत्र को लेकर कोई रियायत नहीं दी गई है। भारत ने अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भी संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों पर किसी तरह की आयात शुल्क रियायत नहीं दी है। हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे व्यापार समझौतों के तहत, कुछ क्षेत्रों में आयात शुल्क को समझौता लागू होने के दिन ही समाप्त कर दिया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों में इसे धीरे-धीरे कम किया जाता है। कुछ क्षेत्रों में शुल्क घटाया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों में कोटा आधारित रियायतें प्रदान की जाती हैं। भारत ने हमेशा से ही डेयरी, चावल, गेहूं, मांस, पॉल्ट्री, अनाज, आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य पदार्थ, सोयामील और मक्का जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को अपने व्यापार समझौतों के दायरे से बाहर रखा है। कृषि और पशुपालन जैसी संबद्ध गतिविधियां भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो 70 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं।

मध्यम से उच्च आयात शुल्क और नियमों के जरिये दिया संरक्षण

भारत के कृषि क्षेत्र को वर्तमान में मध्यम से उच्च आयात शुल्क और नियमों के जरिये संरक्षण दिया गया है, जो करोड़ों घरेलू किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाते हैं। अमेरिका से भारत को कृषि निर्यात वर्ष 2024 में 1.6 अरब डॉलर था। इन प्रमुख निर्यातों में बादाम (छिलके सहित, 86.8 करोड़ डॉलर), पिस्ता (12.1 करोड़ डॉलर), सेब (2.1 करोड़ डॉलर), एथनॉल (एथिल अल्कोहल, 26.6 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। भारत की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी के आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर होने से भारत इस पूरे क्षेत्र को संवेदनशील मानता है। आयात या सीमा शुल्क विशेष रूप से मुख्य फसलों, दुग्ध उत्पादों और प्रमुख कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो ग्रामीण आजीविका को बनाए रखते हैं। भारत का लक्ष्य अगले चार साल में कृषि, समुद्री उत्पाद और खाद्य एवं पेय पदार्थों के संयुक्त निर्यात को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

अमेरिकी सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने समझौते के तहत अमेरिकी सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है, जबकि घरेलू सेब उत्पादकों के हितों को सुरक्षित रखा है। समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी सेब पर 80 रुपये प्रति किग्रा का न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) और 25% आयात शुल्क लगाया है। इसका प्रभावी अर्थ ये है कि अमेरिका से 100 रुपये प्रति किग्रा से कम कीमत वाले सेब का आयात नहीं हो सकता। इस समय आयातित सेब पर 50% आयात शुल्क और 50 रुपये प्रति किग्रा का एमआईपी लागू है, जो प्रभावी रूप से 75 रुपये प्रति किग्रा से कम कीमत वाले सेब के आयात को रोकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, आईपी के लिए अमेरिका के साथ काम कर रहा भारत : वैष्णव

बेंगलुरु। अमेरिका और भारत के बीच शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स और बौद्धिक संपदा (आईपी) से संबंधित मामलों पर अमेरिका के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है। भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाली गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने का आह्वान किया गया है। इसमें विशेष रूप से अमेरिकी चिकित्सा उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) वस्तुओं के व्यापार से जुड़ी बाधाओं का उल्लेख है। वैष्णव ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय इस पर विवरण साझा करने वाला नोडल निकाय है, लेकिन जहां तक इलेक्ट्रॉनिक्स का सवाल है, भारत चर्चा में गहराई से शामिल है।

समझौता वैश्विक निवेशकों के भरोसे का प्रतीक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग जगत ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा वैश्विक निवेशकों के भरोसे का प्रतीक है और प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी तक पहुंच तथा आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ावा देता है। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि वे अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने को कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे।

फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि यह दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच आर्थिक तालमेल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक साझेदारी शुल्क को कम करने, नियामक बाधाओं को दूर करने और विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसरों को खोलने के लिए बनाई गई है। जैसे-जैसे भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, यह समझौता प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी तक पहुंच और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को समय पर बढ़ावा देगा।

उद्योग निकाय सीआईआई (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि सीआईआई भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार ढांचे का एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में एक समय पर उठाए गए कदम के रूप में स्वागत करता है। यह बढ़ते विश्वास, नीतिगत तालमेल और खुले, अनुमानित तथा नियम-आधारित व्यापार के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह समझौता वैश्विक उद्योग और निवेशकों को विश्वास का एक मजबूत संकेत देता है।

जेके पेपर के सीएमडी और जेके ऑर्गनाइजेशन के निदेशक हर्ष पति सिंघानिया ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि यह समझौता प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाएगा, उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को मजबूत करेगा और स्थायी औद्योगिक वृद्धि का समर्थन करेगा।

विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला को मिलेगी मजबूती : एक्मा

भारत और अमेरिका का समझौता ढांचा दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच द्विपक्षीय व्यापार, विनिर्माण सहयोग और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी घोषणाएं द्विपक्षीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी को मजबूत करने के स्पष्ट इरादे का संकेत देती हैं। एक्मा के अध्यक्ष विक्रमपति सिंघानिया ने कहा, वाहन कलपुर्जा के लिए तरजीही शुल्क दर कोटा की प्रतिबद्धता, चुनिंदा कच्चे माल पर धारा 232 के शुल्क को हटाना और समझौते के तहत शुल्क युक्तिकरण का रास्ता वास्तव में उद्योग के लिए सकारात्मक कदम हैं। इनसे निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, प्रौद्योगिकी सहयोग मजबूत होगा और लचीली वैश्विक वाहन आपूर्ति श्रृंखलाओं में विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

भारत-अमेरिका दवा साझेदारी को मजबूत करना अहम : आईपीए

नई दिल्ली। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) ने कहा कि भारत-अमेरिका दवा साझेदारी को मजबूत करना महत्वपूर्ण है क्योंकि दवा सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि जेनेरिक दवाओं को शुल्क से छूट दी गई है। जैसा कि संयुक्त बयान में बताया गया है, कुल मिलाकर फार्मास्यूटिकल्स (जेनेरिक सहित) अमेरिकी धारा 232 जांच के अधीन हैं। यह एफटीए में अपनाए दृष्टिकोण के अनुरूप है। अमेरिकी धारा 232 जांच, वाणिज्य विभाग के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के उद्देश्य से की जाती है। पॉली मेडिकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हिमांशु बैद ने कहा कि भारतीय चिकित्सा उपकरणों पर अमेरिकी आयात शुल्क 18% होने से, भारतीय मेडटेक निर्यातकों को दुनिया के सबसे परिष्कृत स्वास्थ्य सेवा बाजारों में से एक में, एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी लाभ मिलता है।

अमेरिकी किसानों, उत्पादों को बड़ा बाजार देगा समझौता : यूएसटीआर

- भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क खत्म या घटाने को प्रतिबद्ध

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी किसानों एवं उत्पादकों को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक बेहतर पहुंच दिला रहे हैं। अमेरिका की विदेशी व्यापार नीति के विकास और प्रोत्साहन के लिए जिम्मेदार संस्था यूएसटीआर ने कहा कि भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क खत्म करने या घटाने की प्रतिबद्धता जताई है। यूएसटीआर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेवों, पशु आहार में प्रयुक्त होने वाले अनाज अवशिष्ट से लेकर लाल ज्वार और ताजे एवं प्रसंस्कृत फलों तक, अमेरिका-भारत समझौते से अमेरिकी उत्पादों के लिए नया बाजार खुलेगा। व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की पहुंच को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक बढ़ा रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दूत जैमीसन ग्रीर ने कहा कि आज की घोषणा अमेरिका और भारत के बीच गहराते संबंधों को दर्शाती है, जिससे दोनों देशों के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित होंगे। व्हाइट हाउस ने संयुक्त बयान में कहा कि दोनों पक्ष एक दूसरे के लिए लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार के लिए अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं।

एमएसएमई को वैश्विक श्रृंखलाओं से जोड़ेगा समझौता : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम समझौता ढांचा भारतीय एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने में मदद करेगा और इससे व्यवसायों तथा उपभोक्ताओं के लिए लागत कम होगी। इस ढांचे के तहत दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। सीतारमण के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया कि भारत ने अपने कृषि और पशुपालन क्षेत्रों की संवेदनशीलता को सुरक्षित रखा है। यह ढांचा प्रमुख कृषि और डेयरी उत्पादों, मसालों और मुख्य खाद्य पदार्थों की रक्षा करता है, जिससे किसानों की आय मजबूत होगी। यह ढांचा डिजिटल सेवा क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को मजबूत करेगा। साथ ही संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग भारत को एआई, डेटा और डिजिटल सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अमेरिकी समझौता भारत के वृद्धि इंजन को देगा नई ताकत : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता भारत के तेजी से बढ़ते विकास के इंजन को नई ताकत प्रदान करेगा। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को हकीकत में बदलते हुए, यह समझौता मेक इन इंडिया, मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप क्षेत्र के नए प्रयोगकर्ताओं और मछुआरों के लिए बड़ी तरक्की के द्वार खोलता है। साथ ही, यह युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा करेगा।

भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित: चौहान

सीहोर (मप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार चौहान ने कहा कि कृषि मंत्री के रूप में मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारे किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है, चाहे वह बासमती, चावल, मसाले हों या कपड़ा क्षेत्र। निर्यात में वृद्धि से भारतीय किसानों के लिए नए बाजार खुलेंगे और उनकी आय कई गुना बढ़ जाएगी। इससे किसानों को लाभ होगा। कुछ लोगों द्वारा इस समझौते को लेकर शोर मचाया जा रहा है कि यह विनाशकारी होगा। किसानों के हितों की पूरी रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए समझौते के अनुसार, हमारी सभी फसलें सुरक्षित हैं। अमेरिका से कोई मक्का, गेहूं, चावल, सोयाबीन, पोल्ट्री उत्पाद, दूध, पनीर, एथनॉल, ईंधन या तंबाकू नहीं आएगा। उन्होंने लोगों और किसानों से आह्वान किया कि वे भारतीय किसानों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करें।

अमेरिकी बाजार में रत्नों का शुल्क मुक्त प्रवेश ऐतिहासिक

मुंबई। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त प्रवेश की घोषणा का स्वागत किया है। उद्योग का कहना है कि यह टर्निंग पॉइंट है, जिससे इस क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने कहा कि हम हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच की घोषणा से बेहद उत्साहित हैं। हमारे सबसे बड़े बाजार (अमेरिका) को होने वाले कटे और पॉलिश किए हीरों का निर्यात 60% से अधिक गिर गया था। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि शुल्क शून्य होने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी। यह सफलता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करती है। कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा कि भारत हीरा प्रसंस्करण का वैश्विक केंद्र होने के बावजूद व्यापार शुल्क के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ था। शुल्कों में इस छूट से निर्यात को पुनर्जीवित करने और व्यापार में चमक वापस लाने में मदद मिलेगी।

यूपी दर्शन पार्क में जीवंत हुए दुनिया के सात अजूबे

लखनऊ। भारत के प्रमुख 'वेस्ट टू वंडर' पार्कों में से एक, यूपी दर्शन पार्क में चुनिंदा सात अजूबों की लघु आकृतियों की एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित हो रही है। 7 से 15 फरवरी 2026 तक चलने वाली यह प्रदर्शनी पर्यटकों को एक ही जगह पर दुनिया की मशहूर इमारतों और उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों को देखने का अनोखा मौका देती है। यूपी दर्शन पार्क लखनऊ के लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है क्योंकि यहाँ कला, इतिहास और रोमांचक खेलों का बेहतरीन अनुभव मिलता है। इस पार्क में उत्तर प्रदेश की खास इमारतों को दिखाया गया है, जिन्हें कबाड़ से बनाया गया है। यूपी दर्शन पार्क में होने वाली इस प्रदर्शनी में दुनिया के मशहूर स्मारकों की बारीकी से बनाई गई आकृतियाँ दिखाई जाएँगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, प्रथमेश कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यूपी दर्शन पार्क लखनऊ के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में से एक है। यूपी दर्शन पार्क न केवल राज्य के स्मारकों को दर्शाती आकर्षक मूर्तियाँ पेश करता है, बल्कि यहाँ हर उम्र के लोगों के लिए मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध हैं, जो इसे पूरे दिन की सैर के लिए एक बेहतरीन स्थान बनाते हैं। मुझे खुशी है कि अब इस पार्क में दुनिया के 7 अजूबों में से कुछ की प्रतिकृतियां भी देखने को मिलेंगी।

सुनवाई | मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

बैंक खातों पर असंगत तरीके से रोक लगाना मनमानी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि जब खाताधारक न तो आरोपी हो और न ही संदिग्ध, तो बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगाना मनमाना कदम है और किसी की आजीविका, व्यवसाय की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के खिलाफ है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि बिना सोचे-समझे खातों पर रोक की कार्रवाई किसी निर्दोष इकाई के कारोबार को ठप कर देती है, जिससे उसकी व्यावसायिक साख को नुकसान होता है और आर्थिक दुष्परिणाम झेलने पड़ते हैं।

अदालत ने मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में केंद्र और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) को एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को उसके बैंक खातों पर रोक लगाने को दिए आदेश को वापस लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। गृह मंत्रालय के तहत स्थापित आई4सी साइबर अपराध के खिलाफ नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। एक ग्राहक के खिलाफ धोखाधड़ी की साइबर शिकायत दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता के बैंक खाते पर रोक लगा दी गई थी। पुलिस के निर्देशों के अनुसार मार्च 2025 तक उसके खातों में 80 लाख रुपये पर रोक की कार्रवाई हुई। अदालत ने 16 जनवरी को पारित फैसले में आई4सी को निर्देश दिया कि वह तुरंत एसबीआई और एचडीएफसी बैंक को याचिकाकर्ता के बैंक खातों पर लगी रोक को हटाने का निर्देश दे।

- एसबीआई और एचडीएफसी को उसके खातों पर रोक के आई4सी के आदेश पर रोक का अनुरोध

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ न तो कोई शिकायत थी और न ही कोई मिलीभगत प्रदर्शित हुए। विभिन्न राशियों पर रोक जारी रखने से याचिकाकर्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा क्योंकि उसे कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने और अपने व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने अन्य दिन-प्रतिदिन के खर्चों को पूरा करने को लेकर अपने धन का इस्तेमाल करने से रोक दिया। अदालत ने कहा कि बैंक खातों पर असंगत तरीके से रोक लगाना खासकर तब जब खाताधारक न तो आरोपी हो और न ही जांच में संदिग्ध, मनमाना है। यह मौलिक अधिकारों, जिनमें आजीविका का अधिकार और व्यापार-व्यवसाय करने की स्वतंत्रता शामिल है का उल्लंघन है। अगर किसी जांच एजेंसी के पास याचिकाकर्ता की संलिप्तता का संकेत देने वाली सामग्री है, तो वह सख्ती से उचित कार्रवाई शुरू कर सकती है। याचिका में कहा गया कि अधिकारियों ने याचिकाकर्ताओं के बैंक खातों पर मशीनी तरीके से रोक लगा दी, जिससे व्यापार ठप हो गया और याचिकाकर्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन हुआ।

कलपुर्जों के वेयरहाउस को सेफ हार्बर व्यवस्था से मिलेगा बेहतर कर-पश्चात लागत का विकल्प

नई दिल्ली। बजट में विनिर्माण से जुड़े कलपुर्जों के भंडारण के लिए प्रस्तावित नई सेफ हार्बर व्यवस्था से कम नियामक जोखिम और बेहतर कर-पश्चात लागत का विकल्प मिलेगा। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने शनिवार को यह कहा।

- वर्तमान कर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में होगा काफी कम

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए लॉजिस्टिक दक्षता का लाभ उठाने के लिए बजट 2026-27 में प्रवासियों को बॉन्डेड वेयरहाउस में कलपुर्जों के भंडारण के लिए इनवॉइस मूल्य के दो प्रतिशत के लाभ मार्जिन पर सेफ हार्बर प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। इससे लगने वाला 0.7% का कर अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में काफी कम होगा। सेफ हार्बर का अर्थ ऐसी सुरक्षित सीमा से है, जिसके भीतर रहने पर किसी कंपनी या व्यक्ति पर कर विभाग कोई कानूनी आपत्ति नहीं उठाता है। बजट प्रस्ताव आकर्षक है, क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कर का लाभ देता है, जो वियतनाम और इसी तरह के अन्य केंद्रों के एक प्रतिशत के प्रभावी कर से भी कम हो सकता है। इससे कम कर वाले देशों के विपरीत, जहां लाभ प्रोत्साहन, गुणवत्ता परीक्षण या आवधिक पुनर्विचार पर निर्भर हो सकते हैं।

रूस से तेल की खरीद पर भारत अपने पहले के रुख पर कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

● देशवासियों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करना सरकार की प्राथमिकता

अमेरिका के बार-बार किए जा रहे इन दावों कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के बीच भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाजार परिस्थितियों तथा बदलते अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना उसकी रणनीति का हिस्सा है।

भारत का यह बयान अमेरिका द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए पिछले साल अगस्त में उस पर लगाये गये 25 प्रतिशत दंडात्मक आयात शुल्क को हटाने के बाद आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाजार परिस्थितियों तथा बदलते अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना उसकी रणनीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है, सरकार ने कई अवसरों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तेल क्रय बंद करने का अमेरिकी दावा

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा के बाद से अमेरिका कहता रहा है कि भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए पिछले साल अगस्त में भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत दंडात्मक आयात शुल्क शनिवार को हटा लिया। ट्रंप ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि भारत ने रूसी संघ से तेल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है।

मौत के मुहाने पर बैठे हैं नागरिक

दिल्ली और उससे सटे हाई-टेक शहर नोएडा में पिछले कुछ दिनों में हुई दो घटनाओं ने विकास की चमक के पीछे छिपे मौत के अंधेरे को उजागर कर दिया है। नोएडा में एक होनहार सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जलभराव वाले गड्ढे में डूबने से मौत हो गई, तो वहीं दिल्ली के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए एक खुले गड्ढे ने बाइक सवार बैंक कर्मचारी की जान ले ली। जनकपुरी की घटना में ठेकेदार की ओर से सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे। ये मौतें महज दुर्घटना नहीं हैं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं। जब कोई हादसा होता है, तो विभाग एक-दूसरे पर दोषारोपण शुरू कर देते हैं, लेकिन कोई यह नहीं बताता कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं किया गया और हर तरफ खुले खूनी गड्ढों में नागरिक कब तक गिरते रहेंगे।

हर तरफ खूनी गड्ढे

खुदाई और सुरक्षा के नियम

● निर्धारित मानक : सरकारी विभागों (जैसे जीजेबी, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई) के लिए खुदाई के दौरान सुरक्षा के कड़े नियम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

● कठोर बैरिकेडिंग : नियम के अनुसार, 1.5 मीटर से गहरे गड्ढे के चारों ओर लोहे की चादर या कंक्रीट के अवरोधक होने चाहिए। साधारण प्लास्टिक टेप या रस्सी पर्याप्त नहीं है।

● साइनबोर्ड और रिफ्लेक्टर : कार्यस्थल से कम से कम 50 से 100 मीटर पहले 'काम चल रहा है' के बड़े बोर्ड होने चाहिए। रात के समय रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप और ब्लिंकर लाइट्स अनिवार्य हैं।

● सेफ्टी गार्ड की तैनाती : भीड़भाड़ वाले इलाकों में खुदाई स्थल पर 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात होना चाहिए जो यातायात को निर्देशित कर सके।

सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देश

● सुप्रीम कोर्ट का रुख : उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने स्पष्ट किया है कि सड़कों को गड्ढा मुक्त रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत मौलिक अधिकार है। हाल ही में न्यायालय ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे सड़क सुरक्षा ऑडिट के लिए जवाबदेह तंत्र बनाएं।

● एनजीटी के निर्देश : नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रदूषक भुगतान सिद्धांत को विस्तारित करते हुए लापरवाही किए जाने पर भुगतान लागू किया है। यदि गड्ढे से पर्यावरण या जनहानि होती है, तो संबंधित विभाग पर करोड़ों का जुर्माना लगाया जा सकता है।

लापरवाही पर क्या है कानून

● बीएनएस धारा 106 (पुराना आईपीसी 304ए) : लापरवाही के कारण मृत्यु। इसमें 5 साल तक की सजा का प्रावधान है।

● बीएनएस धारा 198/199 : लोक सेवक द्वारा कानून की अवज्ञा करना।

● मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 (धारा 198ए) : यदि सड़क के दोषपूर्ण डिजाइन या रखरखाव के कारण दुर्घटना होती है, तो संबंधित प्राधिकरण/ठेकेदार पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यहां करें शिकायत

● संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराएं। बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के लिए कहें। स्पष्ट करें कि दुर्घटना का मुख्य कारण सड़क का गड्ढा या संबंधित विभाग की लापरवाही थी। मृतक के परिवार वाले मुआवजे के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अय्यावास्का पेय के नए केंद्र बने स्पेन, पुर्तगाल

बार्सिलोना/मैड्रिड। अमेजन के घने जंगलों में तैयार होने वाला अय्यावास्का पेय अब यूरोप के आलीशान होटलों तक पहुंच गया है और खासकर स्पेन, यूरोप के उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जहां कानूनी अस्पष्टता के कारण इसके सेवन संबंधी रिट्रीट बड़े पैमाने पर आयोजित किए जा रहे हैं। यूरोप के देशों में हाल के वर्षों में अय्यावास्का पेय का सेवन एक वेलनेस प्रैक्टिस के रूप में तेजी से लोकप्रिय हुआ है। अय्यावास्का पेय दक्षिण अमेरिका के अमेज़न बेसिन में मिलने वाली औषधियों का विशेष काढ़ा है।

सूडान में ड्रोन हमले में 24 लोगों की मौत

काहिरा। मध्य सूडान में शनिवार को एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह द्वारा विस्थापित परिवारों को ले जा रहे एक वाहन पर ड्रोन से किए गए हमले में आठ बच्चों सहित 24 लोगों की मौत हो गई। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने बताया कि रैपिड सपोर्ट फोर्सेज द्वारा किया गया यह हमला उत्तरी कोरदोफान प्रांत के राहाद शहर के पास हुआ। वाहन में विस्थापित लोग सवार थे, जो डुबेइकर क्षेत्र में जारी लड़ाई के दौरान भागकर आए थे। मृतकों में दो नवजात शिशु भी शामिल हैं। कई अन्य घायलों को राहाद में इलाज के लिए ले जाया गया।

पूर्वी नेपाल के इलम में लगे भूकंप के झटके

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में कोशी प्रांत के इलम जिले में शनिवार को 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, शाम 6:50 बजे दर्ज किए गए भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 450 किलोमीटर पूर्व में स्थित इलम जिले के नयाबाजार क्षेत्र में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या हताहत की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

रूस में चार भारतीय छात्रों को मारा चाकू

मॉस्को। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के एक विश्वविद्यालय में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में चार भारतीय छात्रों समेत छह लोग घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों और यहां भारतीय मिशन की तरफ से यह जानकारी दी गयी। रूस के गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक खबरों के अनुसार, चाकू लिए एक किशोर रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के उफा में स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुस गया, उसने वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया और उनमें से कई को चाकू मार दिया। हमलावर की गिरफ्तारी के दौरान दो पुलिस अधिकारियों को चाकू लग गया।

भारत विकास का भरोसेमंद साझेदार

मलेशिया में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-हाल के ट्रेड डील्स में दिखा यह भाव

कुआलालंपुर, एजेंसी

● भारतीय समुदाय के स्नेह के लिए प्रधानमंत्री ने जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है और यह बात ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए व्यापार समझौतों में परिलक्षित होती है। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रवासी भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं।

विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

मोदी ने कहा कि हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसका कारण हमारी भाषाओं और

प्रवासी भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में एक ही कार से पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम।

भारतीय नृत्य की प्रस्तुति देकर बनाया रिकॉर्ड

मोदी और अनवर इब्राहिम का कार्यक्रम में जबरदस्त स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी भारत माता की जय और मोदी, मोदी के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है। इब्राहिम ने कहा, भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं उत्साहित हूं। उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया। इब्राहिम ने कहा कि भारत, मलेशिया के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

पीएम मोदी का किया गया भव्य स्वागत

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। मलेशिया के मानव संसाधन मंत्री रामानन रामकृष्णन और उप विदेश मंत्री लुकानिस्मान बिन अवांग सौनी ने इब्राहिम के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने पारंपरिक संगीत और नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जो दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं। मोदी ने एक्स पर कहा, हवाई अड्डे पर मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत से मैं बहुत अभिभूत हूं। मुझे हमारी वार्ता का इंतजार है और भारत और मलेशिया के बीच दोस्ती के बंधन को और मजबूत करने की उम्मीद है। मोदी रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

मलय भाषा में बड़ी संख्या में मौजूद समान शब्द ही होंगे। उन्होंने कहा, कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता आ रहा है। मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में आकर बहुत खुशी हो रही है, जो 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा है। उन्होंने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मलेशिया में रहने वाले तमिल प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दरअसल, तमिल प्रवासी यहां कई सदियों से रह रहे हैं। इस इतिहास से प्रेरित होकर, हमने मलय विश्वविद्यालय में तिरुवल्लुवर चेयर की स्थापना की है। अब हम साझा विरासत को मजबूत करने को तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करेंगे।

ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर टैरिफ लगाएगा अमेरिका

● राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान संबंधी एक खास कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। यह आदेश अमेरिका को उन देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की अनुमति देता है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवाएं खरीदते हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह आदेश विशिष्ट टैरिफ स्तर तो निर्धारित नहीं करता है, लेकिन अधिकारियों को बदलती परिस्थितियों के आधार पर उन्हें तय करने और समायोजित करने के लिए अधिकृत करता है।

इस आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर हालात बदलते हैं, जवाबी कार्रवाई होती है, या यदि ईरान अथवा कोई प्रभावित देश राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति एवं आर्थिक मामलों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ तालमेल बिठाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाता है, तो राष्ट्रपति इस आदेश में संशोधन कर सकते हैं। यह आदेश विदेश मंत्री, वाणिज्य मंत्री और व्यापार प्रतिनिधि को टैरिफ प्रणाली एवं संबंधित उपायों को लागू करने के लिए नियम और दिशा-निर्देश जारी करने सहित सभी आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करता है। इसका उद्देश्य ईरान के ऐसे कदमों का सामना करना है, जिसमें उसकी परमाणु क्षमता हासिल करने की कोशिश, आतंकवाद का समर्थन, बैलिस्टिक मिसाइल विकास और क्षेत्रीय अस्थिरता शामिल है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये सभी कारक अमेरिकी सुरक्षा, उनके सहयोगियों और अमेरिकी हितों के लिए खतरा हैं। बयान में आरोप लगाते हुए कहा गया, ईरान पूरे मध्य पूर्व में प्रॉक्सी समूहों और मिलिशिया को समर्थन प्रदान करता है। इनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो अमेरिकी सेना, क्षेत्रीय भागीदारों एवं सहयोगियों को सक्रिय रूप से निशाना बनाने में संलिप्त हैं। यह भी कहा कि ईरानी शासन द्वारा संसाधनों का कुप्रबंधन स्पष्ट है। वह अपने बुनियादी ढांचे और नागरिकों की भलाई के बजाय परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देता है।

ट्रंप ने ईरान से बातचीत को अच्छा बताया

मस्कट। ईरान और अमेरिका ने शुक्रवार को ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की। यह बातचीत तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा के तरीके को लेकर फिर शुरुआती बिंदु पर लौटती दिखी लेकिन पहली बार अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपने शीर्ष सैन्य कमांडर को भी इसमें शामिल किया। ओमान की राजधानी मस्कट में वार्ता के दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख नौसेना एडमिरल ब्रैड कूपर की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और अन्य युद्धपोत अब ईरान के तट के पास अरब सागर में तैनात हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है और अगले सप्ताह फिर वार्ता होगी। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि यदि परमाणु समझौता नहीं हुआ तो परिणाम बेहद गंभीर होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार देर रात एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ऐसा लगता है कि ईरान यह समझौता करना चाहता है जैसा कि होना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान पहले की वार्ताओं से ज्यादा करने को तैयार लग रहा है, हालांकि उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया।

निजी उपग्रह ने अंतरिक्ष से ली आईएसएस की तस्वीर

चेन्नई। भारत में निर्मित निजी उपग्रह एएफआर ने कक्षा में रहते हुए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की तस्वीर खींचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अज़िस्ता स्पेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि करीब 80 किलोग्राम वजनी एएफआर उपग्रह को वर्ष 2023 में प्रक्षेपित किया गया था। इसने लगभग 250 से 300 किलोमीटर की दूरी से सूर्य के प्रकाश में आईएसएस की तस्वीरें लीं। उपग्रह के सेंसर को अत्यंत सटीकता के साथ आईएसएस को ट्रैक करने के लिए निर्देशित किया गया था, जिससे पांच अलग-अलग फ्रेम में उसकी तस्वीरें कैद की गईं। यह प्रयास दो स्वतंत्र चरणों में किया गया और दोनों में 100 प्रतिशत सफलता मिली। इस प्रक्रिया से प्राप्त तस्वीरों में लगभग 2.2 मीटर सैंपलिंग रेजोल्यूशन हासिल हुआ, जिससे ट्रैकिंग एल्गोरिदम और इमेजिंग सटीकता का सफल सत्यापन हुआ। एएफआर ऐसा कारनामा करने वाला भारत में निर्मित और संचालित एकमात्र उपग्रह है। एएफआर पहले से ही इमेजरी और रिमोट सेंसिंग के जरिए कई ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है।

● सूर्य के प्रकाश में फोटो ले हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने एक सुनियोजित समुद्री-हवाई समन्वित अभियान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दो दिनी इस अभियान से संघर्षरत क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले भारी मात्रा में तेल और तेल-आधारित कार्गो के अवैध कारोबार में शामिल एक जटिल नेटवर्क ध्वस्त हुआ है। गुरुवार को मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में तटरक्षक बल के जहाजों ने तीन संदिग्ध जहाजों को रोका। टीमों ने जहाजों की तलाशी, बरामद इलेक्ट्रॉनिक डेटा की पुष्टि, दस्तावेजों का सत्यापन और चालक दल से पूछताछ के द्वारा पूरी जानकारी जुटाने और आपराधिक कार्यप्रणाली की पुष्टि कर पाई।

सूरजकुंड मेले में झूला टूटा इंस्पेक्टर की मौत, 11 घायल

फरीदाबाद। सूरजकुंड मेले में शनिवार को बिजली से चलने वाला एक बड़ा झूला टूट कर गिरने से ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस निरीक्षक की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। वहीं, इस घटना से लगभग एक घंटे पहले मेला स्थल पर एक अन्य घटना में एक दरवाजा गिरने से बच्चे समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब छह बजे करीब 19 लोग झूले पर सवार थे, तभी झूला एक तरफ झुक कर जमीन पर गिर गया। सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा और पर्यटन विभाग के प्रबंध निदेशक पार्थ गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे। उपायुक्त सिन्हा ने बताया कि घायलों के इलाज के लिए तुरंत व्यवस्था की गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मृत अधिकारी की पहचान पलवल पुलिस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद के रूप में की गई है, जो मेला ड्यूटी पर थे और पुलिस लाइन, पलवल में तैनात थे। प्रसाद मूल रूप से मथुरा के रहने वाले थे और मार्च में सेवानिवृत्त होने वाले थे। पुलिस ने बताया कि झूला बहुत तेज गति से ऊपर-नीचे हो रहा था, तभी अचानक उसका एक सिरा टूट गया।

● मेले में ड्यूटी पर तैनात थे मथुरा के रहने वाले पुलिस निरीक्षक

यूक्रेन-रूस समझौते को जून तक दी समय सीमा

कीव, एजेंसी

● अमेरिका ने युद्ध की समाप्ति के लिए बनाया दबाव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस को लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए समझौते पर पहुंचने के वास्ते जून की समय सीमा दी है। जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यदि जून की समयसीमा पूरी नहीं होती है, तो ट्रंप प्रशासन संभवतः दोनों पक्षों पर इसे पूरा करने के लिए दबाव बनाएगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी पक्ष इस गर्मी की शुरुआत तक युद्ध समाप्त करने का प्रस्ताव दे रहा है और संभवतः इसी कार्यक्रम के अनुसार सभी पक्षों पर दबाव डालेगा। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप कहते हैं कि वे जून तक सबकुछ ककरना चाहते हैं। वे युद्ध समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। वे सभी घटनाओं का एक स्पष्ट विवरण चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने अगले सप्ताह त्रिपक्षीय वार्ता का अगला दौर पहली बार अपने देश में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है, जो संभवतः मियामी में होगा। उन्होंने कहा कि हमने अपनी भागीदारी की पुष्टि की। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने अमेरिका को 12 हजार अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक प्रस्ताव पेश किया है, जिसे उन्होंने रूसी दूत किरिल दिमित्रीव के नाम पर दिमित्रीव पैकेज नाम दिया है।

भारतीय छात्र ने लंदन में शुरू की थॉमस टूर सेवा

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) से हाल ही में मैक्रो-इकोनॉमिक्स में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने वाले केरल के एक छात्र ने रोजी-रोटी कमाने और ब्रिटेन में नौकरी की तलाश में जुटे स्नातकों का मनोबल बढ़ाने के लिए थॉमस टूर्स नाम की अनूठी टूर गाइड सेवा शुरू की है। तिरुवल्ला के मल्लापल्ली गांव के जेम थॉमस मैथ्यू (23) ने अपने दादा के नाम पर थॉमस टूर सेवा शुरू की है, जो उन्हीं की तरह नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं को अंशकालिक आधार पर रोजगार हासिल करने का मौका देती है। थॉमस टूर के तहत जेम ने ऐसे यात्रा पैकेज तैयार किए हैं, जो आगंतुकों को कम खर्च में लंदन के विभिन्न स्थलों का दौरा करने का अवसर प्रदान करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 8 फरवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 9 फरवरी 05.01 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

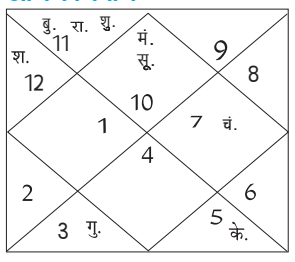

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर। **चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर। **ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। **नक्षत्र**- स्वाती 9 फरवरी 05.02 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। आपके सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी। तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा।

वृष — आज आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं। एक साथ अनेक काम संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

मिथुन — आज अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ठ और मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

कर्क — आज अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे वो आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

सिंह — आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकते हैं। महिलाओं को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — आज पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम सिद्ध होगा।

वृश्चिक — आज महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

धनु — आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में विजय हो सकती है। प्रेम संबंधों को लेकर परेशानी होगी।

मकर — आज रुचिपूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है।

कुंभ — आज बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर विचार कर सकते हैं। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय ज्यादा खर्च करेंगे।

मीन — आज आप कोई नया काम शुरू करने से बचें। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं।

सुडोकू-55

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					4			5
2	9			6		3		
	3				7			
		5					7	
1		2				4		3
	6					8	9	
		9		4				
8		1					3	4
7			2					

सुडोकू - 54 का हल

5	1	4	9	7	2	6	8	3
3	7	2	4	8	6	1	5	9
9	8	6	5	3	1	2	7	4
1	9	5	3	2	8	4	6	7
7	2	3	1	6	4	8	9	5
6	4	8	7	9	5	3	2	1
2	5	9	8	1	3	7	4	6
4	6	1	2	5	7	9	3	8
8	3	7	6	4	9	5	1	2

चैंपियंस! इस युवा ग्रुप और उनके निडर क्रिकेट पर बहुत गर्व है। कोच और सपोर्ट स्टाफ समेत पूरी टीम को शाबाशी। इस पल का आनंद लें! जब आपके पास एक सूर्यवंशी हो, तो एक टाइमलेस ब्लॉकबस्टर की उम्मीद होती है! शाबाश, वैभव!

-सचिन तेंदुलकर

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 8 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड	सुबह 11 बजे
इंग्लैंड-नेपाल	दोपहर 3 बजे
श्रीलंका-आयरलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और आईसीसी के चेयरमैन जयशाह। एजेंसी

अमेरिकी राजदूत रहे स्टेडियम में मौजूद

मुंबई। भारत के अमेरिका के राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर शनिवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच टी20 विश्व कप मुकाबले के दौरान मौजूद रहे। गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह के साथ मुकाबले से पहले आयोजित शानदार उद्घाटन समारोह और आतिशबाजी का लुत्फ उठाया। इस मौके पर भारत के पूर्व कप्तान और इस टी20 विश्व कप के इस सत्र के ब्रांड दूत रोहित शर्मा भी मौजूद थे। गोर ने इससे पहले 'एक्स' पर लिखा टी20 विश्व कप मैच के लिए मुंबई पहुंचा हूं। अमेरिका की टीम के लिए बड़ा दिन। अमेरिका की टीम को शुभकामनाएं।

अधिक टीमों का खेलना अच्छा है : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप के मौजूदा चरण से 20 टीम के विस्तार का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि इससे और अधिक देशों के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। आईसीसी टी20 विश्व कप का 2026 चरण टीम की संख्या के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर राशिद ने कहा विश्व कप में ज्यादा टीम का होना हमेशा अच्छा है। इससे कई देश इसमें शामिल होगें और आपको बहुत नयी प्रतिभाएं देखने को मिलेंगी। अलग-अलग टीमें आती हैं। मुझे लगता है कि इसी तरह विश्व कप और बड़ा बनता जाता है।

इलावेनिल को एयर राइफल में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए जापान की मिसाकी नोबाटा की कड़ी चुनौती को पछाड़कर शनिवार को यहां एशियन चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में मेघना सज्जनर ने कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल, आर्या बोर्से और मेघना सज्जनर की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर कर्णी सिंह परिसर में भारत की महिला राइफल निशानेबाजों के लिए दिन को यादगार बना दिया।

भारत का टी-20 विश्व कप में विजयी आगाज, अमेरिका को 29 रनों से धोया

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खेली शानदार पारी, मोहम्मद सिराज ने चटकाए तीन विकेट

मुंबई, एजेंसी

गत चैंपियन भारत ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की दबाव में खेली गई 84 रन की नाबाद पारी के बाद मोहम्मद सिराज (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में अनुशासित गेंदबाजी से शनिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के शुरूआती मैच में अमेरिका को 29 रन से हराकर अभियान शुरू किया।

भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी। खिताब के प्रबल दावेदार भारत के लिए सूर्यकुमार अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में दबाव भरी परिस्थिति में संभलकर खेलते हुए अंत तक डटे रहे। उन्होंने 49 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। इससे शीर्ष और मध्यक्रम में सामूहिक बल्लेबाजी नाकामी के बावजूद भारत नौ विकेट पर 161 रन बनाने में कामयाब रहा क्योंकि विकेटों के गिरने से एक समय ऐसा लग रहा था कि पारी बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। उसके लिए संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने 37-37 रन तथा मिलिंद कुमार ने 34 रन बनाए।

भारत के नई गेंद के गेंदबाज अर्शदीप सिंह (18 रन देकर दो विकेट) और सिराज ने अच्छी शुरुआत की जिससे अमेरिका की टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 49 रन ही बना सकी। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अस्वस्थ होने के कारण सिराज को अंतिम एकादश में शामिल किया गया, वह दोनों गेंदबाजों में सबसे ज्यादा खतरनाक थे।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सूर्यकुमार के अलावा मेजबान टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके जिसमें तिलक वर्मा ने 25 रन और ईशान किशन ने 20 रन का योगदान दिया। 13वें ओवर में भारत का स्कोर छह विकेट पर 77 रन हो गया था और टीम बुरी तरह लड़खड़ा गई थी लेकिन सूर्यकुमार ने अकेले दम पर पारी को संभाला। दक्षिण अफ्रीका में जन्में शैडली वान शाल्कविक ने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट झटके। सूर्यकुमार को छोड़कर भारत का मशहूर बल्लेबाजी लाइन-अप पूरी तरह नाकाम रहा और एक समय टीम बहुत कम स्कोर पर सिमटने की ओर बढ़ती दिख रही थी। संकेत शुरुआत में ही मिल गया था जब भारत पहली चार गेंद पर कोई रन नहीं बना सका।

अमेरिकी गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का बिल्कुल भी मौका नहीं दिया। ईशान ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर खाता खोला, लेकिन दूसरे ओवर में अभिषेक शर्मा के पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट होने से भारत को पहला झटका लगा। अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल की बेहद सटीक तरीके से क्षेत्ररक्षकों के सजाया हुआ था।

जीत दर्ज करने के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

भारत

161/9 (20 ओवर)

ईशान किशन का मिलिंद बो वान	20
अभिषेक का कृष्णमूर्ति बो अली	00
तिलक वर्मा का पटेल बो वान	25
सूर्यकुमार यादव नाबाद	84
शिवम दुबे का नेत्रवलकर बो वान	00
रिंकू सिंह का मिलिंद बो मोहसिन	06
हार्दिक का साईतेजा बो हरमीत	05
अक्षर का मोहसिन बो हरमीत	14
अर्शदीप सिह का मिलिंद बो वान	04
वरुण चक्रवर्ती रन आउट	00

गेंदबाजी : सौरभ नेत्रवलकर 4-0-65-0, अली खान 2-0-13-1, शैडली वान शाल्कविक 4-0-25-4, मोहम्मद मोहसिन 4-0-16-1, शुभम रंजने 2-0-16-0, हरमीत सिंह 4-0-26-2

अमेरिका

132/8 (20 ओवर)

एंड्रीस गॉस का तिलक बो सिराज	06
मुक्तमल्ला का वरुण बो सिराज	02
मोनांक पटेल का दुबे बो अर्शदीप	00
मिलिंद स्ट ईशान किशन बो वरुण	34
संजय कृष्णमूर्ति का रिंकू बो अक्षर	37
शुभम रंजने पगबाधा बो सिराज	37
हरमीत सिंह का सिराज बो अक्षर	00
मोहसिन का तिलक बो अर्शदीप	08
शैडली वान शाल्कविक नाबाद	02

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-18-2, मोहम्मद सिराज 4-0-29-3, वरुण चक्रवर्ती 4-0-24-1, अक्षर पटेल 4-0-24-2, हार्दिक 4-0-34-0

युवा ब्रिगेड के हर सदस्य ने बखूबी निभाई अपनी भूमिका

मुंबई, एजेंसी

अंडर 19 विश्व कप

- **सूर्यवंशी की आक्रामकता, म्हात्रे की दृढ़ता और जॉर्ज के हौसले से टीम ने रचा इतिहास**

क्रिकेट के दीवाने देश के नूरे नजर बने वैभव सूर्यवंशी ने अपना सर्वश्रेष्ठ फाइनल के लिये बचा रखा था जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे जरूरत के समय संकटमोचक साबित हुए और उनकी युवा ब्रिगेड के हर सदस्य ने अपनी भूमिका बखूबी निभाते हुए इंग्लैंड को सौ रन से हराकर भारत को छठी बार अंडर 19 विश्व कप दिलाया।

आईपीएल में अपनी प्रतिभा की बानगी पहले ही दे चुके चौदह वर्ष के सूर्यवंशी में भारत के महान खिलाड़ियों की लीग में शामिल होने का माद्दा है। मुंबई के एक और बल्लेबाज ने दृढता और आत्मविश्वास की नई कहानी लिखी और वह है कप्तान म्हात्रे जिन्होंने खराब फॉर्म को अलविदा कहकर नॉकआउट में अहम भूमिका निभाई।

वैभव सूर्यवंशी : फाइनल में 80 गेंद में 15 चौकों और 15 छक्कों के साथ 175 रन बनाने वाले सूर्यवंशी की सफलता ने भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन ढांचे का भी परिचय दिया है जो युवा प्रतिभाओं को तलाशता और तराशता है। पिछले साल आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बिहार के समस्तीपुर के इस 14 वर्षीय युवक का नाम आज फिर पूरे भारत की जबां पर है।

आयुष म्हात्रे : सेमीफाइनल से पहले छह मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक लगा सके मुंबई के इस खिलाड़ी की आलोचना होने लगी थी। पाकिस्तान के खिलाफ खाता नहीं खोल सके लेकिन 21 रन देकर तीन विकेट लिये और भारत की जीत के सूत्रधार बने।।

वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

बीसीसीआई ने दिए 7.5 करोड़ रुपये

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 विश्वकप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए साढ़े सात करोड़ रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने छठी बार अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और जूनियर क्रिकेट कमेटी के लिए साढ़े सात करोड़ रूपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की।

आरोन जॉर्ज : हैदराबाद के लिए खेलने वाले केरल के आरोन जॉर्ज को उनकी प्रवाहमय पारियों के लिए जाना जाता है। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 115 रन बनाए।

शेफर्ड की हैट्रिक से वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को परास्त किया

कोलकाता, एजेंसी

शिमरोन हेटमायर की तूफानी अर्धशतकीय पारी और रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक सहित पांच विकेट से वेस्टइंडीज ने शनिवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में स्कॉटलैंड को 35 रन से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने हेटमायर के 36 गेंद में 64 रन की आक्रामक पारी के दम पर पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 18.5 ओवर में 147 रन पर आउट कर दिया।

शेफर्ड ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 20 रन देकर इस प्रारूप में पहली बार पांच विकेट झटके। उन्होंने इस दौरान पांच गेंद के अंदर चार विकेट लिये जिसमें मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन के विकेटों के साथ हैट्रिक पूरी की। यह शेफर्ड की चार महीने में दूसरी टी20 अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक है। उन्होंने इससे पहले अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी। बांग्लादेश के हटने के बाद स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में भाग लेने की जानकारी केवल दो सप्ताह पहले मिली थी। उसकी गेंदबाजी अनुशासित दिखी लेकिन लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी तैयारी की कमी साफ नजर आयी।

वेस्टइंडीज ने इसके साथ ही 2022-23 में इस टीम से मिली हार का बदला भी चुकता किया। टीम को कुछ दिनों पहले नेपाल से भी हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में टी20 में यह वेस्टइंडीज की एसोसिएट देश पर पहली जीत है। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंग्टन ने 24 गेंदों में 42 रन की तेज पारी खेली, जबकि टॉम ब्रूस ने 28 गेंदों में 35 रन बनाए। इन दोनों की चौथे विकेट के लिए 47 गेंद में 78 रन की साझेदारी टूटने के बाद लगातार विकेट गिरने के कारण टीम काफी पीछे रह गयी।

जेसन होल्डर बेरिंगटन को धीमी गेंद पर आउट कर 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने वाले वेस्टइंडीज के पहले गेंदबाज बने। हेटमायर ने भी शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए कवर पर जॉर्ज मन्सी एक हाथ से कैच लपका।

पांच विकेट का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड (बीच में)। एजेंसी

आईसीसी ने पाकिस्तानी बोर्ड से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने से इनकार को सही ठहराने के लिए 'फोर्स मेज्योर (अप्रत्याशित या नियंत्रण से बाहर की स्थिति)' प्रावधान कैसे लागू किया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस मामले में सरकार पर जिम्मेदारी डालते हुए खुद को स्थिति से अलग करने की कोशिश की थी।

पीसीबी ने हालांकि आईसीसी से बातचीत शुरू कर दी है जिससे अब उम्मीद की एक किरण नजर आ रही है। आईसीसी के एक निदेशक ने उम्मीद जताई कि 15 फरवरी को होने वाला यह महत्वपूर्ण मुकाबला होगा। उन्होंने कहा बातचीत शुरू हो गई है। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है जब टीम सरकार के निर्देशों के तहत पूरे टूर्नामेंट में बाकी मैच खेलने को तैयार है, तो सिर्फ एक मुकाबले से हटने का फैसला कैसे जायज ठहराया जा सकता है। पीसीबी ने कुछ दिन पहले आईसीसी को 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान लागू करने की मांग की थी।

अशरफ की पारी से पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को तीन विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

- **148 रनों के लक्ष्य को अंतिम ओवर में हासिल किया**

निचले क्रम के बल्लेबाज फहीम अशरफ के 11 गेंद में 29 रन की मदद से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में शनिवार को नीदरलैंड को तीन विकेट से हराया। जीत के लिए 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान का स्कोर दस ओवर के बाद दो विकेट पर 90 रन था लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाए। एक समय 16.1 ओवर में सात विकेट पर स्कोर 114 रन था और उसे जीत के लिये 34 रन की जरूरत थी। आखिरी दो ओवर में पाकिस्तान को 29 रन चाहिए थे। अशरफ ने लोगान वान बीक की गेंद पर तीन छक्के और एक चौका लगाया और आखिरी ओवर में चौका जड़कर मैच तीन गेंद बाकी रहते पाकिस्तान के नाम किया।

इससे पहले ओडाउड ने अशरफ का कैच 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर छोड़ा था जब वह सात रन पर थे। नीदरलैंड को इस कैच के छूटने की भारी कीमत चुकानी पड़ी। टी20 विश्व कप से पहले मैदान के बाहर की सुर्खियों ने पाकिस्तान की तैयारी को प्रभावित किया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मैच नहीं खेलने का फैसला किया है। पाकिस्तान के लिये साहिबजादा फरहान ने 31 गेंद में सर्वाधिक 47 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज सईम अयूब ने 13 गेंद में 24 रन का योगदान दिया। बाबर आजम 18 गेंद में 15 रन ही बना सके। पॉल वान मीकेरेन ने 12वें ओवर में फरहान और उस्मान खान (0) को आउट किया और 13वें ओवर में बाबर भी चले गए। पाकिस्तान का स्कोर इस समय पांच विकेट पर 100 रन था। आखिरी पांच ओवर में पाकिस्तान को 37 रन चाहिये थे लेकिन अनुभवी काइल क्लेन ने 16वें ओवर में मोहम्मद नवाज (छह) को पवेलियन भेजा। आखिरी चार ओवर में पाकिस्तान को 34 रन की जरूरत थी जब शादाब खान भी अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद अशरफ ने टीम को संकट से निकाला। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई नीदरलैंड टीम ने छठे ओवर में 14 रन निकालकर पावरप्ले के छह ओवरों में दो विकेट पर 50 रन बना लिये थे लेकिन आखिर में पूरी टीम 19.5 ओवर में 147 रन पर आउट हो गई।

शॉट लगाते फहीम अशरफ। एजेंसी

न्यूजीलैंड को अफगानिस्तान के खिलाफ करना होगा बेहतर प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी

उलटफेर करने में माहिर अफगानिस्तान जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के पहले मैच में रविवार को खेल के हर विभाग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। विश्व कप से पहले इस प्रारूप में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है और भारत ने उसे सीरीज में 4.1 से हराया।

टिम सीफर्ट और फिन एलेन के आने से शीर्षक्रम मजबूत लग रहा है लेकिन रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेवोन कोंवे को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत के खिलाफ मध्यक्रम की नाकामी न्यूजीलैंड को बहुत खली है। ऐसे में कोई कोताही महंगी पड़ सकती है क्योंकि इस ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका भी है। न्यूजीलैंड को अपने गेंदबाजों के भी फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी जो भारत के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए थे। लॉकी फर्ग्युसन ने भारत के खिलाफ एक ही मैच खेला लेकिन उनकी गेंदों में अतिरिक्त रफ्तार और विविधता देखी गई। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ अहम भूमिका निभानी होगी जबकि मिचेल सेंटनेर और लेग स्पिनर ईश सोढी उनका साथ देंगे।

इंग्लैंड का सामना नेपाल से

मुंबई। दो बार की चैम्पियन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को उम्मीद है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को उनकी टीम जब नेपाल से खेलेगी तो फोकस वेलिंगटन क्लब में हुई घटना की बजाय मैदान में प्रदर्शन पर रहेगा। टी20 प्रारूप में दमदार टीमों में से एक इंग्लैंड की कमान ब्रूक के हाथ में है लेकिन एशेज दौरे से पहले रात को नाइटक्लब में एक बाउंसर से हुई उनकी झड़प को लेकर लगातार वह सुर्खियों में रहे हैं। कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में उनसे उस घटना से जुड़ा सवाल पूछा गया और हरफनमौला विल जैक्स को भी उन सवालों का जवाब देना पड़ा। जैक्स ने कहा मैं उस समय न्यूजीलैंड में नहीं था तो मुझे जानकारी नहीं है।

खराब फॉर्म से जूझ रहे श्रीलंका का सामना आयरलैंड से

कोलंबो। खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अपने पहले मैच में रविवार को आयरलैंड से खेलेगी तो पिछली निराशाओं को भुलाकर अपने घरेलू दर्शकों को मुस्कुराने का मौका देने का इरादा होगा।भारत के साथ टूर्नामेंट की सह मेजबान श्रीलंका की तैयारी अच्छी नहीं रही है। उसे घरेलू टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया। अब श्रीलंका उन गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। श्रीलंका की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रही है। इंग्लैंड के खिलाफ दबाव के हालात में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों नहीं चल सके।बारह साल पहले टी20 विश्व कप जीत चुकी श्रीलंका को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा और कागजों पर उसकी टीम मजबूत भी दिख रही है। श्रीलंका को पेचीदा ग्रुप मिला है जिसमें आस्ट्रेलिया भी है।

डेविस कप क्वालीफायर | **नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला 1-1 से बराबर रहा**

दक्षिणेश्वर के प्रदर्शन से भारत ने की वापसी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत की डेविस कप टीम में अहम खिलाड़ी के रूप में तेजी से उभर रहे दक्षिणेश्वर सुरेश ने शनिवार को यहां क्वालीफायर राउंड एक के मुकाबले में नीदरलैंड के शीर्ष खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग को शिकस्त दी। सुमित नागल की दिन के पहले एकल मुकाबले में हार के बाद दक्षिणेश्वर की 6-4, 7-5 से मिली जीत से भारत शुरुआती दिन मुकाबला 1-1 से बराबर करने में सफल रहा।

विश्व रैंकिंग में 465वें स्थान पर काबिज दक्षिणेश्वर ने विश्व नंबर 88 डी जोंग के खिलाफ जोरदार जीत हासिल डेविस कन में भरोसेमंद खिलाड़ी के तौर पर अपनी साख मजबूत की। उन्होंने पिछले साल स्विट्जरलैंड्स के खिलाफ उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भी जीत दर्ज की थी।

दक्षिणेश्वर सुरेश और सुमित नागल। एजेंसी

नागल के दो घंटे 28 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में गाए डे ओडेन से 0-6, 6-4, 3-6 से हारने के बाद भारत 0-1 से पिछड़ गया था।

भारत को टूर्नामेंट में बनाए रखने का दबाव दक्षिणेश्वर पर था, और उन्होंने डी जोंग के खिलाफ संयमित प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में जोरदार सर्विस की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने देर से मिले मौके का फायदा उठाते हुए बढ़त बना ली। दक्षिणेश्वर ने दूसरे सेट में भी ऐसा ही संयम दिखाया, शुरुआत में ही एक ब्रेक प्वाइंट बचाया और निर्णायक क्षण में डी जोंग की लड़खड़ाती सर्विस का फायदा उठाकर सेट अपने नाम कर लिया। इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच बहुत कम अंतर था, दोनों खिलाड़ियों ने जोरदार सर्विस की और लंबी रैलियों से परहेज किया।

नागल ने छूटे मौकों पर अफसोस जताया

बेंगलुरु। सुमित नागल ने स्वीकार किया कि निर्णायक सेट में कुछ महत्वपूर्ण गेम गंवाना उनके लिए महंगा साबित हुआ जिससे वह डेविस कप क्वालीफायर के पहले दौर के एकल मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ हार गए। नागल ने हालांकि कहा कि यह हार उनके लिए एक सीखने का अनुभव था क्योंकि वह चोट से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। गाए डे ओडेन के खिलाफ पहला सेट 0-6 से हराने के बाद नागल ने दूसरे सेट में वापसी की लेकिन तीसरे सेट में अहम मौकों को भुनाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा मैं तीसरे सेट से थोड़ा निराश हूं, खासकर 1-0 और फिर 4-3 के आसपास के गेम से। मुझे लगता है कि वही दो गेम मैच का फैसला कर गए।